हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

करें योग, रहें निरोग

शुक्ल पक्ष, उत्तर फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • रविवार • 21 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 199 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,33,900	₹ 2,50,000

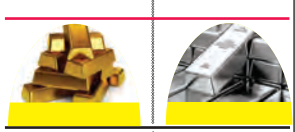

आज का इतिहास

2009 : भारत की बैडमिंटन स्टार खिलाड़ी साइना नेहवाल सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

1991 : पी.वी. नरसिम्हाराव भारत के नौवें प्रधानमंत्री बनें।

न्यूज बाइट्स

बीपीएससी 70वीं का फाइनल रिजल्ट जारी

पटना (नि.सं.) । बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने लंबे इंतजार के बाद 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। आयोग के अध्यक्ष रवि मनुभाई परमार ने रिजल्ट जारी करते हुए कहा कि आयोग के इतिहास में सबसे बड़ी वैकेंसी थी। 2035 कैंडिडेट्स सेलेक्ट हुए हैं, जिनकी नियुक्ति एसडीएम, डीएसपी, टैक्स अधिकारी, राज्य टैक्स अधिकारी समेत अन्य पदों पर होगी। बीपीएससी 70वीं पीटी की परीक्षा 13 दिसंबर 2024 और मेन्स एग्जाम अप्रैल 2025 में हुई थी। इसके बाद 2026 में जनवरी से अप्रैल तक इंटरव्यू लिया गया। हालांकि, यह परीक्षा विवादों, आंदोलनों और राजनीतिक चर्चाओं के लिए भी सुर्खियों में रही।

पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी

नई दिल्ली (ए.) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी कर देशभर के करोड़ों किसानों को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर पात्र किसानों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 2,000-2,000 रुपये की राशि भेजी गई। सरकार के अनुसार, 23वीं किस्त के तहत 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में करीब 18,880 करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए हैं। इसके साथ ही योजना के तहत अब तक किसानों को वितरित की गई कुल राशि 4.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें खेती-किसानी से जुड़े कार्यों में मदद मिल रही है।

बिहार में 11 अधिकारी रिश्वत लेते पकड़े गए, 17 निलंबित

नई दिल्ली (ए.) । राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बिहार राजस्व सेवा के 70 अंचल एवं राजस्व अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर रखी है। विभागीय मामलों की समीक्षा के दौरान यह जानकारी सामने आई है कि कई मामलों में जांच प्रक्रिया अभी भी जारी है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि समय पर जांच प्रतिवेदन नहीं मिलने के कारण दोषी अधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई में अनावश्यक देरी हो रही है। उन्होंने जांच अधिकारियों को जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में न्यायिक जांच के आदेश

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे : सीएम

निज संवाददाता | पटना

भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बढ़ते राजनीतिक विवाद और निष्पक्ष जांच की मांग के बीच बिहार सरकार ने न्यायिक जांच कराने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की है कि पूरे मामले की जांच उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि 17 जून को भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में हुई पुलिस मुठभेड़ की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच का उद्देश्य घटना से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों को सामने लाना है, ताकि किसी भी प्रकार की आशंका या भ्रम की स्थिति समाप्त हो सके। भरत तिवारी एनकाउंटर को लेकर विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं ने भी पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा था कि वायरल वीडियो कई तरह के संदेह पैदा करता है। उन्होंने चार पुलिसकर्मियों के निलंबन को पर्याप्त नहीं बताते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में विस्तृत जांच की मांग की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि कोई पुलिसकर्मी कानून का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी अपराधियों की तरह सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भी पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि यदि भरत तिवारी ने आत्मसमर्पण कर दिया था तो गोली चलाने की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाने की मांग की थी।

पुलिस दोषी हुई तो नहीं बचेगी, हो निष्पक्ष जांच : संजय झा

निज संवाददाता | भोजपुर

भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिटौली पुलिस एनकाउंटर मामले में वायरल वीडियो सामने आने के बाद जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देते हुए निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो कई गंभीर सवाल खड़े करता है और पूरे मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए।

पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान संजय झा ने कहा कि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो को देखने के बाद संदेह पैदा होता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी पुलिसकर्मी ने कानून अपने हाथ में लिया है तो उसके खिलाफ भी आम अपराधी की तरह कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य में कानून का राज सर्वोपरि है और किसी को भी कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। संजय झा ने कहा कि सरकार ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया है, लेकिन इतने गंभीर मामले में केवल निलंबन पर्याप्त नहीं है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कर जिम्मेदारी तय करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सरकार और गृह विभाग से मांग की कि मामले की जांच किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम (एसआईटी) से कराई जाए। साथ ही जांच के लिए समय सीमा भी निर्धारित की जाए, ताकि जल्द से जल्द सच्चाई सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई हो। जेडीयू नेता ने भरोसा जताया कि सरकार इस मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना किसी बाहरी दबाव के जांच कराएगी, जिससे पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता जनता के सामने आ सके।

बिहार से झारखंड तक सियासी घमासान, पप्पू यादव और जेएमएम ने सरकार को घेरा

निज संवाददाता | पटना

भोजपुर के कथित एनकाउंटर में मारे गए भरत भूषण तिवारी मामले को लेकर बिहार और झारखंड की राजनीति गरमा गई है। सत्ता पक्ष की सहयोगी जेडीयू द्वारा निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग के बीच विपक्षी दलों ने भी राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने भरत तिवारी की तुलना शहीद भगत सिंह से की है, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने इस घटना को लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला बताते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव निवासी भरत भूषण तिवारी (30) की हाल ही में पुलिस एनकाउंटर में मौत हुई थी। घटना के बाद से एनकाउंटर की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। मामले में वायरल वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष के कुछ नेताओं ने भी निष्पक्ष जांच की मांग की है।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास

सात महीने में 63 हजार रोजगार के अवसर 68 हजार से अधिक युवाओं को मिली नौकरी

निज संवाददाता | पटना

बिहार में युवाओं को रोजगार और कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयास लगातार तेज हो रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात महीनों में राज्य में 63,115 नए रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं, जबकि बिहार रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से अब तक 68,822 युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं की समीक्षा को लेकर पटना में विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'सात निश्चय-3' के तहत संचालित रोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें उद्योगों की जरूरत के अनुरूप आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कोडिंग, डिजिटल तकनीक तथा अन्य आधुनिक क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। साथ ही निजी क्षेत्र, स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और मजबूत बनाने की रणनीति पर भी विचार किया गया। विदेशों में रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित करने की योजना पर भी चर्चा हुई, ताकि उन्हें देश के साथ-साथ विदेशों में भी बेहतर रोजगार मिल सके। विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित लक्ष्यों को तय अवधि में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार सृजन को एक साथ आगे बढ़ाकर ही युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। राज्य सरकार का मानना है कि 'सात निश्चय-3' के तहत रोजगार और कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से आने वाले समय में बिहार के लाखों युवाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और बेहतर भविष्य के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

डांस कार्यक्रम में आई दो बहनों से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, 13 के खिलाफ केस दर्ज

निज संवाददाता | पटना

राजधानी पटना से सटे नौबतपुर थाना क्षेत्र में झारखंड की दो डांसर बहनों के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िताओं की शिकायत पर पुलिस ने 13 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस के अनुसार, दोनों बहनें झारखंड की रहने वाली हैं और 18 जून को नौबतपुर थाना क्षेत्र के बेलूरा रामपुर गांव में आयोजित एक तिलक समारोह में डांस कार्यक्रम प्रस्तुत करने आई थीं। पीड़िताओं का आरोप है कि कार्यक्रम के बाद उन्हें रोक लिया गया और बंधक बनाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया।

शिकायत में बेलूरा रामपुर निवासी मुन्ना कुमार, उसके चचेरे भाई सूरज कुमार, दोस्त भानु कुमार समेत कुल 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें 10 नामजद तथा तीन अज्ञात आरोपी शामिल हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद नौबतपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़िताओं का बयान लिया तथा मेडिकल जांच कराई। मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक एवं भौतिक साक्ष्य भी जुटाए हैं। फुलवारीशरीफ डीएसपी-2 दीपक कुमार ने बताया कि 19 जून को घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। मामले की जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की जा रही है। पुलिस ने मुख्य आरोपी मुन्ना कुमार को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के चेहरे की खुशहाली ही बिहार की समृद्धि का द्वार खोलेगी : मुख्यमंत्री

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि किसानों की खुशहाली ही बिहार की समृद्धि का आधार है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पारंपरिक खेती के बजाय समेकित खेती, बागवानी, पशुपालन, मत्स्यपालन और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को पटना स्थित बिहार कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (बामेती) सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर (हुगली) से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी की। मुख्यमंत्री ने बताया कि 23वीं किस्त के तहत बिहार के 73 लाख से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में 1,463 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए गए हैं। वहीं देशभर में 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 18,880 करोड़ रुपये भेजे गए। उन्होंने कहा कि बिहार में किसानों को कृषि कार्य के लिए मात्र 64 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही पीएम कुसुम योजना, सोलर पंप, फार्मर आईडी और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

मंदिर की निर्माणाधीन छत गिरी, सात श्रद्धालुओं की मौत, 25 घायल

एजेंसी | परभणी(महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के परभणी जिले में शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यशवाड़ी देवस्थान स्थित हनुमान मंदिर के सामने निर्माणाधीन सभा मंडप की छत अचानक ढह गई। हादसे में मलबे के नीचे दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार मंदिर के सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। शनिवार होने के कारण मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक थी। दोपहर के समय श्रद्धालु दर्शन-पूजन के बाद प्रसाद ग्रहण कर रहे थे, तभी निर्माणाधीन छत का सेंट्रिंग स्ट्रक्चर अचानक भरभराकर गिर पड़ा। इससे वहां मौजूद लोग मलबे के नीचे दब गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज के अनुसार दोपहर करीब तीन बजे श्रद्धालु प्रसाद लेने के लिए कतार में खड़े थे। इसी दौरान बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग ढांचा टूट गया और पूरी निर्माणाधीन छत नीचे गिर गई। हादसे के बाद पुलिस, जिला प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि हादसे में कुल 32 लोग प्रभावित हुए, जिनमें से सात की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। बचाव अभियान में आपदा प्रबंधन विभाग, पाथरी अग्निशमन विभाग, लोक निर्माण विभाग, जिला स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा टीम, परभणी नगर निगम तथा स्थानीय ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

मुख्यमंत्री और नेताओं ने जताया दुख

हादसे की खबर सामने आने के बाद विभिन्न राजनीतिक नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दुख व्यक्त किया है। कई नेताओं ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। राज्य सरकार ने भी घटना की जानकारी लेते हुए प्रशासन को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में किसी प्रकार की कमी न रहने देने के लिए कहा गया है।

PR. No.- 382725/IPRD/2026-27

Yoga 365

12वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक - 21 जून 2026 । समय: प्रातः 6:00 बजे से

स्थानः
स्वर्ण जयंती दीक्षांत मंडप, राँची विश्वविद्यालय परिसर,
मोरहाबादी, राँची

'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग'

"Yoga for Healthy Ageing"

NATIONAL HEALTH MISSION

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

NATIONAL AYUSH MISSION

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

कौआकोल में 20 सूत्री बैठक में शामिल होने से पत्रकारों को रोकने पर राजद नेता ने जताई कड़ी आपत्ति

कौआकोल। प्रखण्ड मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित 20 सूत्री की बैठक में पत्रकारों को शामिल होने से रोकने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस मामले को लेकर राजद के वरिष्ठ नेता सह अधिवक्ता व पूर्व जिला पार्षद प्रत्याशी देवनन्दन प्रसाद यादव ने सत्ता पक्ष की विधायक और प्रशासन की कार्यशैली की कड़ी निंदा की है। राजद नेता देवनन्दन प्रसाद यादव ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष की विधायक के निर्देश पर बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार द्वारा पत्रकारों को बैठक में शामिल होने से रोका गया,जबकि पत्रकारों के पास पूर्व से बैठक में शामिल होने का पत्र मौजूद था।उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और उन्हें बैठक से दूर रखना कहीं न कहीं भ्रष्टाचार को छिपाने की साजिश की ओर इशारा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रखण्ड कार्यालय समेत विभिन्न विभागीय कार्यालयों में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार फैला हुआ है और सत्ता पक्ष के विधायक विभिन्न विभागों से वसूली में लगे हैं। ऐसे मामलों को सार्वजनिक होने से रोकने के लिए पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है। राजद नेता ने कहा कि वर्ष 1952 से लेकर आज तक कौआकोल प्रखण्ड में किसी भी विधायक द्वारा किसी सरकारी बैठक में पत्रकारों के प्रवेश पर रोक नहीं लगाई गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले रोह प्रखण्ड में भी विधायक के हस्तक्षेप के कारण पत्रकारों को बैठक में शामिल नहीं होने दिया गया था,जिससे पत्रकारों और समाजसेवियों में भारी नाराजगी है। वहीं सत्ता पक्ष से जुड़े कुछ नेताओं ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर इसे विधायक और प्रशासन,विशेषकर बीडीओ की तानाशाही करार दिया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है और पत्रकारों के बीच भी इसको लेकर गहरा रोष देखा जा रहा है।

मुहर्रम को लेकर रविवार को प्रखंड सभागार में आयोजित होगी शांति समिति की बैठक

थानाध्यक्ष रणजीत कुमार ने गणमान्य नागरिकों से बैठक में शामिल होने की अपील की

रजौली। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को सुबह 10 बजे से स्थानीय प्रखंड सभागार में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। इस अति आवश्यक बैठक को लेकर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने क्षेत्र के सभी सम्मानित शांति समिति के सदस्यों, प्रबुद्ध जनों और गणमान्य नागरिकों से विशेष रूप से अनुरोध किया है कि वे समय पर इस प्रस्तावित बैठक में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। पुलिस प्रशासन का मानना है कि त्योहारों को आपसी भाईचारे के साथ मनाने में आम जनता और क्षेत्र के गणमान्य लोगों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, इसीलिए इस बैठक में उपस्थित होकर सभी प्रबुद्ध नागरिक अपने बहुमूल्य एवं महत्वपूर्ण सुझावों से प्रशासन को अवगत कराएंगे ताकि सुरक्षा और व्यवस्था के तमाम पुख्ता इंतजाम समय रहते किए जा सकें। इस बैठक के माध्यम से स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मुहर्रम के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, जुलूस के मार्गों का निर्धारण करने और किसी भी प्रकार की अफवाह या अव्यवस्था को रोकने के लिए आम जनता के साथ मिलकर एक ठोस कार्ययोजना तैयार करेंगे, जिसमें सभी स्थानीय नागरिकों का सहयोग और मार्गदर्शन बेहद निर्णायक साबित होगा।

किसानों ने देखा पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त का लाइव प्रसारण

केवीके में किसानों को दी गई योजनाओं की विस्तृत जानकारी

कौआकोल। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से 23वीं किस्त की राशि हस्तांतरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्रखंड के जेपी आश्रम सोखोदेवरा स्थित राजेंद्र भवन में किया गया,जहां ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा,नवादा के बैनर तले बड़ी संख्या में किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना तथा पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि और सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उपस्थित किसानों को बताया गया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने,खेती को आधुनिक बनाने तथा कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लगातार कई योजनाएं संचालित कर रही है। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. जयवंत कुमार सिंह ने किसानों को खेती में नई तकनीकों को अपनाने,फसल उत्पादन बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं वैज्ञानिक रजत रंजन एवं अंगद कुमार ने किसानों को खेती से जुड़ी समस्याओं,उन्नत बीजों के उपयोग तथा मौसम के अनुसार फसल प्रबंधन के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम के दौरान किसानों को खेत बचाओ अभियान के बारे में भी विस्तार से बताया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखना,जल संरक्षण करना और रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग करना समय की जरूरत है। साथ ही पीएम किसान उत्सव दिवस के महत्व पर चर्चा करते हुए किसानों को सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

रजौली में जनता दरबार में पहुंचे 9 भूमि विवाद,5 भूमि विवादों का मौके पर निपटारा

जमीन विवाद को लेकर आपस में ना झगड़ा करें : थानाध्यक्ष

जनता दरबार में मामलों का निपटारा करते सीओ व थानाध्यक्ष

रजौली। रजौली प्रखंड परिसर स्थित सभागार में शनिवार को रैयती भूमि विवाद को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया। सीओ मो. गुफरान मजहरी एवं थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के नेतृत्व में आयोजित दरबार में कुल 9 मामले पहुंचे, जिनमें से 5 का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। सीओ मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को दोनों पक्षों की मौजूदगी में भूमि विवादों का निपटारा किया जाता है। इस शनिवार अमावां निवासी प्रमिला देवी का कृष्ण प्रसाद से जमीन विवाद, चौथा गांव निवासी दिलीप शर्मा का रामदासी के सुनील कुमार गावस्कर से सीमांकन विवाद, दुलरपुरा निवासी अरुण कुमार का अलखदेव प्रसाद से रास्ते का विवाद, अंधरवारी निवासी सालता देवी का सुनील कुमार सिंह से स्वामित्व विवाद एवं रामदासी निवासी रूबी देवी का रामोतार यादव से जमीन विवाद का दोनों पक्षों की उपस्थिति में मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष 4 मामलों में केवल एक पक्ष उपस्थित हुआ। सीओ ने बताया कि द्वितीय पक्ष को नोटिस जारी कर अगले शनिवार को बुलाया गया है। दोनों पक्षों की मौजूदगी में इन चारों जमीन संबंधित विवादों को अगले शनिवार सुलझा लिया जाएगा। जनता दरबार में मौजूद थानाध्यक्ष रणजीत कुमार ने लोगों से अपील की कि जमीन संबंधित विवादों को लेकर आपस में झगड़ा न करें, बल्कि शनिवार को लगने वाले जनता दरबार में आकर शांतिपूर्ण तरीके से मामलों का निपटारा करवाएं। इस मौके पर थाने से एसआई कन्हैया लाल एवं अंचल में पदस्थापित अमीन शालिनी कुमारी समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

लकड़ी माफियाओं के सिंडिकेट पर वन विभाग की कार्रवाई, अवैध आरा मिल का भंडाफोड़, भारी मात्रा में कीमती लकड़ियां और उपकरण जब्त

सघन छापेमारी से अवैध लकड़ी कारोबारियों में मचा हड़कंप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली में अवैध रूप से पर्यावरण की संपदा को चूना लगा रहे वन माफियाओं के खिलाफ वन विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया है।क्षेत्र के पुरानी बस स्टैंड स्थित एक गुप्त ठिकाने पर चल रहे अवैध आरा मिल पर वन विभाग की विशेष टीम ने अचानक धावा बोलकर पूरे सिंडिकेट को नेस्तनाबूत कर दिया। दरअसल, विभाग को पिछले लंबे समय से गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं कि छोटकी बड़ही नामक व्यक्ति द्वारा नियमों को ताक पर रखकर,बिना किसी वैध लाइसेंस के बड़े पैमाने पर आरा मशीन का संचालन किया जा रहा है और बेशकीमती जंगली लकड़ियों की अवैध कटाई व तस्करी हो रही है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) श्रेष्ठ कुमार कृष्ण ने एक विशेष रणनीति तैयार की और उनके कड़े निर्देश पर वन क्षेत्र पदाधिकारी नारायण लाल सेवक के नेतृत्व में एक बेहद गोपनीय व चुस्त छापेमारी दल का गठन किया गया, जिसने मौके पर पहुंचकर इस पूरे काले कारोबार का पर्दाफाश कर दिया।

अवैध आरा मिल पर छापेमारी करते वन विभाग के अधिकारी व कर्मी

वन अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कानूनी शिकंजा कसा :- जैसे ही वन विभाग की मुस्तैद टीम ने पुरानी बस स्टैंड परिसर में स्थित अवैध आरा मिल की घेराबंदी कर छापेमारी शुरू की, वहां अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया और इस त्वरित कार्रवाई से पूरे इलाके के अवैध लकड़ी माफियाओं में हड़कंप मच गया। टीम ने मौके से भारी मात्रा में कीमती जंगली लकड़ियों के चिरान, पटरा और हाल ही में काटी गई लकड़ियों के ताजा कुन्नी को अपने कब्जे में ले लिया, साथ ही मिल को पूरी तरह से निष्क्रिय करने के उद्देश्य से वहां स्थापित मुख्य तकनीकी उपकरण जैसे कि विशाल चक्का, चुटकी और लोहे की प्लेटें आदि को भी उखाड़कर जब्त कर लिया। इस पूरी कार्रवाई को बेहद कुशलता और बहादुरी से धरातल पर उतारने वाले मुख्य छापेमारी दल में वनपाल आदर्श कुमार और रवि कुमार अग्रणी भूमिका में रहे, जिन्हें वनरक्षी पूजा कुमारी, संजय कुमार, सुनील कुमार चौधरी और राम बिहारी कुमार का सक्रिय व मजबूत सहयोग मिला। इस बड़ी सफलता के बाद वन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए अवैध रूप से संचालित इस मिल और इसके संचालकों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कड़ी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है, जिससे स्पष्ट संदेश गया है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की हुई समीक्षा

लाभुकों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त, नवादा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, लाभुकों को प्राप्त हो रहे लाभ, लंबित मामलों के निष्पादन तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री दिव्यांगजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री विधवा पेंशन योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम सहित अन्य पेंशन योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। इसके

अतिरिक्त समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), पोषण अभियान, मिशन शक्ति, महिला एवं बाल विकास से संबंधित कार्यक्रमों, बाल संरक्षण सेवाओं तथा विभाग द्वारा संचालित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने, योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा क्षेत्रीय स्तर पर सतत अनुश्रवण बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है, जिसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं एवं चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने लाभुकों की समस्याओं के त्वरित समाधान, योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गुरो बिन्दा कॉलेज (नर्सिंग) महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं को हरी झंडी दिखाकर प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु किया गया रवाना!

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। गुरो बिन्दा कॉलेज (नर्सिंग) महाविद्यालय, अशोक नगर, नवादा के बी0एस0सी0 नर्सिंग सत्र 2024-28 (प्रथम वर्ष) के प्रशिक्षुओं को स्वास्थ्य सेवाओं के व्यावहारिक ज्ञान एवं कौशल विकास के उद्देश्य से विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में छह माह के प्रायोगिक प्रशिक्षण (Clinical Training) हेतु हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण तथा प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापिका शिवानी कुमारी ने कहा कि नर्सिंग शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगियों की देखभाल, स्वास्थ्य संरक्षण, रोगों की रोकथाम तथा मानवीय सेवा भावना का प्रायोगिक प्रशिक्षण इसका सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। अस्पतालों में प्रशिक्षण प्राप्त करने से विद्यार्थियों को वास्तविक परिस्थितियों में रोगियों के साथ कार्य करने, उनकी समस्याओं को समझने तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का अनुभव प्राप्त होगा।

आगे बिभा कुमारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में प्रशिक्षित नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्योंकि नर्सिंग प्रशिक्षु अस्पतालों में रोगियों की देखभाल, दवा प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण, पोषण संबंधी परामर्श, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा आपातकालीन चिकित्सा सहायता जैसी विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करती हैं, इससे उनके भीतर सेवा, संवेदनशीलता, अनुशासन और उत्तरदायित्व की भावना का विकास होगा।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापिका मोतीमनी ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अभ्यास पाठ एवं क्लिनिकल प्रशिक्षण स्वास्थ्य क्षेत्र की वास्तविक चुनौतियों को समझने का सर्वोत्तम माध्यम है। अस्पतालों में कार्य करते समय रोगियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार, स्वच्छता मानकों का पालन, संक्रमण से बचाव, समयबद्ध सेवा एवं नैतिक मूल्यों का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को रोगी सुरक्षा (Patient Safety) तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं को अस्पतालों में कार्य के दौरान आवश्यक सावधानियों, जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन (Biomedical Waste Management), हाथों की स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण एवं स्वास्थ्य संबंधी नवीनतम दिशानिर्देशों की जानकारी भी प्रदान की गई। प्रशिक्षुओं ने संकल्प लिया कि वे प्रशिक्षण अवधि के दौरान पूर्ण समर्पण, अनुशासन एवं सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में अपना पूरा योगदान देंगे।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय कर्मीगण- रविकांत कुमार,अक्षय कुमार, शंकर कुमार व अन्य सहयोगियों ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा हरी झंडी दिखाकर उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रवाना किया गया। यह अवसर प्रशिक्षुओं के व्यावसायिक जीवन की महत्वपूर्ण शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जो भविष्य में उन्हें एक कुशल, संवेदनशील एवं जनसेवा के प्रति समर्पित स्वास्थ्यकर्मी बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। जो राष्ट्र के लिए एक सुखद होगा।

स्व.मालती कुंवर एवं स्व सरोज स्मृति 11वीं बिहार राज्य सब जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता का चैंपियन बना नवादा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा बिहार हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में रोहतास जिला हैंडबॉल संघ के द्वारा ए बी आर फाउंडेशन स्कूल, सासाराम के प्रांगण में आयोजित स्व.मालती कुंवर एवं स्व सरोज स्मृति 11वीं बिहार राज्य सब जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता का चैंपियन नवादा बना है।इस संबंध में आयोजन सचिव विनय कृष्ण ने पूरी जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिनों से चल रही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के अंतिम दिन फाइनल मैच में नवादा की टीम ने पटना की टीम को 12-06 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में खेले गये मैचों के परिणाम में पहले क्वार्टर फाइनल मैच में सारण ने गोपालगंज को 5-1 से दूसरे क्वार्टर फाइनल में पटना ने पश्चिम चंपारण को 14-3 से तीसरे क्वार्टरफाइनल में मुंगेर ने औरंगाबाद को 14-4 से और चौथे क्वार्टर फाइनल मैच में नवादा ने बेगूसराय को 8-1 से हरा सेमीफाइनल का

टिकट पक्का किया इस तरह पहले सेमीफाइनल में पटना की टीम ने सारण को 06-02 से हराकर फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम बनी।इस तरह दूसरे सेमीफाइनल में नवादा की टीम ने मुंगेर को 15-08 से पराजित फाइनल में जगह बनाया।वहीं फाइनल में नवादा की टीम ने पटना को एक तरफा मुकाबले में 12-06,से पराजित कर इस प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया।

समापन समारोह के अवसर पर खिलाड़ियों को विद्यालय के निर्देशक डॉ.पृथ्वीपाल सिंह ,समाज सेवी विमलेश सिंह, जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार राय, बिहार राज्य हैंडबॉल संघ के महासचिव बृज किशोर शर्मा ने विजेता एवं उपविजेता ट्रॉफी के साथ-साथ प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार पटना की स्नेहा कुमारी को दिया गया जबकि 'सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर' का पुरस्कार नवादा की अवनी वत्स को दिया गया। उक्त अवसर पर प्रतियोगिता के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी तकनीकी पदाधिकारियों एवं वॉलिंटियर को भी स्मृति चिन्ह देकर के सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. पृथ्वीपाल सिंह ने खिलाड़ियों को विजेता एवं उप विजेता बनने पर शुभकामनाएं दी और उनसे आगे और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।साथ ही जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार राय ने भी खिलाड़ियों के खेलों की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विमलेश सिंह ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह अपने जिला और राज्य का नाम ऐसे ही रोशन करती रहे। साथ ही ब्रजकिशोर शर्मा महासचिव बिहार हैंडबॉल संघ ने प्रतियोगिता के पश्चात खिलाड़ियों के चयन एवं उनके प्रशिक्षण शिविर पर प्रकाश डाला।अंत में धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव विनय कृष्ण ने किया। उक्त अवसर पर कुश कुमार त्रिपाठी,उपेंद्र कुमार, निरंजन सिंह, राणा प्रताप सिंह, अंतिम राज,नैंसी सिंह,प्रियंका कुमारी,अभिषेक कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार,ज्योति कुमारी, रिंकी कुमारी , सुमन कुमारी,एकता कुमारी आदि उपस्थित रहे।

मुहर्रम पर्व 2026 को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ **निर्धारित समय पर जुलूस नहीं निकालने वाले लाइसेंसधारियों पर होगी सख्त कार्रवाई**

नवादा जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव धीमान की संयुक्त अध्यक्षता में आज डीआरडीए सभागार, नवादा में अधिकारियों एवं जिला स्तरीय शांति समिति के सम्मानित सदस्यों के साथ मुहर्रम पर्व 2026 को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-सम्मत वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि मुहर्रम त्याग, बलिदान एवं समर्पण का पर्व है, जिसे पूरी श्रद्धा एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों को जिले में शांति एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में प्रशासन के सहयोगी एवं शांति दूत बताते हुए कहा कि सभी लोग युवाओं को भी संयम एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने सभी शांति समिति के सदस्यों से अपील की कि किसी भी गलत गतिविधि की सूचना प्रशासन को दें, ताकि घटना के पूर्व ही स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। साथ ही अफवाहों से बचने की भी सलाह दी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी स्वयंसेवक पहचान-पत्र (आईडी कार्ड) धारण करें, जिससे प्रशासन एवं पुलिस बल द्वारा उनकी पहचान सुगमता से की जा सके। उन्होंने नगर परिषद नवादा, हिसुआ एवं वारिसलीगंज तथा नगर पंचायत रजौली के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जुलूस मार्गों एवं मेला स्थलों की साफ-सफाई, चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव समय पर सुनिश्चित कराया जाए। कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग को निर्देश दिया गया कि अनुमंडल पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी जुलूस मार्गों का निरीक्षण करें तथा लटके अथवा ढीले बिजली तारों की मरम्मत समय पर सुनिश्चित कराएं। सिविल सर्जन, नवादा को सभी स्वास्थ्य संस्थानों को अलर्ट मोड में रखने, पर्याप्त जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आवश्यकतानुसार चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि जुलूस मार्गों एवं मेला स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई एवं चलंत शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी लाइसेंसधारी ससमय अपने निर्धारित समय पर ही जुलूस निकालना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित समय पर जुलूस नहीं निकालने वाले लाइसेंसधारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी एवं भविष्य में उन्हें लाइसेंस दिए जाने पर भी विचार नहीं किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव धीमान ने कहा कि मुहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मनाया जाए। उन्होंने बताया कि जिला, अनुमंडल एवं थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल

एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। आवश्यकतानुसार ड्रोन कैमरों एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था भी की जाएगी। मुहर्रम जुलूसों में डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन अथवा उपयोग अनुमान्य नहीं होगा। ताजिया की ऊंचाई एवं स्वरूप पूर्व वर्षों के अनुरूप ही रखने का निर्देश दिया गया।

अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी तथा अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जुलूस में मोटरसाइकिलों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा तथा किसी प्रकार के राजनीतिक पोस्टर, बैनर अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रदर्शित नहीं की जाएगी। भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक स्थानों पर ड्रॉप गेट एवं बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति नियंत्रण कक्ष भी कार्यरत रहेगा।

अनुमंडल पदाधिकारी, रजौली ने कहा कि जुलूस निर्धारित एवं स्वीकृत मार्गों से ही निकाले जाएंगे। स्वयंसेवक अपने साथ आधार कार्ड अथवा अन्य पहचान-पत्र अवश्य रखें। उन्होंने कहा कि जुलूस के दौरान किसी भी अन्य धर्मस्थल के समीप अनावश्यक रूप से नहीं रुकें तथा किसी की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधियों से बचें। शांति समिति के सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों के संवेदनशील स्थलों की जानकारी प्रशासन के साथ साझा की तथा जुलूस मार्गों, मेला स्थलों, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई एवं चलंत शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। उन्होंने डीजे एवं अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन पर पूर्व वर्षों की भांति पूर्ण प्रतिबंध जारी रखने की मांग की।

जिला पदाधिकारी ने आश्वस्त किया कि मुहर्रम पर्व 2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी तथा सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में उप विकास आयुक्त, नवादा, सिविल सर्जन, नवादा, अपर समाहर्ता, नवादा, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी नवादा एवं रजौली, गोपनीय शाखा प्रभारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नवादा सदर, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं जिला स्तरीय शांति समिति के सम्मानित सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा मॉब लीचिंग केस में 3 आरोपी गिरफ्तार, स्पीडी ट्रायल की तैयारी

नालंदा। नालंदा मॉब लीचिंग मामले में एसआई को बड़ी सफलता मिली है। SIT ने 3 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 4 की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस इन सभी के खिलाफ स्पीडी ट्रायल चलाकर जल्द से जल्द सजा दिलाने की तैयारी में है। राजगीर डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित एसआईटी सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का लगातार गहन विश्लेषण कर रही है। इससे पहले पुलिस ने एक अन्य आरोपी कुंज बिहारीशरण को गिरफ्तार किया था। इसके बाद मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने तीन अन्य अभियुक्तों को भी धर दबोचा। इनमें सिलाव थाना क्षेत्र के डुमरी गांव के रहने वाले सन्तू राम, छबिलापुर थाना के मेयार गांव के रहने वाले विवेक प्रसाद और शेखपुरा के रजौरा गांव निवासी मनीष कुमार शामिल हैं। इन तीनों आरोपियों ने कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। नालंदा पुलिस ने जिलावासियों को आश्वस्त किया है कि कांड के अनुसंधान में तेजी से प्रगति हो रही है। एसआईटी शेष बचे आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लेगी। पुलिस प्रशासन इस मामले की जांच को जल्द से जल्द पूरा कर स्पीडी ट्रायल संचालित कराने का प्रयास कर रहा है, ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके। पुलिस ने आम नागरिकों से एक बार फिर अपील करते हुए कहा कि वे मारपीट से जुड़ा कोई भी संवेदनशील वीडियो या सामग्री सोशल मीडिया पर साझा न करें। पुलिस की सोशल मीडिया सेल इंटरनेट पर लगातार निगरानी रख रही है और ऐसे वीडियो को टेकडाउन (हटाने) कराने की कार्रवाई की जा रही है।

प्रभावती अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान महिला झुलसी, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

गया। गयाजी के प्रभावती अस्पताल में बंध्याकरण ऑपरेशन के दौरान लापरवाही का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के तेलबिगहा निवासी संतोष कुमार ने अपनी पत्नी को एडमिट कराया था। परिवार नियोजन का ऑपरेशन हुआ। आरोप है कि ऑपरेशन के कुछ घंटों बाद पार्वती को असहनीय दर्द होने लगा। महिला की पीठ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर जलने के निशान थे। इस स्थिति को देखकर परिजन हैरान रह गए। पीड़िता के पति संतोष कुमार ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को स्टरलाइज करने के बाद उन्हें रखने की प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरती गई। ऑपरेशन के बाद उनकी पत्नी को कथित तौर पर अत्यधिक गर्म ऑपरेशन टेबल पर लिटा दिया गया, जिससे शरीर के कई हिस्से झुलस गए। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन से शिकायत की, लेकिन देर शाम तक अस्पताल के उपाधीक्षक और हेल्थ मैनेजर से संपर्क नहीं हो सका। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी फोन उठाने तकसे बचते रहे। इससे अस्पताल प्रशासन की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस संबंध में प्रभारी स्वास्थ्य उप निदेशक डॉ. हेमंत कुमार देश दीपक ने जांच कराने की बात कही है। उन्होंने स्वयं अस्पताल के उपाधीक्षक से संपर्ककरने का प्रयास किया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। अगर किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पीड़ित परिवार न्याय और कार्रवाई की मांग कर रहा है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे यह साफ हो सकेगा कि महिला के झुलसने के पीछे वास्तविक कारण क्या था और इस घटना के लिए जिम्मेदार कौन है।

नगरनौसा हिंसक झड़प मामले में 39 उपद्रवी गिरफ्तार, डिग्री कॉलेज विवाद

नालंदा। नालंदा के नगरनौसा डिग्री कॉलेज को लेकर गुरुवार को भड़की हिंसक झड़प मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी ओमप्रकाश कुमार ने नगरनौसा थाने में 67 नामजद और 200 से 250 अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 39 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुछ छात्र संगठनों और स्थानीय लोगों की ओर से बिना किसी वैध अनुमति के धरना-प्रदर्शन और सड़क जाम करने की योजना बनाई गई थी। सूचना मिलते ही अनुमंडल प्रशासन ने शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारी और भारी पुलिस बल की तैनाती की थी। इसके बावजूद, गुरुवार सुबह करीब 8:20 बजे नगरनौसा-बिहारशरीफ मुख्य मार्ग (NH-431A) और आसपास की गलियों में 200 से 250 की संख्या में महिला-पुरुष और असामाजिक तत्व लाठी-डंडों व पोस्टर-बैनर के साथ जमा हो गए। मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। तैनात दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बार-बार घर लौटने की अपील की, लेकिन भीड़ ने प्रशासन विरोधी नारे लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और सड़क पर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ करने लगे। उपद्रवियों ने यात्रियों, राहगीरों और पुलिस वाहनों को निशाना बनाकर जानलेवा पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस बल को लक्षित कर करीब 03 राउंड फायरिंग भी की गई, जिससे स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई। इस हिंसक पथराव में 04 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई सरकारी और निजी वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। बेकाबू भीड़ को तितर-बितर करने और स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस को 9 चक्र आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और हल्के बल का प्रयोग करना पड़ा। इसके बाद उपद्रवी वहां से भाग खड़े हुए। हालांकि, कुछ ही देर बाद उपद्रवियों ने नगरनौसा तालाब के पास फिर से NH-431A को जाम कर यात्रियों पर पथराव शुरू कर दिया। सूचना पर जब पुलिस टीम वहां पहुंची, तो उन पर भी दोबारा पथराव किया गया। इसके बाद पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए घेराबंदी की और 39 प्रदर्शनकारियों को खदेड़कर मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आई है कि इस हिंसक प्रदर्शन को सोची-समझी रणनीति के तहत अंजाम दिया गया। घटना को हवा देने और भीड़ जुटाने में मुख्य रूप से सत्यनारायण प्रसाद, सूरज कुमार, कांति कुमारी, गायत्री कुमारी और सावित्री कुमारी की भूमिका रही है। इन लोगों ने पिछले कई दिनों से क्षेत्र में घूम-घूमकर और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को शासन-प्रशासन के खिलाफ ताकत दिखाने के लिए उकसाया था। गुरुवार को हुई इस भारी हिंसा और तनाव के बाद शुक्रवार से नगरनौसा में स्थिति तेजी से सामान्य होने लगी है। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात है, लेकिन डर का माहौल खत्म हो चुका है। प्रतिदिन की तरह बाजार खुल गए हैं और आम लोग अपनी सामान्य दिनचर्या में लौट आए हैं। पुलिस नामजद और अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

16वें वित्त आयोग के तहत जीपीडीपी प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

पंचायतों के विकास कार्यों को नई दिशा देने के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाः जिला परिषद सभागार में शनिवार को 16वें वित्त आयोग के अंतर्गत एक दिवसीय ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और नई सरकारी गाइडलाइंस के अनुरूप विकास कार्यों को गति प्रदान करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्षा नैना देवी, जिला परिषद उपाध्यक्ष डॉ. शीतल प्रसाद तथा जिला पंचायती राज पदाधिकारी आदित्य कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रखंडों से आए प्रमुख, उप-प्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), जनप्रतिनिधि एवं विभागीय कर्मी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्षा नैना देवी ने कहा कि 16वें वित्त आयोग के तहत पंचायतों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन्हीं नई व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं की जानकारी देने के लिए यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि नई गाइडलाइंस के अनुसार अब पंचायतों में विकास योजनाओं का चयन जनसंख्या के आधार पर किया जाएगा तथा सभी योजनाओं को निर्धारित सरकारी पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी और विकास कार्यों की बेहतर निगरानी संभव होगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए पंचायती राज विभाग की सराहना करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में और अधिक गति आएगी।

जिला परिषद उपाध्यक्ष डॉ. शीतल प्रसाद ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पंचायतों के समग्र और सतत विकास की रूपरेखा तैयार करना है। उन्होंने कहा कि पंचायतों को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकासोन्मुख बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और सीखी गई जानकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लागू करने का आह्वान किया, ताकि विकास योजनाओं का लाभ आम लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

जिला पंचायती राज पदाधिकारी आदित्य कुमार ने प्रशिक्षण के तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए बताया कि अब पंचायतों की विकास योजनाएं संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDG) के अनुरूप तैयार की जाएंगी। mउन्होंने बताया कि गरीबी मुक्त पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को योजनाओं को ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने, जनसंख्या संबंधी आंकड़ों को अद्यतन रखने तथा विकास कार्यों की डिजिटल मॉनिटरिंग की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं का चयन स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप किया जाए और उनका क्रियान्वयन समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित हो। प्रशिक्षण के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को नई नीतियों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई, जिससे ग्रामीण विकास की योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

मोहर्रम को लेकर चाकन्द थाना में शांति समिति की बैठक

डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाः मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को चाकन्द थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के पालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता चाकन्द थाना प्रभारी शिवम कुमार ने की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी तथा विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी शिवम कुमार ने कहा कि मोहर्रम आस्था, अनुशासन और त्याग का पर्व है, जिसे आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से प्रशासन द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि मोहर्रम के दौरान डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यदि कोई व्यक्ति प्रशासनिक आदेश की अवहेलना करते हुए डीजे का उपयोग करता है या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया। साथ ही मोहर्रम जुलूस के दौरान निर्धारित मार्ग और समय का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया।

बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सभी समुदायों से शांति, सद्भाव और आपसी सम्मान के साथ मोहर्रम मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द और भाईचारा ही क्षेत्र की सबसे बड़ी पहचान है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि मोहर्रम पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ रहेगी। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

'पुलिसकर्मी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं'

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। गयाजी में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। शहर के मानपुर स्थित एक निजी होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। पूर्व सांसद आनंद मोहन समारोह के मुख्य आकर्षण रहे। उनके समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। आनंद मोहन ने पगड़ी बांधकर मंच से लोगों को संबोधित करते हुए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त की।

अपने संबोधन में आनंद मोहन ने कहा कि आने वाला समय महत्वपूर्ण होगा और जनता को अभी से सजग रहना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा, "इस बार आर-पार की लड़ाई होने जा रही है, इसलिए लोगों को अभी से सचेत रहना चाहिए।"

लोकतांत्रिक मूल्यों पर व्यापक बहस की आवश्यकताः उन्होंने अपने पुराने साथियों और समर्थकों से बिहार की मूलभूत समस्याओं पर गंभीर चर्चा करने का आह्वान किया। आनंद मोहन ने कहा कि राज्य के विकास, शिक्षा, रोजगार और लोकतांत्रिक मूल्यों पर व्यापक बहस की आवश्यकता है। पूर्व सांसद ने यह भी कहा कि अपने राजनीतिक जीवन के इस अंतिम दौर में वह पूरी ताकत और ऊर्जा के साथ जनता के बीच रहकर संघर्ष करेंगे। उन्होंने बिहार के लोगों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके जेल में रहने के दौरान उनके परिवार का साथ दिया था।

आनंद मोहन ने कहा कि अब समय आ गया है कि लोगों को लोकतंत्र की दिशा समझाई जाए और उसे मजबूत बनाने के लिए समाज को एकजुट होकर आगे आना होगा। इस दौरान आनंद मोहन ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मिली हुई जिम्मेदारी को पूरी गंभीरता के साथ निभाना चाहिए। उन्होंने अपने राजनीतिक अनुभवों का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने हमेशा उपमुख्यमंत्री पद की व्यवस्था का विरोध किया है। उनका मानना था कि जब जनता नेतृत्व चुनती है, तो उसे स्पष्ट और जवाबदेह नेतृत्व मिलना चाहिए।

किसी भी व्यक्ति को हथियार लहराने का अधिकार नहींः आनंद मोहन ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति को हथियार लहराने का अधिकार नहीं है, लेकिन इसके साथ ही पुलिस को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि किसी आरोपी को गिरफ्तार करना पुलिस का काम है, जबकि दोषी या निर्दोष होने का फैसला अदालत को करना चाहिए।

यदि पुलिस ही फैसला करने लगे और एनकाउंटर के जरिए न्याय करने लगे, तो फिर अदालतों और न्यायपालिका का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। उन्होंने कानून के शासन और संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया। शिक्षा व्यवस्था और बढ़ते कोचिंग कल्चर पर भी आनंद मोहन ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज कोचिंग संस्थानों का बढ़ता प्रभाव इस बात का संकेत है कि शिक्षा व्यवस्था कहीं न कहीं कमजोर हुई है। उन्होंने शिक्षकों से अपनी गरिमा और जिम्मेदारी को समझने की अपील करते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने समाज में बढ़ती वैचारिक कटुता पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी भी घटना की निष्पक्ष जांच पूरी होने से पहले उसे धर्म या जाति से जोड़ना उचित नहीं है। इससे समाज में अनावश्यक तनाव पैदा होता है और सामाजिक सौहार्द प्रभावित होता है।

महाराणा प्रताप जयंती समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने भी वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, स्थानीय गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। आनंद मोहन के संबोधन ने समारोह को राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भी चर्चा का विषय बना दिया।

गयाजी में कांग्रेस ने महंगाई-पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन किया, राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन सौंपा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। कांग्रेस पार्टी ने आज गयाजी में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों के विरोध में प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार झुना के नेतृत्व में राजेंद्र आश्रम स्थित कांग्रेस कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक एक विशाल विरोध मार्च निकाला गया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने "भाजपा भगाओ, देश बचाओ", "महंगाई पर लगाम लगाओ" और "छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो" जैसे नारे लगाए। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा, जिसमें विभिन्न जनसमस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

केंद्र सरकार पर हमला बोलाः सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार झुना ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई ने आम जनता का जीवन कठिन कर दिया है। खाद्य पदार्थों, गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। झुना ने बेरोजगारी की समस्या को भी गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि लाखों युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं, लेकिन सरकार उनके लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं कर पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बार-बार लीक हो रहे हैं, जिससे छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है।

देश के युवाओं का विश्वास तोड़ाः उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं ने देश के युवाओं का विश्वास तोड़ा है। छात्र सालों तक मेहनत करते हैं, लेकिन परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र लीक होने से उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। झुना ने इसे केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ बताया। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए इस मामले में जवाबदेही तय करने की बात कही।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम लोगों का जीवन संकट में है। सरकार को जनता की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस पूरे बिहार में व्यापक जनआंदोलन चलाएगी।

प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता के हितों की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में राज्यभर में सड़क पर उतरकर चक्का जाम और बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस भाई ओमकार, विद्या शर्मा, युगल किशोर सिंह, सुनील पासवान, नवाव अली, मोहम्मद समालदूण, अशोक प्रसाद भारती समेत कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोयला कारोबारी का 4 करोड़ रुपए के लिए धरना, 6 दिन से खटिया लगा कर बैठे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाजी। गयाजी के रानीगंज इमामगंज में रांची के कोयला कारोबारी धर्मेंद्र सिंह उर्फ मुन्ना सिंह अपने बकाएदार के घर के बाहर बीते 6 दिनों से धरने पे बैठे है। उसका कहना है कि जब तक पाई-पाई चुकता नहीं होता वह धरने से नहीं उठेगे। मामला 4 करोड़ 61 लाख के बकाया का है। स्थानीय व्यवसायी संतोष अग्रवाल का परिवार इस धरने को गुंडागर्दी व मानसिक प्रताड़ना बता कर सामूहिक आत्महत्या की चेतावनी दे रहा है। दोनों पक्षों को एसडीएम कोर्ट तलब किया गया है। लेकिन मामला सुलझने के बजाय और पेचीदा होता जा रहा है। धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि साल 2020 से उनका और संतोष अग्रवाल का कोयला का बिजनेस चल रहा था। शुरुआत में संतोष ने उनका भरोसा जीतने के लिए गजब का खेल खेला। जब मैं उनसे 10 लाख मांगता था, तो वे मुझे 40 लाख देते थे, ताकि मेरा विश्वास जीत सकें। जब मेरा मोटा पैसा करीब 5.5 करोड़ रुपया उनके पास फंस गया, तो उनके मन में बेईमानी और शैतानी घुस गई।

पैसे हड़प कर संपत्ति बनाने का आरोपः धर्मेंद्र सिंह का आरोप है कि उनके पैसे को हड़प कर संतोष अग्रवाल ने अपनी चल-अचल संपत्ति खड़ी कर ली। साल 2022-23 से जब से मेरा पैसा फंसा है, तब से संतोष ने गड़ेरिया में ही 3 करोड़ की लागत से आलीशान मकान खड़ा कर लिया, बिढ़ा में 1 करोड़ का ऑफिस बनाया और कोठी रोड वाले जॉइंट ऑफिस में अपने बड़े भाई का हिस्सा देकर उसे भी अपने नाम कर लिया। यही नहीं, वे अपने पिता के हाथों बाजार में करीब 2.5 करोड़ सूद (ब्याज) पर चलवा रहे हैं और जब मैं पैसा मांगता हूं, तो कहते हैं कि पैसा भट्ठा में फंसा है। धर्मेंद्र कहना है कि मैं रांची में रहता हूं। मेरा फ्लैट मॉर्गेज है जिस पर 1.5 करोड़ का कैश क्रेडिट लोन लिया हुआ है। हर महीने 1.5 लाख रुपया सिर्फ ब्याज भर रहा हूं। इसी टेंशन में पिछले 18 अप्रैल को मुझे हार्ट अटैक आया। मैं मधुमेह और बीपी का मरीज हूं, फिर भी अपनी बहन के घर से कुर्सी और बाजार से चारपाई खरीदकर इनके दरवाजे पर बैठा हूं। ये लोग एक गिलास पानी तक नहीं देते। शाम होते ही मेन गेट बंद करके बाहर कर देते हैं। अब मैं बिना पाई-पाई लिए यहां से हिलने वाला नहीं हूं।

कोर्ट और पंचायत के एग्रीमेंट भी कर दिए फेलः धर्मेंद्र सिंह के मुताबिक पैसे की वसूली के लिए नवंबर 2024 में शेरघाटी कोर्ट में एक लिखित एग्रीमेंट भी हुआ था। लेकिन संतोष अग्रवाल ने उसकी शर्तें पूरी नहीं कीं। इसके बाद फरवरी में स्थानीय समाज सेवियों की मौजूदगी में होटल नीलांचल पैलेस में 100-150 लोगों के बीच एक बड़ी पंचायती हुई। वहां तय हुआ था कि मार्च से पेमेंट शुरू होगा, लेकिन मार्च में भी फूटी कौड़ी तक नहीं मिली। इसी धोखे के बाद धर्मेंद्र सिंह की तबीयत बिगड़ी और वे आर-पार की लड़ाई के लिए संतोष के दरवाजे पर आ बैठे। धर्मेंद्र सिंह ने इस मामले में डीएसपी को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

आरोपी पक्ष बोला- आत्महत्या कर लेंगे

दूसरी तरफ से पलटवार गुंडागर्दी बंद करो, नहीं तो पूरा परिवार कर लेंगे आत्महत्याः इस पूरे मामले का दूसरा पहलू भी बेहद चौंकाने वाला और गंभीर है। बकायेदार संतोष अग्रवाल की पत्नी सरिता देवी ने धर्मेंद्र सिंह के इन आरोपों और धरने पर कड़ा ऐतराज जताया है। उनका कहना है कि धर्मेंद्र सिंह 10-20 लोगों को लेकर उनके घर के बाहर बैठे हैं, जिससे उनका पूरा परिवार मानसिक तनाव से गुजर रहा है। सामाजिक प्रतिष्ठा का हनन हो रहा है। सरिता देवी ने धर्मेंद्र सिंह को कोर्ट जाने की चुनौती देते हुए कहती हैं यदि वे हमसे पैसा वसूलना चाहते हैं, तो कानूनी तरीके से आएं और कोर्ट-कचहरी का रास्ता अपनाएं।

बीएनएस धारा 126 के तहत केस दर्ज, एसडीएम कार्यालय में होगी सुनवाईः करोड़ों के लेन-देन का यह ड्रामा रानीगंज की सड़कों पर तमाशा बन गया, तो इमामगंज थाना पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। मामले की गंभीरता, एक तरफ हार्ट अटैक के मरीज का धरना और दूसरी तरफ बकायेदार परिवार की आत्महत्या की चेतावनी को देखते हुए पुलिस ने भी एक्शन लिया है। इमामगंज थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 126 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। मामले की पूरी रिपोर्ट एसडीपीओ को भेज दी गई है।

दोनों पक्षों को नोटिस जारी कियाः साथ ही शांति व्यवस्था बनाए रखने और इस पेचीदा विवाद का हल निकालने के लिए पुलिस ने दोनों पक्षों को नोटिस जारी कर दिया है। दोनों ही पक्षों को अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में अपने-अपने कागजात और दावों के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ट्यूशन करने गया किशोर को लगा करंट हुई मौत

कोचस (रोहतास)। कोचस नगर पंचायत के वार्ड चार में हाई वोल्टेज विद्युत तार के संपर्क में आने से एक किशोर की झुलसने से शनिवार को मौत हो गयी। मृतक किशोर की पहचान मो शाह आलम पिता मो जिलानी अंसारी वार्ड 12 निवासी के रूप मे हुई है। घटना के बारे मे बताया जाता है कि किशोर ट्यूशन पढ़ने के लिए वार्ड चार में गया था। निर्धारित समय से पहले पहुंचने के कारण वह छत पर टहलने के लिए चला गया।इसी दौरान छत के आस पास से होकर गुजर रहे हाई वोल्टेज बिजली के तार के संपर्क में आ गया। जिससे गंभीर रूप से झुलस गया।छत पर मौजूद अन्य छात्रों ने शोर मचाया तथा अन्य लोगों के मदद से झुलसे छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। लेकिन वहां मौजूद चिकित्सकों ने छात्र को देखते ही मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों में शोक की लहर दौड़ गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया। वही विभिन्न संगठनों से जुड़े नागरिकों ने शहर के छतों से गुजर रहे हाई वोल्टेज बिजली के तारों को गली के माध्यम से ले जाने की वकालत की है। नागरिकों ने कहा कि पहले यह गांव था लेकिन आज यह शहर का रूप ले चुका है।वैसी परिस्थितियों में लोग दहशत के साये में दिन रात रहते हैं।ऐसी स्थितियों से तत्काल प्रभाव से राहत दिलाने की आवश्यकता है।

फरार आरोपितों पर पुलिस का शिकंजा कसना शुरू,घरों पर इश्तेहार चस्पा

बिक्रमगंज/ रोहतास : फरार आरोपितों के खिलाफ बिक्रमगंज पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए न्यायालय के आदेश पर उनके घरों पर विधिवत इश्तेहार तामिला किया । पुलिस की इस कार्रवाई से संबंधित आरोपितों और उनके परिजनों में हलचल तेज हो गई है । कार्यकारी थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के डिहरा गांव निवासी अवधेश सिंह के पुत्र विकास कुमार,रामायण सिंह के पुत्र महेश सिंह,महेश सिंह के पुत्र लव कुमार,रंजन कुमार,पुत्री नीतू कुमारी,ज्योति कुमारी,पत्नी देवंती देवी,महेंद्र सिंह के पुत्र प्रिंस कुमार तथा खैरा-भूधर गांव निवासी केदार मुसहर के पुत्र मनोज मुसहर के घर न्यायालय के आदेश के आलोक में इश्तेहार चस्पा किया गया है । उन्होंने बताया कि संबंधित सभी आरोपित लंबे समय से फरार चल रहे हैं तथा न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे थे । इसके बाद न्यायालय द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में पुलिस टीम ने उनके आवासों पर पहुंचकर इश्तेहार तामिला की कार्रवाई पूरी की ।कार्यकारी थानाध्यक्ष ने कहा कि इश्तेहार तामिला के बाद भी यदि आरोपित निर्धारित समय सीमा के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी । उन्होंने स्पष्ट किया कि फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है और किसी भी कीमत पर उन्हें कानून के दायरे में लाया जाएगा । विनय कुमार ने कहा कि न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन कराया जाएगा ।

काराकाट पुलिस ने 15 लीटर देसी महुआ शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

काराकाट /रोहतास । जिले के काराकाट थाना पुलिस ने शनिवार को छापेमारी कर 15 लीटर देसी महुआ शराब के साथ एक शराब सप्लायर को गिरफ्तार किया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर काराकाट पुलिस की टीम ने धवनि गांव में कार्रवाई की। छापेमारी में स्वर्गीय राम लखन सिंह के पुत्र मथुरा सिंह को 15 लीटर देसी महुआ शराब के साथ पकड़ लिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि आरोपी के खिलाफ काराकाट थाने में धारा 140 / 26 के तहत कांड दर्ज कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और शनिवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया। छापेमारी टीम में एसआई रफीक अंसारी व अन्य पुलिस बल मौजूद थे। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है और पुलिस किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरतेगी। प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच जारी है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अवैध शराब की बिक्री व खरीद की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि शराब के कारण होने वाली सामाजिक कुरीतियों को रोका जा सके।

मंगरवलिया पैक्स के भूतपूर्व पैक्स अध्यक्ष गिरफ्तार

बिक्रमगंज : रोहतास जिले के ग्राम सखरा थाना राजपुर प्रखंड राजपुर निवासी मंगरवलिया पैक्स के भूतपूर्व अध्यक्ष अरविंद राय पिता स्वर्गीय विश्वनाथ राय को बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार के नेतृत्व में राजपुर थाना की पुलिस द्वारा शनिवार को गिरफ्तार किया गया ।उक्त गिरफ्तारी नीलाम पत्र वाद में न्यायालय नीलाम पत्र पदाधिकारी- सह-जिला सहकारिता पदाधिकारी रोहतास द्वारा निर्गत गिरफ्तारी वारंट के अनुपालन में की गई है ।अभिलेखों के अनुसार संबंधित बकायेदार पर 2,47,51,997/- (दो करोड़ सैंतालीस लाख इक्यावन हजार नौ सौ सत्तानवे रुपये मात्र) की देय राशि बकाया है । बकाया राशि के भुगतान हेतु पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद निर्धारित अवधि के भीतर राशि जमा नहीं किए जाने के कारण न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट निर्गत किया गया था । न्यायालय के आदेश के आलोक में अनुमंडल प्रशासन एवं राजपुर थाना की पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए उक्त बकायेदार को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार व्यक्ति को अग्रेतर विधिक कार्रवाई हेतु संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है । प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी देयों की वसूली तथा न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में किसी प्रकार की उदासीनता अथवा अवहेलना स्वीकार नहीं की जाएगी । बकाया सरकारी राशि की वसूली हेतु विधिसम्मत कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष अंशु माला ने दी ।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा को लेकर विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

सासाराम (रोहतास) सासारामः नीट-यूजी 2026 परीक्षा को लेकर एसडीएम डॉ. नेहा कुमारी एवं एसडीपीओ-1 विप्लव कुमार ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने सुरक्षा, सीसीटीवी, बायोमेट्रिक सत्यापन, पेयजल, बिजली व अन्य सुविधाओं की समीक्षा करते हुए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन के निर्देश दिए। प्रशासन ने अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित माहौल सुनिश्चित करने की बात कही।

मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी किया कई योजना का निरीक्षण

पकरीबरावां। मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी विनोद कुमार शनिवार को प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में मनरेगा विकास कार्य का निरीक्षण किया। पीओ बिनोद कुमार बताया कि प्रखंड के डुमरावां तथा देवधा पकरीबरावां दक्षिणी के कई योजना का स्थल निरीक्षण कर काम का जायजा लेते हुए कर्मियों को 30 जून से पहले कार्य पूरा करने का निर्देश दिए।पीओ बिनोद कुमार ने कहा कि प्रथम जुलाई से भारत सरकार का VB-GRamG के तहत बिकास कार्य कराये जाने सुनिश्चित किया गया ।

ससुराल जाने निकले युवक की सड़क हादसे में मौत

महुली-पिपरा के पास अज्ञात वाहन ने ऑटो में मारी टक्कर, वाराणसी ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

करगहर (रोहतास)। ससुराल जाने के लिए घर से निकले एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना शनिवार दोपहर महुली-पिपरा मुख्य सड़क पर हुई, जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल गए गया जिले के घुरनपुर पिपरा निवासी 35 वर्षीय सलाहुद्दीन अंसारी ने इलाज के लिए वाराणसी ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।

मृतक की पहचान घुरनपुर पिपरा निवासी सरफुद्दीन अंसारी के पुत्र सलाहुद्दीन अंसारी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि वह ऑटो से अपने ससुराल जा रहे थे। इसी दौरान महुली-पिपरा के समीप मुख्य सड़क पर तेज गति से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल युवक को तत्काल सदर अस्पताल, सासाराम पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर वाराणसी जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार वाहन की पहचान और चालक की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

सलाहुद्दीन अंसारी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक अपने पीछे पत्नी और एक छोटे पुत्र को छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल है और लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने तथा हादसे के जिम्मेदार वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। एक सामान्य यात्रा पर निकले युवक की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सासाराम (रोहतास) सासारामः NEET-UG 2026 पुनर्परीक्षा को लेकर रोहतास प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। डीएम उदिता सिंह और एसपी रौशन कुमार ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर कदाचारमुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिले के 7 केंद्रों पर 3,598 परीक्षार्थी शामिल होंगे। सुरक्षा, यातायात, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा और सोशल मीडिया निगरानी के विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

> ♦ **प्रशासन ने कहा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी**

चौपाल लगा किसानों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नरहट (नवादा)। कृषि विभाग द्वारा विभिन्न गांवों में चौपाल लगा कर किसानों को कृषि से सम्बंधित जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को नरहट प्रखंड अंतर्गत पुन्थर पंचायत के पुन्थर ग्राम एवं गंगटा ग्राम में कृषि जन कल्याण चौपाल सह खेत बचाओ अभियान-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पंचायत पुन्थर ग्राम में सुबह 9:30 बजे तथा पंचायत गंगटा ग्राम में दोपहर 12:15 बजे किया गया।

चौपाल में कृषि विभाग की ओर से प्रखण्ड उद्यान पदाधिकारी निशु कुमारी, नॉडल कृषि समन्वयक अमरेंद्र कुमार, कृषि समन्वयक चंदन कुमार तथा कृषि सलाहकार चंदन कुमार एवं जितेंद्र कुमार उपस्थित रहे। अधिकारियों ने किसानों को खरीफ मौसम में संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, संतुलित उर्वरक प्रयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, नगदी फसलों की खेती तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में दर्जनों किसानों ने भाग लेकर कृषि से संबंधित विभिन्न जानकारियां प्राप्त कीं तथा अपनी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को कृषि विशेषज्ञों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने किसानों के प्रश्नों का समाधान करते हुए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

चौपाल में कृषकों को जानकारी देते अधिकारी

सामान्य कार्रवाई नहीं बल्कि जघन्य हत्या है :प्रो .बलिराम मिश्रा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट / रोहतास। बलौटी गांव निवासी स्वर्गीय भरत तिवारी के परिजनों से मिलकर जेपी आंदोलन के सिपाही प्रो. बलिराम मिश्रा ने परिवार को साहस दिया और न्याय की मांग दोहराई। मौके पर प्रो. मिश्रा ने कहा कि यह कोई सामान्य कार्रवाई नहीं बल्कि जघन्य हत्या है; भरत तिवारी का कथित एनकाउंटर वास्तव में बर्बर हत्या है और इसे अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने आरोपियों को फांसी की सजा देने और मृतक को शहीद का दर्जा दिए जाने की गुहार लगाई।

प्रो. मिश्रा ने केंद्र/राज्य सरकार से 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की और कहा कि स्थानीय विद्यालय का नाम बदलकर व सरकारी खर्च से अस्पताल भी शहीद भरत तिवारी के नाम पर बनाया जाए। उन्होंने मृतक के पिता को 5,000 रुपये नकद दिए और परिवार के लिए सरकारी नौकरी देने की भी मांग उठाई। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी सरकार की योजनाओं को अंतिम तक पहुंचाने के लिए सक्रिय थे और उनकी आवाज दबाने के लिए इस तरह का कदम उठाया गया।

मनवता सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दुबे, संस्थापक रजनीकांत पांडेय रिपोर्टर, अरबिंद पांडेय, अमित पांडेय, ददन पांडेय, रौशन चौबे, श्रीकांत गिरी, विप्र महासंघ के रोहतास जिला अध्यक्ष संजय तिवारी, अंकुश शाह सहित कई गणमान्य लोग और स्थानीय सहयोगी भी मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने परिवार से संवेदना जताई और घटना की निष्पक्ष जांच कराने की सरकार से अपील की। स्थानीय नेताओं ने आश्वासन दिया कि वे मामले को उठाते रहेंगे और न्याय दिलाने तक आवाज बुलंद करेंगे।

पावापुरी मेडिकल कॉलेज में सिर ऐंठकर नवजात की हत्या, बाथरूम की सीट से मिला शव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। नालंदा के प्रतिष्ठित भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान (विम्स), पावापुरी से एक मामला सामने आया है। अस्पताल परिसर के एक बाथरूम से महज दो दिन की नवजात बच्ची का शव मिलने के बाद पूरे चिकित्सा संस्थान में हड़कंप मच गया। आरोप है कि किसी निर्दयी ने नवजात बच्ची का सिर ऐंठकर उसे बाथरूम की कमोड (सीट) में फेंक दिया। अस्पताल कर्मियों ने बाथरूम में शव देखे जाने के बाद तुरंत वरिष्ठ डॉक्टरों और प्रबंधन को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे अस्पताल के अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और तुरंत स्थानीय थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, घटना की गंभीरता को देखते हुए वार्ड और गलियारों में लगे सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्ची को बाथरूम तक कौन ले गया था। पावापुरी के अधीक्षक डॉ. जकी जमाल ने कहा कि यह मानवता को पूरी तरह शर्मसार करने वाली घटना है। अस्पताल प्रशासन पुलिस को पूरा सहयोग कर रहा है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अपनों पर ही शक की सुई, सुरक्षा पर उठे गंभीर सवालः आशंका जताई जा रही है कि नवजात बच्ची का जन्म हाल ही में इसी अस्पताल में हुआ था। इसके मद्देनजर पुलिस की शक की सुई अस्पताल के प्रसूति वार्ड (लेबर वार्ड) में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों की ओर घूम रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक किसी की गिरफ्तारी या आधिकारिक पहचान की पुष्टि नहीं की है। इस जघन्य घटना ने मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था की भी पोल खोलकर रख दी है। स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों का कहना है कि इतने बड़े अस्पताल में, जहां हर वक्त सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं, कोई कैसे एक नवजात बच्ची को लेकर बाथरूम तक चला गया और किसी को भनक तक नहीं लगी?

जल्द होगा मामले का खुलासा- थाना अध्यक्षः मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पावापुरी थाना पुलिस हर पहलू और एंगल से जांच कर रही है। पावापुरी की कार्यवाहक थाना अध्यक्ष भावना कुमारी ने बताया कि पुलिस सबूत को जुटाने में लगी है। उन्होंने दावा किया कि सीसीटीवी फुटेज और अस्पताल के रिकॉर्ड के मिलान के आधार पर जल्द ही आरोपी को चिन्हित कर पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

संझौली में बिजली चोरी के खिलाफ विभाग का शिकंजा, आठ लोगों पर केस दर्ज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

संझौली /रोहतास। विद्युत विभाग द्वारा बिजली चोरी रोकने एवं राजस्व वसूली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संझौली प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। कनीय विद्युत अभियंता संझौली एवं तकनीकी कर्मियों की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान आठ लोगों को विभिन्न प्रकार से अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा।

जांच के दौरान मीटर बाईपास कर बिजली चोरी मामले मे चैता इंग्लिश निवासी जमालूद्दीन मियां पर 23951, वाजदा खातून पर 11597, मीर हसन मियां पर 12882 तथा फते मियां पर 16951 का जुर्माना लगाया गया। वहीं बिना वैध कनेक्शन बिजली चोरी करते पाए जाने पर चैता नर्वद निवासी जितेंद्र शर्मा पर 28535 एवं संतोष चौधरी पर 28535 का दंड अधिरोपित किया गया। इसके अतिरिक्त बकाया राशि के कारण पूर्व में विच्छेदित कनेक्शन को अवैध रूप से पुनः चालू कर बिजली उपयोग करने के मामले में चैता इंग्लिश के जय मंगल सिंह पर 33068 तथा कामेश्वर सिंह पर 76694 की राजस्व क्षति आंकलित करते हुए जुर्माना लगाया गया। उक्त सभी मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

कनीय विद्युत अभियंता संझौली प्रमुदित रक्त पटेल ने कहा कि बिजली चोरी से विभाग को भारी राजस्व हानि होती है तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होती है। उन्होंने उपभोक्ताओं से वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करने, समय पर बिजली बिल का भुगतान करने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना विभाग को देने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी एक दंडनीय अपराध है और इसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मंत्री संजय टाइगर की चेतावनी, बोले- बिहार में अब कानून तोड़ने वालों की खैर नहीं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालंदा। नालंदा में बीजेपी की ओर से 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बिहार सरकार के विधि एवं उच्च शिक्षा मंत्री संजय टाइगर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार की अगुवाई में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

अपराधियों को सख्त चेतावनीः मंत्री संजय टाइगर ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार में अब कानून तोड़ने वालों की खैर नहीं है। अपराधियों के पास अब केवल दो ही विकल्प बचे हैं। अपराध छोड़ें या बिहार, अन्यथा जहन्नुम जाने के लिए तैयार रहें। मॉब लीचिंग के सवाल पर कहा कि कानून की नजर में कोई भी आम या खास नहीं होता। किसी को भी कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। सूबे में अपराध करके कोई भी बच नहीं पाएगा। अगर आरोपी पाताल में भी छिपा होगा, तो पुलिस उसे खींचकर निकालेगी। कानून के मुताबिक सख्त से सख्त सजा सुनिश्चित करेगी।

वहीं, संजय टाइगर ने केंद्र की एनडीए सरकार की जमकर तारीफ की। उपलब्धियों पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों की यात्रा में देश ने आर्थिक, सामाजिक और बुनियादी ढांचे समेत सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में पूरी तरह कामयाब रही है, जिसके परिणामस्वरूप बीते 12 सालों में 25 करोड़ से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए कहा कि आज दुनिया में कहीं भी संकट आने पर लोग भारत और प्रधानमंत्री मोदी की तरफ आशा भरी निगाहों से देखते हैं। सरकार ने साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है और इसके लिए मजबूत नींव तैयार कर दी गई है। जब तक बिहार जैसे बड़े राज्य विकसित नहीं होंगे, तब तक देश का पूर्ण विकास संभव नहीं है।

बिहार की कानून-व्यवस्था और औद्योगिक प्रगति पर चर्चा करते हुए मंत्री संजय टाइगर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार अब 'बीमारू' श्रेणी से बाहर निकलकर समृद्धि की राह पर चल पड़ा है। सरकार भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर मजबूती से कायम है। राज्य में अमन-चैन का माहौल बनने से देश-विदेश के पूंजी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। औद्योगिक विकास की गति को और तेज करने के लिए सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम तैयार किया है ताकि पूंजी निवेश में कोई बाधा न आए।

विपक्ष को बताया दिशाहीनः इस दौरान मंत्री संजय टाइगर में विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में विपक्ष पूरी तरह दिशाहीन और गैर-जिम्मेदार हो चुका है। विपक्ष को लोकतंत्र का प्राण और सत्ता पक्ष की आंख माना जाता है, लेकिन यहां का विपक्ष जनहित के असली मुद्दों से दूर रहकर केवल सरकार की आलोचना करने में व्यस्त है। यही कारण है कि जनता उन्हें बार-बार नकार रही है और वे हाशिए पर जा रहे हैं। चुनाव से पूर्व नए अधिवक्ताओं को वजीफा देने की घोषणा पर विधि विभाग के मंत्री ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि 1 जनवरी 2024 के बाद पंजीकृत होने वाले जूनियर अधिवक्ताओं को 5000 रुपए स्टाइपेंड देने का जो वादा किया गया था, उसे सरकार निश्चित रूप से पूरा करेगी क्योंकि एनडीए सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बारिश से बचने रुके वृद्ध को ट्रैक्टर ने रौंदा, मौत

बांका । बांका में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 80 वर्षीय वृद्ध की मौत। घटना बौंसी डैम मुख्य मार्ग पर मनियारपुर के पास हुई। मृतक गोकुला पंचायत के भलुआ बदार (कुरावा) गांव के निवासी राम प्रसाद चौधरी के रूप में हुई है। राम प्रसाद चौधरी अपने बेटे सुशेषण चौधरी के साथ मोटरसाइकिल से बौंसी बाजार से घर लौट रहे थे। मनियारपुर के पास अचानक बारिश शुरू होने पर उनके बेटे ने सड़क किनारे बाइक रोक दी। जैसे ही राम प्रसाद चौधरी बाइक से उतरने लगे, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। ट्रैक्टर का पहिया उनके पेट के ऊपर से गुजर गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर को किया जब्त : स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत बौंसी रेफरल अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने पर कुरावा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष शैलेश कुमार के निर्देश पर दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है। बौसी रेफरल अस्पताल में डॉ. मुकेश मुकुल ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बांका सदर अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे में शामिल महिंद्रा ट्रैक्टर कानीकैथ गांव निवासी श्याम लाल का है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक अपने पीछे पत्नी इंदु देवी, दो पुत्र और एक बेटी छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

युवक की भागलपुर में मौत

भागलपुर । बांका में सड़क हादसे में घायल युवक की भागलपुर में मौत हो गई। पिछले 2 दिनों से मायागंज में इलाज चल रहा था। मृतक की पहचान लस्करी गांव के रोहित सिंह(27) के तौर पर हुई है। घटना रजौन थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार 18 जून को रोहित अपने दोस्त उत्तम के साथ काम करके घर लौट रहा था। दोनों हलवाई का काम करते थे। रास्ते में तेज रफ्तार बाइक बबूल के पेड़ से टकराई गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उत्तम की मौके पर ही मौत हो गई थी।

घर में मचा कोहराम : रोहित के पिता त्रिपुरारी सिंह ने बताया कि पेड़ में दरार जैसी स्थिति दिखाई दे रही थी, जिससे हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्हें किसी अन्य वाहन की टक्कर या किसी प्रकार की साजिश की कोई जानकारी नहीं है। बेटा काफी मेहनती थी। परिवार की जिम्मेवारी उसी के कंधों पर थी।

समाज में मनुष्य विरोधी मूल्य फैल रहे हैं : रामाज्ञा

बेगूसराय । बेगूसराय में जनवादी लेखक संघ की जिला इकाई ने हिंदी साहित्यकार अरुण प्रकाश के स्मृति दिवस पर कर्मयोगी भवन में 'प्रकाश का साहित्यिक अवदान' विषय पर सेमिनार आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगकर्मी कुंवर कन्हैया के जनवादी गायन से हुई। विषय प्रवर्तन स्वतंत्र पत्रकार पुष्पराज ने किया। उन्होंने कहा कि अरुण प्रकाश की कहानियों में बिहारी माटी की गंध और स्थानीय जीवन का यथार्थ दिखता है। उन्होंने उन्हें बेगूसराय से जुड़ा महत्वपूर्ण कथाकार बताया। मुख्य वक्ता ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष चन्द्रभानु प्रसाद सिंह ने अरुण प्रकाश के लेखन पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि अरुण प्रकाश का कविता संग्रह 'रक्त के बारे में' 1973 में प्रकाशित हुआ था। सिंह के अनुसार, अरुण प्रकाश ने अपने समय के सामाजिक-राजनीतिक बदलावों और सत्ता-तंत्र के गठजोड़ को समझा और उसे अपनी कहानियों में दर्ज किया। उन्होंने 'बेला एक्का लौट रही हैं' का उल्लेख करते हुए कहा कि लेखक ने शासन और भ्रष्टाचार के संबंधों को कथा में पकड़ा। सिंह ने यह भी कहा कि समय की छोटी-छोटी अनुगूंजों को सहेजना साहित्य की जिम्मेदारी है और अरुण प्रकाश ने इसे निभाया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी प्राध्यापक रामाज्ञा राय शशिधर ने कहा कि समाज में मनुष्य विरोधी मूल्य फैल रहे हैं और सत्ता का अमानवीय चरित्र जनजीवन पर असर डाल रहा है। जनवादी लेखक संघ, बिहार के सचिव कुमार विनीताभ ने अरुण प्रकाश पर केंद्रित आलेख का पाठ किया। उन्होंने बताया कि अरुण प्रकाश ने लेखन की शुरुआत कविता से की थी और बाद में गद्यकार के रूप में पहचान बनी। उन्होंने कहा कि अरुण प्रकाश का जन्म बेगूसराय के तेघड़ा प्रखंड के निपनियां गांव में हुआ था। जन संस्कृति मंच के राज्य सचिव दीपक सिन्हा ने अरुण प्रकाश की प्रमुख कृतियों और संपादकीय कार्य का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि अरुण प्रकाश साहित्य अकादमी की पत्रिका 'समकालीन भारतीय साहित्य' के संपादक रहे। सिन्हा के अनुसार, अरुण प्रकाश ने हिंदी से अंग्रेजी में कई पुस्तकों का अनुवाद भी किया और सांस्कृतिक संगठनों के निर्माण में भूमिका निभाई। सेमिनार की अध्यक्षता अभिनंदन झा ने की और संचालन निरंजन कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शगुफ्ता ताजवर ने किया।

वकीलों को सिखाए गए जीवन बचाने के गुर

बेगूसराय। बेगूसराय के सिविल कोर्ट परिसर में शुक्रवार को मेडिवर्सल सिमरन मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, उलाव की ओर से बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अधिवक्ताओं और न्यायालय कर्मियों को सड़क दुर्घटना, हार्ट अटैक और अन्य आपात स्थितियों में शुरुआती मदद देने की तकनीकें सिखाई गईं। प्रशिक्षण सत्र का संचालन अस्पताल के क्रिटिकल केयर विभाग प्रमुख डॉ. ज़िया आलम ने किया। उन्होंने बेसिक लाइफ सपोर्ट, कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर), हृदय गति रुकने, बेहोशी और गंभीर स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया के तरीकों की जानकारी दी। व्यावहारिक प्रदर्शन के जरिए बताया गया कि शुरुआती कुछ मिनटों में सही कदम उठाने से जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ध्रुव कुमार महतो और महासचिव विजय कांत झा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया और इसे आपात स्थितियों के लिए उपयोगी बताया। शिविर के दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य जांच भी की गई। इसमें ब्लड शुगर, ऑक्सीजन स्तर (एसपीओ), रक्तचाप, ऊंचाई और वजन की जांच शामिल रही। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। अस्पताल के निदेशक नवनीत रंजन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और लोगों को आपात स्थितियों में सक्षम बनाना है।

संस्कृति मंत्रालय की जूनियर फैलोशिप मिलने पर सचिन का हुआ सम्मान

बेगूसराय। मटिहानी प्रखंड के खरीदी गांव के युवा रंगकर्मी सचिन कुमार का चयन संस्कृति मंत्रालय के अधीन सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग (सीसीआरटी), नई दिल्ली की जूनियर फेलोशिप के लिए हुआ है। बिहार से चुने गए पांच कलाकारों में सचिन कुमार के साथ बेगूसराय के ही एक अन्य युवा कलाकार सिकंदर कुमार का नाम भी शामिल है। सचिन कुमार ने रांची विश्वविद्यालय से थिएटर आर्ट्स में मास्टर डिग्री ली है। वह मजदूर परिवार से आते हैं और सीमित संसाधनों के बीच रंगमंच में काम करते हुए पहचान बनाई। सिकंदर कुमार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से प्रशिक्षित कलाकार हैं। इस चयन के बाद आशीर्वाद रंगमंडल ने सम्मान समारोह आयोजित किया। रंगमंडल के सचिव अमित रोशन ने सचिन कुमार को अंगवस्त्र और मिठाई देकर सम्मानित किया। धीरज कुमार नीरज ने इसे लंबे समय की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम बताया। परवेज यूसुफ ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर चयन के बाद सचिन की जिम्मेदारी बढ़ गई है। सचिन कुमार ने कहा कि रंगमंच में सफलता के लिए वर्षों का धैर्य, संघर्ष और निरंतर अभ्यास जरूरी है। उन्होंने युवा कलाकारों से जल्द परिणाम की अपेक्षा के बजाय काम पर ध्यान देने की अपील की। मोहित मोहन, चंदन कुमार सोनू और कुमार अभिजीत मुन्ना ने भी उन्हें बधाई देते हुए कहा कि रंगमंच में मेहनत और ईमानदारी कभी व्यर्थ नहीं जाती। कार्यक्रम में बिट्टू कुमार, रितु कुमारी सहित अन्य रंगकर्मियों ने मिठाई खिलाकर सचिन को शुभकामनाएं दीं।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत भव्य कलश शोभा यात्रा निकली

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भागलपुर के मानिकपुर दुर्गा मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत आज भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुई। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा से ओतप्रोत इस आयोजन में सैकड़ों महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लिया। शोभा यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र माता दुर्गा के जयकारों से गूंज उठा और भक्तिमय वातावरण बना रहा। मानिकपुर दुर्गा मंदिर प्रांगण से निकली कलश शोभा यात्रा मोहद्दीनगर दुर्गा मंदिर होते हुए फिर मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश लेकर शामिल हुईं। श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे। शोभा यात्रा में शामिल घोड़े और डीजे की धुनें लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं।

लोगों में विशेष उत्साह दिखा : रास्ते भर श्रद्धालु भक्ति संगीत पर झूमते और माता रानी के जयकारे लगाते नजर आए। मंदिर परिसर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर गांव और आसपास के क्षेत्रों के लोगों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति की ओर से मंदिर और आसपास के इलाके को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी व्यापक तैयारियां की गई हैं। इस अवसर पर श्रद्धालु महारुद्र मिश्रा ने बताया कि माता के पिंडी पूजन और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत कलश शोभा यात्रा निकाली गई है। उन्होंने कहा कि पूरे मानिकपुर गांव के लोगों के सहयोग से यह धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। महिलाएं, बच्चियां और पुरुष वर्ग सभी बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं और विद्वान पंडितों की ओर से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन 26 जून तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे की भी व्यवस्था की गई है, जहां बड़ी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके अलावा माता का जागरण भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायकों की ओर से भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। महारुद्र मिश्रा ने जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल मानिकपुर गांव का नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था का केंद्र है। माता रानी की कृपा प्राप्त करने के लिए सभी श्रद्धालुओं को इस धार्मिक महोत्सव में अवश्य शामिल होना चाहिए। कलश शोभा यात्रा और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। आयोजन में सौरभ मिश्रा, बब्बम मिश्रा, रिशु झा, राजीव सिन्हा, जितेंद्र झा, अमरेश झा, शिशिर, पंकज वर्मा, सुप्रिया मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तेज गर्मी, बारिश के आसार नहीं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मुंगेर । मुंगेर में पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। बारिश न होने के कारण अत्यधिक गर्मी से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। सुबह होते ही तेज धूप के कारण खासकर बाजार और न्यायालय जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तापमान की बात करें तो, मुंगेर में आज दोपहर 12 बजे 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 'फीलिंग लाइक' तापमान 44 डिग्री सेल्सियस बताया जा रहा है।

बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे लोग : बारिश न होने से किसानों के चेहरे पर भी मायूसी छाई हुई है। किसानों का कहना है कि वे बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ताकि धान की बिचड़ा (नर्सरी) लगाई जा सके और समय पर धान की रोपाई हो सके। किसानों ने बताया कि यदि वे मशीन से पानी देकर धान की बिचड़ा लगाते हैं और उसके बाद बारिश नहीं होती, तो अत्यधिक धूप के कारण बिचड़ा जल जाता है। इससे उनकी मेहनत और पैसे दोनों बर्बाद हो जाते हैं।

टिया पासवान की पेंटिंग लखनऊ पहुंची

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया । अररिया की युवा कलाकार टिया पासवान ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी प्रतिभा से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी बनाई राधा-कृष्ण की आकर्षक पेंटिंग अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक पहुंच गई है। इस उपलब्धि से उनके परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। शुक्रवार देर रात लगभग 8 बजे अररिया शहर के प्रसिद्ध मां खरगेश्वरी काली मंदिर परिसर में एक विशेष कार्यक्रम चल रहा था। लखनऊ से आईं सोनी मिश्रा रावत ने मंदिर परिसर में टिया पासवान की कलाकृति देखी। उन्होंने पेंटिंग की गहराई, रंग संयोजन और भावनात्मक अभिव्यक्ति की जमकर सराहना की।

टिया पासवान को मिली प्रोत्साहन राशि : सोनी मिश्रा रावत ने राधा-कृष्ण की इस कलाकृति को खरीदा और कलाकार टिया पासवान को प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि टिया की पेंटिंग केवल रंगों का मेल नहीं है, बल्कि उनमें आध्यात्मिक भावनाओं और संवेदनशीलता की गहरी झलक दिखाई देती है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ऐसी प्रतिभाओं को स्थानीय, जिला और राज्य स्तर पर उचित मंच मिलना चाहिए, ताकि वे राष्ट्रीय पहचान बना सकें।

टीचर की बेटी है टिया : टिया पासवान अररिया कोर्ट रेलवे स्टेशन के समीप स्थित इटहारा गांव की निवासी हैं। उनके पिता प्रभु नाथ पासवान हैं और उनकी माता एक शिक्षिका हैं। सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद, टिया ने अपनी मेहनत और रचनात्मक सोच से कला के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी पेंटिंग्स में भावनाओं की गहराई, रंगों का संतुलन और रचनात्मकता स्पष्ट रूप से झलकती है। इस उपलब्धि के बाद स्थानीय लोगों और कला प्रेमियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं, और टिया पासवान इसका एक जीवंत उदाहरण हैं।

उमस और भीषण गर्मी से लोग परेशान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भागलपुर में उमस और भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। पारा 40 डिग्री के पास पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार आज(20 जून 2026) जिले का अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। हल्के बादलों के बीच तापमान तेजी से बढ़ेगा। दिन चढ़ने के साथ गर्म हवाओं और तेज धूप का प्रभाव बढ़ेगा। हीट इंडेक्स के कारण लोगों को वास्तविक तापमान से भी अधिक गर्मी महसूस होगी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि खुले में काम करने वाले मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों और राहगीरों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

हल्की बारिश की संभावना : शाम में मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है। कुछ इलाकों में बादल छाने की संभावना है। गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। लोगों को तपती गर्मी से कुछ समय के लिए राहत जरूर मिल सकती है। शाम के समय तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। TMBU के भूगोल एवं जलवायु अध्ययन विशेषज्ञ प्रो. डॉ.अजय कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में गंगा के मैदानी क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी और नमी दोनों का प्रभाव देखने को मिल रहा है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं और उत्तर-पश्चिम भारत से आ रही गर्म शुष्क हवाओं के मिश्रण के कारण तापमान और उमस दोनों बढ़ रहे हैं।

लोगों से सावधानी बरतने की अपील : डॉ. सिंह के अनुसार दिन के समय तेज सौर विकिरण के कारण धरातल तेजी से गर्म होता है, जिससे लू जैसी परिस्थितियां बनती हैं। वहीं, शाम के समय वातावरण में नमी बढ़ने पर स्थानीय स्तर पर बादलों का विकास होता है और कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है। अत्यधिक गर्मी के दौरान शरीर में पानी की कमी न होने दें, धूप में निकलते समय सिर को ढककर रखें। किसी भी प्रकार की हीट स्ट्रोक की आशंका होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। अगले कुछ दिनों तक मौसम में गर्मी और उमस का मिश्रित प्रभाव बने रहने की संभावना है।

सदर अस्पताल का हाल देख बिफरे डीएम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय । बेगूसराय जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लेने के लिए डीएम श्रीकांत शास्त्री ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। डीएम ने अलग-अलग वार्डों, ओपीडी और कार्यालयों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में साफ-सफाई, पेयजल की भारी किल्लत और अन्य बुनियादी सुविधाओं में बड़ी लापरवाही देखने को मिली। जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई और सिविल सर्जन समेत अस्पताल प्रबंधन को जमकर फटकार लगाई।

'कमियों को दूर किया जा रहा है' : डीएम श्रीकांत शास्त्री ने सिविल सर्जन और अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों से अस्पताल की मौजूदा व्यवस्था, दवाइयों की उपलब्धता और डॉक्टरों की ड्यूटी के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। पेयजल की कुव्यवस्था और भीषण गर्मी के बावजूद कई जगहों पर समुचित प्रबंध न होने पर डीएम ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि मरीजों और उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के बाद कहा कि हमारे जिले का मुख्य अस्पताल है। अनुमंडल अस्पतालों और पीएचसी से रेफर होने वाले सभी मरीज यहीं आते हैं। हमने आज अस्पताल का निरीक्षण किया है और कुछ कमियां पाई गई हैं, जिन्हें हम और बेहतर करने का प्रयास करेंगे।

मरीज की सुविधा के लिए डॉक्टरों की तैनाती : डीएम ने आश्वासन देते हुए कहा कि अस्पताल प्रशासन को इन सभी खामियों को दूर करने के लिए 15 दिनों का समय दिया गया है। 15 दिनों में पेयजल, सफाई सहित अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लिया जाएगा। लगातार अस्पताल का औचक निरीक्षण करते रहते हैं, यहां तक कि रात में भी उन्होंने कई बार विजिट किया है, ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह से सतर्क रखा जा सके। सरकार द्वारा लगातार डॉक्टरों की तैनाती की जा रही है और वर्तमान में यहां विशेषज्ञ डॉक्टर भी उपलब्ध हैं।

'अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था की गई है' : डीएम ने आगे कहा है कि अस्पताल में मरीजों के भारी दबाव और फ्लो को देखते हुए ऊपरी मंजिल को एक और नए वार्ड के रूप में विकसित किया जाएगा। जिससे अधिक से अधिक लोगों को भर्ती कर बेहतर इलाज दिया जा सके। जिन जगहों पर जरूरत है, वहां नए एसी भी लगाए जाएंगे। अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की कमी के कारण मरीजों को होने वाली असुविधा पर डीएम ने कहा कि महिलाओं के लिए अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था की जा रही है। लेकिन रेडियोलॉजिस्ट की स्थायी उपलब्धता न होने से कुछ दिक्कतें जरूर हैं। स्थानीय स्तर पर कुछ डॉक्टरों से बातचीत कर रहे हैं, जिससे वे प्रतिदिन 4 से 5 घंटे का समय यहां दे सकें। भविष्य में सदर अस्पताल को और अपग्रेड करते हुए यहां कैथ लैब (Cath Lab) स्थापित करने की दिशा में भी प्रशासन पूरी तरह से प्रयासरत है। इस दौरान सिविल सर्जन, डीआईओ, अस्पताल प्रबंधक, अस्पताल अधीक्षक सहित सभी अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आठ केंद्रों पर होगी नीट परीक्षा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय । बेगूसराय जिला प्रशासन नीट यूजी एग्जाम को लेकर अलर्ट मोड में है। एग्जाम निष्पक्ष, पारदर्शी, सुरक्षित और कदाचारमुक्त संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने सभी दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों को ब्रीफिंग में आवश्यक निर्देश दिए हैं। डीएम ने कहा कि नीट यूजी देश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक है। इसकी निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या कदाचार की संभावना शून्य रखाना है। सभी पदाधिकारी दायित्वों का निर्वहन सतर्कता एवं जवाबदेही के साथ करें। जिले में 8 परीक्षा केंद्रों पर पुनर्परीक्षा आयोजित की जाएगी। जहां 3896 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, दंडाधिकारी, पुलिस बल, तकनीकी निगरानी व्यवस्था एवं प्रशासनिक नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक केन्द्र पर स्टैटिक दंडाधिकारी, जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

सेंटर पर सीसीटीवी से निगरानी : परीक्षा अवधि के दौरान सतत रूप से केंद्र परिसर में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। केन्द्रों पर 2 मेगापिक्सेल क्षमता वाले हाई-रेजोल्यूशन आईपी आधारित LIVE CCTV कैमरे लगाए गए हैं। जिसकी निगरानी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के नियंत्रण कक्ष से भी की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए हैं। मुख्य प्रवेश द्वार एवं परीक्षार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। परीक्षा संचालन से जुड़े किसी भी कर्मी को मोबाईल फोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखने की अनुमति नहीं होगी। सभी अभ्यर्थियों को रंगीन एडमिट कार्ड, 4×6 इंच का पोस्टकार्ड आकार का फोटोग्राफ, एक अतिरिक्त पासपोर्ट साइज फोटो तथा वैध मूल फोटो पहचान पत्र के साथ परीक्षा केंद्र पर आना अनिवार्य है।

घड़ी, बेल्ट, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाने की अनुमति नहीं : किसी भी अभ्यर्थी को पेन, पेंसिल, कैलकुलेटर, घड़ी, बेल्ट, आभूषण अथवा किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। काले रंग का बॉल पेन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा परीक्षा कक्ष में उपलब्ध कराया जाएगा। अभ्यर्थियों को निर्धारित ड्रेस कोड का भी पालन करना होगा। आधी बांह का साधारण कपड़ा, चप्पल या सैंडल पहनकर आना है। परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा- 163 के तहत निषेधात्मक लागू किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के 500 मीटर के दायरे में अनावश्यक भीड़, जमावड़ा एवं संदिग्ध गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही परीक्षा अवधि के दौरान केन्द्रों के आसपास संचालित फोटोकॉपी एवं साइबर कैफे प्रतिष्ठानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी : डीएम ने कहा कि परीक्षा से संबंधित किसी भी सूचना अथवा आपात स्थिति के लिए जिला नियंत्रण कक्ष कारगिल विजय सभा भवन में स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष संख्या 06243-222835 है। जिला नोडल पदाधिकारी अपर समाहर्ता बृज किशोर चौधरी, अपर समाहर्ता को परीक्षा संचालन की निगरानी का दायित्व सौंपा गया है। परीक्षा में कदाचार, प्रश्नपत्र की गोपनीयता भंग करने, अवैध साधनों के प्रयोग अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सरकारी परीक्षा (कदाचार निवारण) अधिनियम- 2024 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में बांका के मजदूर की चाकू मारकर हत्या

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका । बांका के बेलहर थाना क्षेत्र अंतर्गत बसमाता गांव के प्रवासी मजदूर अविनाश तांती(18) की दिल्ली में हत्या कर दी गई। मोबाइल लूट का विरोध करने पर अपराधियों ने उसे चाकू मार दिया था। शुक्रवार रात अविनाश का शव गांव पहुंचते ही इलाके में शोक व्याप्त हो गया। देर रात बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन अंतिम दर्शन के लिए जुट गए। मृतक अविनाश अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता शंकर तांती, माता ममता देवी, बड़े भाई करण तांती और बहन किरण कुमारी गहरे सदमे में हैं। परिजनों के अनुसार, अविनाश लगभग दो माह पहले ही रोजगार की तलाश में दिल्ली गया था और अपने बड़े भाई करण तांती के साथ रहकर टाइल्स एवं मार्बल मिस्त्री का काम करता था।

अपराधियों ने गर्दन के पास चाकू से किया हमला : मृतक के बड़े भाई करण तांती ने बताया कि दोनों भाई दिल्ली के आजाद नगर क्षेत्र में एक तीन मंजिला मकान में किराए पर रहते थे। घटना की रात खाना खाने के बाद अविनाश छत पर सोने चला गया था। इसी दौरान देर रात चार अपराधी वहां पहुंचे और उसका मोबाइल छीनने का प्रयास करने लगे। अविनाश द्वारा विरोध किए जाने पर अपराधियों ने उसके गर्दन के पास चाकू से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। शोर सुनकर करण छत पर पहुंचे तो उन्होंने अपने भाई को गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया। इसके बाद अविनाश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया और परिजनों को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलने पर माता-पिता भी दिल्ली पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान अविनाश की मौत हो गई।

पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार : करण ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया, जिसे अंतिम संस्कार के लिए गांव लाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पंचायत के मुखिया विजय हांसदा मृतक के घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने सरकारी प्रावधानों के तहत मिलने वाली सहायता दिलाने का भरोसा भी परिजनों को दिया।

संक्षिप्त समाचार

जवान पर हमला करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

आरा। आरा टाउन थाना क्षेत्र के धनुपरा गांव के पास गुरुवार की रात टाउन थाना के क्रॉस मोबाइल के जवान पर हमला करने के प्रयास में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में धनुपरा गांव के निवासी अजीत कुमार के पुत्र आदित्य कुमार, रमेश प्रसाद के पुत्र अमन कुमार और अवधेश कुमार के पुत्री रानी देवी शामिल है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुरुवार की रात थाना की क्रॉस मोबाइल धनुपरा गांव के तरफ पेट्रोलियम में थी। उसी क्रम में धनुपरा गांव के पास नामजद लोगों ने एकाएक क्रॉस मोबाइल के जवान पर हमला कर दिया। घटना के बाद क्रॉस मोबाइल के सिपाही पंकज कुमार के आवेदन पर टाउन थाना में 7 नामजद लोगों के ऊपर एफआईआर दर्ज किया गया है।

11 छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लहराया परचम

आरा। अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण विभाग पटना के निर्देश में जिला मुख्यालय के वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र आरा में अध्ययन करते हुए 11 छात्रों ने वर्ष 2026 में एसएससी जीडी, बीएसएफ, रेलवे आरपीएफ और बिहार पुलिस के परीक्षा उत्तीर्ण होकर अपने घर परिवार के साथ अपने संस्थान का भी नाम रौशन किया है। प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सह नोडल प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र अमन भारती ने बताया कि संत कुमार बीएसएफ, अरविंद कुमार पासवान रेलवे एएलपी, प्रिंस आरपीएफ कंटेबल,दिलिप कुमार, राकेश कुमार, सत्री कुमार , मुन्ना कुमार, चंद्रमोहन कुमार, अरविंद रजक, प्रमोद कुमार भारती और दीपक कुमार राम ने बिहार पुलिस सिपाही परीक्षा पास कर अपनी भविष्य संवारने का कार्य किया है। जिला कल्याण पदाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि सभी इच्छुक छात्र छात्राओं को प्राक प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कुशल प्रशिक्षित शिक्षक से कराया जाता है, जहां मुफ्त में एसएससी , बीपीएससी सहित अन्य परीक्षा की तैयारी के लिए लाइब्रेरी में प्रति वर्ष किताबें उपलब्ध कराई जाती है।

राजस्व कर्मचारी संजय कुमार सिंह के निधन पर शोकसभा

आरा। बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (गोप गुट) भोजपुर एवं बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ (गोप गुट) भोजपुर के कर्मचारियों ने राजस्व कर्मचारी एवं कर्मचारी नेता संजय कुमार सिंह के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। उनके निधन के बाद जिले के विभिन्न अंचलों में शोक सभाएं की गईं तथा कर्मचारी बड़ी संख्या में उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। महासंघ के जिला सचिव उमेश कुमार सुमन ने बताया कि उदवंतनगर अंचल में कार्यरत राजस्व कर्मचारी संजय कुमार सिंह का 18 जून की सुबह पटना में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनका जन्म 1 जनवरी 1970 को हुआ था तथा उन्होंने 1 दिसंबर 1993 को राजस्व कर्मचारी के रूप में सरकारी सेवा में योगदान दिया था। संजय कुमार सिंह बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के जिला सचिव तथा बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (गोप गुट) भोजपुर के पूर्व संघर्ष सचिव भी रहे। अपने सेवाकाल में उन्होंने जिले के विभिन्न अंचलों में कार्य करते हुए राजस्व संबंधी दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। वे कर्मचारी हितों के लिए लगातार संघर्ष करने वाले सक्रिय कर्मचारी नेता के रूप में पहचान रखते थे। मूल रूप से कोइलवर प्रखंड के माणिकपुर गांव निवासी संजय कुमार सिंह अपने परिवार के साथ आरा में रहते थे। उनके परिवार में पत्नी, एक पुत्र और चार पुत्रियां हैं।

मोहर्रम को ले प्रशासन अलर्ट, बिना लाइसेंस ताजिया जुलूस पर रोक

बक्सर। बक्सर अनुमंडल कार्यालय में एसडीएम अविनाश कुमार ने आगामी श्रावणी मेला व मोहर्रम के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर शांति समिति की बैठक की। बैठक में एसडीपीओ गौरव पांडेय, सीओ, ट्रैफिक इंस्पेक्टर, सभी थानाध्यक्ष तथा शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में एसडीएम ने पर्वों के दौरान डीजे के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया। साथ ही पटाखों के इस्तेमाल पर भी रोक लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी आयोजकों को निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। ताकि त्योहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।एसडीएम ने नगर परिषद को समय रहते नगर क्षेत्र की साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नालों को उड़ाही तथा खुले नालों को ढकने का कार्य भी शीघ्र पूरा करने को कहा। वहीं विद्युत विभाग को ताजिया जुलूस के मार्गों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। सभी विद्युत तारों की जांच करने को कहा। लटकते तारों को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि नशा करने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। थानाध्यक्ष बक्सर को निर्देश दिया गया कि यदि कोई व्यक्ति शराब के नशे में सार्वजनिक स्थानों पर घूमता हुआ, अथवा शांति व्यवस्था भंग करता हुआ पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

ऐतिहासिक पहचान "पापड़ी" को मिले जीआई टैगः राजकुमार चौबे

बक्सर। विश्वामित्र सेना ने बक्सर की पारंपरिक एवं ऐतिहासिक पहचान "बक्सर की पापड़ी" को राष्ट्रीय स्तर पर उचित सम्मान दिलाने तथा इसे जीआई टैग एवं वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना में शामिल किए जाने की मांग की। विश्वामित्र सेना के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे ने कहा कि विश्वामित्र सेना लगातार बक्सर की सनातन संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर एवं पारंपरिक पहचान को संरक्षित करने के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि बक्सर की पापड़ी कभी देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखती थी। यह मिठाई भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पसंदीदा मिठाइयों में भी शामिल थी, लेकिन आज इसकी पहचान धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि बक्सर की पापड़ी को जीआई टैग प्रदान किया जाए। इसे "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट" योजना में शामिल किया जाए।

शिक्षकों को अलग से समय देंगे शिक्षामंत्री, दिया भरोसा

बक्सर। जिला प्राथमिक शिक्षक संघ, बक्सर के शिष्टमंडल ने जिलाध्यक्ष यतीन्द्र कुमार चौबे के नेतृत्व में जिला भाजपा कार्यालय में बिहार के शिक्षामंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी से मुलाकात की। उनका अभिनंदन किया। उनका स्वागत किया। इस दौरान शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। उनके त्वरित समाधान की मांग की गई। शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी मिलने के बाद लंबित समस्याओं का निष्पादन तेजी से होगा। शिष्टमंडल द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में मध्य विद्यालयों में विषयगत शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, गैर-शैक्षणिक कार्यों के लिए अलग कर्मियों की नियुक्ति करने, भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति प्रदान करने, प्रखंडों के चिन्हित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को उनके पूर्व अधिकार वापस करने समेत कई महत्वपूर्ण मांगें शामिल थीं। इस अवसर पर शिक्षक नेताओं ने शिक्षामंत्री से शिक्षकों के साथ अलग से विस्तृत बैठक करने का अनुरोध किया। इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए शिक्षामंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी ने कहा कि शिक्षक संगठन समय निर्धारित करें। वे निश्चित रूप से शिक्षकों के बीच आकर उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। मंत्री के इस आश्वासन से शिक्षक प्रतिनिधियों में उत्साह देखा गया।

बैंकों की ऋण प्रगति पर डीडीसी ने जताई नाराजगी

बक्सर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में डीडीसी निहारिका छवि ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की जिला सलाहकार समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय समन्वय समिति (डीसीसी) की बैठक आयोजित की। बैठक डीएम साहिला के निर्देश पर हुई। इसमें बैंकिंग एवं विकास से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत अग्रणी बैंक प्रबंधक प्रबंधक ब्रज किशोर पांडेय ने जिले के बैंकों की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत कर की।

नीट री-एग्जाम,1355 परीक्षार्थी 3 केंद्रों पर देंगे परीक्षा

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

बक्सर। बक्सर में 21 जून को होने वाली मेडिकल प्रवेश परीक्षा की पुनर्परीक्षा के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में जिला पदाधिकारी साहिला और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने समाहरणालय सभाकक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

पहचान सत्यापन के बाद ही प्रवेश : जिले में कुल तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 1355 परीक्षार्थी शामिल होंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को निर्धारित समय के भीतर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। दोपहर डेढ़ बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रवेश केवल वैध प्रवेश पत्र और पहचान सत्यापन के बाद ही संभव होगा।

परीक्षा केंद्र पर महिला-पुरुष पुलिस बल तैनात : परीक्षा को पूरी तरह नकलमुक्त बनाने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। परीक्षार्थियों को मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ी, ब्लूटूथ, ईयरफोन, कैलकुलेटर या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस अधिकारी और महिला-पुरुष पुलिस बल तैनात किया गया है। हर सौ परीक्षार्थियों पर एक स्थायी दंडाधिकारी निगरानी करेगा। जिला प्रशासन ने केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया है कि कक्ष निरीक्षकों की तैनाती परीक्षा शुरू होने से पहले यादृच्छिक तरीके से की जाए, ताकि किसी भी अनियमितता की संभावना न रहे। परीक्षा केंद्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का आदेश भी दिया गया है। फर्जी परीक्षार्थियों या प्रतिरूपण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए होटल, लॉज और अन्य ठहराव स्थलों की निगरानी भी बढ़ाई गई है।

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क स्थापित : यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। परीक्षा के दिन शहर में जाम की स्थिति से बचने के लिए अनुमंडल प्रशासन, यातायात पुलिस और संबंधित अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों की सहायता के लिए रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर सुबह से हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे, ताकि उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में मदद मिल सके। विशेष बसों की व्यवस्था भी की गई है ताकि परीक्षार्थियों को समय पर केंद्र तक पहुंचाया जा सके। भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, प्राथमिक उपचार और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस भी तैयार रखी जाएगी। दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए व्हीलचेयर सहित विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित विभागों को दिया गया है।

आसपास फोटोकॉपी की दुकानें रहेंगी बंद : परीक्षा केंद्रों पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली विभाग को निर्देश जारी किया गया है।

गंगा में डूबने से महिला की मौत

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

आरा। भोजपुर में गंगा नदी में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। ग्रामीणों के सहयोग से शव को पानी से बाहर निकाला गया। मृतका मुन्नी कुंअर उर्फ मुन्नी देवी(53) कृष्णागढ़ के बभनगावां गांव की रहने वाली थी। घटना सिन्हा थाना क्षेत्र के महुली घाट की है। मृतका के भतीजे दीपक कुमार ने बताया कि गांव की पांच महिलाओं के साथ मेरी चाची गंगा स्नान के लिए गई थी। इस दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चली गई। सूचना मिलने के बाद परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। इसके बाद हमलोग वापस लौट आए। शुक्रवार दोपहर सूचना मिली कि एक महिला नदी किनारे दिखी है। जिसके बाद परिवार के लोग फिर से पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद डेड बॉडी को पानी को बाहर निकाला गया।

घर में मचा कोहराम : सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने परिजनों को शव सौंप दिया। मृतका को सिर्फ एक बेटी है। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली, उच्चस्तरीय जांच हो

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

बक्सर। बक्सर में पूर्व केंद्रीय मंत्री और बक्सर के पूर्व सांसद अश्विनी कुमार चौबे ने भोजपुर के बिलौटी, शाहपुर निवासी भरत भूषण तिवारी की मौत के मामले पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला और बेहद लोमहर्षक बताया। चौबे ने घोषणा की कि वह स्वयं मृतक भरत तिवारी के गांव जाकर पीड़ित परिवार से मिलेंगे और उन्हें न्याय दिलाने की लड़ाई में उनका साथ देंगे। अश्विनी चौबे ने कहा कि बिहार में अपराधियों का एनकाउंटर भी सामान्य परिस्थितियों में नहीं होता। पुलिस तभी कार्रवाई करती है जब कोई अपराधी पुलिस पर हमला करे या मुठभेड़ जैसी स्थिति बने। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि भरत भूषण तिवारी ने आत्मसमर्पण कर दिया था, जैसा कि वायरल वीडियो से स्पष्ट बताया जा रहा है, तो उसके बाद गोली मारकर हत्या किया जाना एक बेहद गंभीर और हृदय विदारक मामला है।

"कानून के तहत ही कार्रवाई होनी चाहिए" : उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत ही कार्रवाई होनी चाहिए। यदि भरत ने आत्मसमर्पण किया था, तो उसे हिरासत में लेकर न्यायिक प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी, न कि खूंखार अपराधी की तरह गोली मार देना। यह न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पूर्व सांसद ने कहा कि किसी मां से उसके बेटे को इस तरह छीन लेना सरकार की न्याय प्रणाली पर कलंक है। उन्होंने इसे पुलिस प्रशासन की कुत्सित, घृणित और विद्वेषपूर्ण मानसिकता का परिचायक बताया, जिससे सरकार की छवि खराब हो रही है।

बक्सर-इटाढ़ी रोड पर आरओबी क्षतिग्रस्त होने से ट्रैफिक जाम

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

बक्सर। बक्सर सदर विधायक आनंद मिश्र ने बक्सर-इटाढ़ी रोड पर नवनिर्मित रेल उपरिगामी पुल (आरओबी) के क्षतिग्रस्त होने के बाद उत्पन्न गंभीर यातायात संकट पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को पत्र लिखकर जनहित में इटाढ़ी रेलवे गुमटी (गेट संख्या 70B/T) को अस्थायी रूप से पुनः संचालित करने की मांग की है।

हजारों लोगों को आवागमन में दिक्कत : विधायक ने अपने पत्र में बताया कि बक्सर-इटाढ़ी रोड पर बने आरओबी के क्षतिग्रस्त होने से इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवागमन लगभग ठप हो गया है। इसके साथ ही, पहले से बंद पड़ी इटाढ़ी रेलवे गुमटी के कारण इटाढ़ी, धनसोई, दिनारा और आसपास के ग्रामीण इलाकों के हजारों लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का सबसे अधिक असर स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं, अस्पताल जाने वाले मरीजों तथा रोजाना कामकाज के लिए आने-जाने वाले लोगों पर पड़ रहा है। सड़क मार्ग बाधित होने से लोगों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे उनके समय और धन दोनों की बर्बादी हो रही है।

आपातकालीन सेवाओं पर पड़ रहा असर : विधायक के अनुसार, वैकल्पिक मार्गों पर अचानक यातायात का दबाव बढ़ जाने के कारण लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। इसका प्रभाव केवल आम यात्रियों पर ही नहीं, बल्कि आपातकालीन सेवाओं पर भी पड़ रहा है। एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है, जिससे क्षेत्र में चिंता का माहौल है।

सुरक्षा का ध्यान रखते हुए गुमटी खोलने की मांग : ईस्ट सेंट्रल रेलवे को भेजे गए पत्र में आनंद मिश्र ने आग्रह किया है कि जब तक क्षतिग्रस्त ओवरब्रिज की मरम्मत पूरी कर उसे सुरक्षित रूप से चालू नहीं किया जाता, तब तक आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इटाढ़ी रेलवे गुमटी को अस्थायी रूप से फिर से खोला जाए।

जिले में 65.7% पूरी हुई धान की नर्सरी

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

बक्सर। जिले के किसान लक्ष्य के विरुद्ध करीब 65.7% धान का बिचड़ा (नर्सरी) डाल चुके हैं। मॉनसून की आहट के बीच समय से नर्सरी तैयार करने के लिए किसानों को बाजार से महंगे दामों पर बीज खरीदना पड़ा है। वजह यह है कि कृषि विभाग की ओर से 19 जून तक जिला मुख्यालय या प्रखंडों में सरकारी बीज उपलब्ध नहीं कराया जा सका। धान की खेती के सबसे अहम दौर में बक्सर के किसानों को सरकारी अनुदानित बीज का इंतजार करना पड़ा। अब बिचड़ा तैयार करने के लिए बीज बुआई का समय धीरे-धीरे निकलता जा रहा है। इससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई है। हर दिन दफ्तर के चक्कर काटते रहे किसानः कृषि विभाग के पास धान का बीज उपलब्ध नहीं होने के बावजूद किसान रोज आस लगाए कृषि कार्यालय पहुंच रहे हैं। वहां मौजूद कर्मी सिर्फ "बीज आने का इंतजार करने" का आश्वासन देकर उन्हें लौटा रहे हैं। जबकि दूसरी तरफ बाजार में धान का बीज सरकारी दर की तुलना में काफी महंगा बिक रहा है। इससे छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। खेती की लागत बढ़ गई है। डॉ. रामकेवल, कृषि विशेषज्ञ "कृषि विभाग की ओर से जिले को धान का बीज प्राप्त हो चुका है। शनिवार से सभी किसानों के बीच बीज का वितरण सुचारू रूप से शुरू कर दिया जाएगा" - धर्मेन्द्र कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी, बक्सर 9778.25 हेक्टेयर में नर्सरी डालने का है लक्ष्य, 6363 हेक्टेयर में काम पूरा जिला कृषि कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ मौसम में 9778.25 हेक्टेयर में नर्सरी डालने का लक्ष्य है। 19 जून तक 6363 हेक्टेयर में किसानों ने नर्सरी डाल ली है। यह लक्ष्य का 65.7% है। बता दें कि ब्रह्मपुर प्रखंड में 780 हेक्टेयर में धान की नर्सरी तैयार कर ली गई है। इसी तरह बक्सर प्रखंड में 538, चौगाई में 220, चक्की में 12, चौसा में 225, डुमरांव में 890, इटाढ़ी में 1155, केसठ में 150, नावानगर में 938, राजपुर में 1280, और सिमरी प्रखंड में 175 हेक्टेयर में किसानों ने धान का बिचड़ा गिरा दिया है। गोविंदपुर के किसान संजय कुमार राय उर्फ मुन्ना राय, राजेश कुमार सिंह, गनपत चौधरी आदि ने बताया कि सरकारी बीज के अभाव में उन्हें बाजार से 70 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति किलो के महंगे भाव पर बीज खरीदना पड़ा है। 15 जून तक का समय था सबसे उपयुक्त, अब कीटों का खतरा कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञ डॉ. रामकेवल ने बताया कि धान की नर्सरी डालने के लिए सबसे उपयुक्त समय 15 जून तक होता है। बिचड़ा डालने में विलंब होने की स्थिति में पौधों की वृद्धि प्रभावित होती है। फसल में रोग और कीट लगने की आशंका भी काफी बढ़ जाती है। इससे अंततः उत्पादन प्रभावित होने का डर बना रहता है।

मरने के बाद जरूरतमंदों को मेरे बॉडीपार्ट्स दे दें

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

आरा। "मैं आज अपनी आखिरी इच्छा आप लोगों के सामने बताने के लिए वीडियो बना रहा हूं। मेरी इच्छा है कि मेरे बलिदान के बाद मेरे शरीर को मेडिकल स्टूडेंट के लिए दान कर दिया जाए। इसमें पहली प्राथमिकता इंडियन आर्मी है। इसके बाद प्रशासन का नंबर आता है। मैं ये भी चाहता हूं कि वैसे गरीब व्यक्ति को किसी अंग की जरूरत है और पैसे का अभाव हो तो उन्हें मेरे बॉडी पार्ट्स को डोनेट कर दिया जाए।" भोजपुर के 30 साल के भरत भूषण तिवारी ने इसी साल जनवरी में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर अपनी आखिरी इच्छा के बारे में बताया था। भरत ने वीडियो में ये भी कहा था कि मैंने बाढ़ प्रभावित जवइनियां गांव की जनता से जो वादा किया है, वो सभी वादे शत प्रतिशत पूरा करेंगे। मेरे जाने के बाद उसमें और ज्यादा तेजी आएगी। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रशासन पर काम न करने का आरोप लगाने वाले और पुलिसकर्मियों पर पिस्टल तानकर ठोक देने की धमकी देने वाले भरत की बुधवार को एनकाउंटर में मौत हो गई थी।

वीडियो में बिहार के नेताओं पर भरत ने तंज कसा था : जनवरी में पोस्ट किए गए वीडियो में भरत ने बिहार के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा था कि हमारे राज्य के नेता कुछ नहीं करना चाहते हैं। यहां के नेताओं ने समाज, देश और राष्ट्र के लिए कभी बलिदान नहीं दिया। वे सभी सिर्फ अपने लिए काम करते हैं और हम जैसे लोग उनके आगे पीछे घूमते हैं। लोगों के लिए काम करने के लिए, बलिदान देना पड़ता है। वीडियो में भरत ने बताया था कि सब मिलकर भी मुझे आग से फूंक देंगे तो भी मैं बुझने वालों में से नहीं हूं। उसने चेतावनी दी थी कि अगर जवइनियां गांव के प्रभावितों के लिए विस्थापित स्थान पर मिट्टी नहीं भरी जाती है, तो मेरे बोलने से नहीं तो भले गोली चल जाए, इसकी मेरी ओर से कोई गारंटी नहीं है। भरत ने कहा था कि मैं मुख्यमंत्री से बोलना चाहता हूं कि आप अपने सिस्टम को देख लीजिए, यहां का BDO बोलता है कि मुझे कोई मतलब नहीं और SDM देखने लिए आते तक नहीं हैं। जो ईमानदार होते हैं, उसे किसी का डर नहीं होता है, लेकिन इनलोगों को किस बात का डर है। मैं समाज के असामाजिक, घटिया और भ्रष्ट लोगों से लड़ाई लड़ रहा हूं। अगर जिंदा रहा तो दिल्ली तक पहुंच कर दिखाऊंगा। काम कैसे होता है।

10 घंटे पहले ही एनकाउंटर की जताई थी आशंका : भरत भूषण तिवारी का बुधवार सुबह करीब 9 बजे एनकाउंटर हुआ था। गोली लगने से सिर्फ 10 घंटे पहले ही भरत ने अपने एनकाउंटर की आशंका जताते हुए एक पोस्ट किया था। भरत ने पुलिस पर पिस्टल तानने वाले वीडियो को शेयर कर लिखा था कि आप सभी देखिए, कि कैसे बिहार के मुख्यमंत्री और प्रशासन के कुछ लोग एसडीएम के इशारे पर मेरा एनकाउंटर करना चाहते हैं। उसने कहा था कि सुनने में आया है कि मेरे एनकाउंटर के लिए बाहर से टीम आएगी।

अजय देवगन की फिल्म का क्लिप शेयर कर लिखा था- मैंने जो क्रांतिकारी युद्ध की नींव रखी है : भरत ने 20 सितंबर 2025 को अजय देवगन की फिल्म 'द लिजेंड ऑफ भगत सिंह' का एक क्लिप शेयर कर लिखा था कि समाज और देश के लिए मैंने क्रांतिकारी युद्ध की नींव रखी है। एक चिंगारी लगा दी है। भरत के करीबियों का कहना है कि भरत अजय देवगन की इस मूवी से काफी इंस्पायर था। इस फिल्म से प्रभावित होकर भरत तिवारी ने खुद को व्यवस्था से लड़ने वाला सामाजिक कार्यकर्ता माना और जवइनियां गांव के बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाई।

चाय दुकानदार को अपराधियों ने मारी गोली

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

आरा। भोजपुर में छिनतई के दौरान अपराधियों ने चाय दुकानदार को गोली मार दी। बुलेट दाहिने साइड जांघ में लगी है। आनन-फानन में ग्रामीणों ने पीरो अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने आरा सदर हॉस्पिटल रेफर कर दिया। वहां से भी पटना भेज दिया। घटना हसन बाजार थाना क्षेत्र के अइराढ़ीह गांव की है। सहेजनी गांव निवासी पीड़ित मुन्ना साह(32) ने बताया कि कई साल से रसेन मिल के पास चाय की दुकान चला रहे हैं। हर रोज की तरह दुकान बंद करने के बाद शुक्रवार रात घर जा रहा था। रास्ते में 3 हथियारबंद अपराधियों ने घेरकर पैर में गोली मार दी। मैं जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद जबरन मेरे गले से सोने के लॉकेट और पैसा छीनने लगे।

हथियार लहराते हुए अपराधी फरार : विरोध करने पर मारपीट करने लगे। इस दौरान एक अपराधी ने मुक्के से मेरे आंख पर हमला कर दिया। उसके बाद दूसरे अपराधी ने दांत से मेरे लॉकेट को काट लिया। जब मेरा मोबाइल छीनने का कोशिश किया तो मैंने हल्ला मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। जिसके बाद सभी हथियार लहराते हुए भाग निकले।

छानबीन में जुटी पुलिस : सूचना मिलने के बाद हसन बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया।

राहुल गांधी की जन्मदिन पर प्रखंड अध्यक्ष का हुआ सम्मान

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

आरा। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन कांग्रेस कार्यालय शहीद भवन में, जिलाध्यक्ष डॉ. श्रीधर तिवारी की अध्यक्षता में मनाया गया। डॉ. तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी किसानों, युवाओं, महिलाओं, छात्रों और गरीबों की आवाज बनकर लगातार जनहित के मुद्दे उठाते रहे हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा, कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन, जातीय जनगणना की मांग और किसानों के अधिकारों के लिए किए गए संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय के लिए लगातार संघर्षरत हैं। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत सभी प्रखंड अध्यक्षों को निर्वाचन पत्र प्रदान कर अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। मौके पर अशोक राम, पवन कुमार त्रिपाठी, वीरेन्द्र मिश्रा, प्रो. अरुण कुमार सिंह, अशोक यादव, रजी अहमद, भानु प्रताप सिंह, साकेत तिवारी, शक्ति सिंह मनन और डॉ. भीम तिवारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

छत से गिरने से अधेड़ की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

मसौढ़ी: थाना क्षेत्र के बलियारी गांव में छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए एक अधेड़ व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान बलियारी गांव निवासी शिव कुमार पासवान (57 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात शिव कुमार पासवान किसी कार्य से अपने घर की छत पर गए थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे छत से नीचे गिर पड़े। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोग उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी था, लेकिन उनकी हालत लगातार नाजुक बनी रही। काफी प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

क्रेटा कार से 150 लीटर विदेशी शराब बरामद, तस्करी के बड़े नेटवर्क की आशंका

किंगफिशर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बीयर की 300 कैन जब्त, वाहन समेत लाखों रुपये का माल कब्जे में

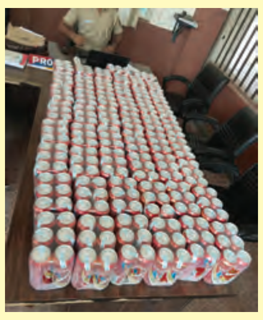

पटना। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पटना जिले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक क्रेटा कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। मामले में वाहन को जब्त कर लिया गया है तथा तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि काले रंग की एक क्रेटा कार (पंजीकरण संख्या BR03AC-2833) में अवैध रूप से विदेशी शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने वाहन को रोककर तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में बीयर बरामद हुई। तलाशी के दौरान वाहन से किंगफिशर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बीयर की कुल 300 कैन बरामद की गईं। प्रत्येक कैन 500 एमएल की है और छह-छह कैन को पारदर्शी प्लास्टिक पैकेट में पैक किया गया था। जब्त बीयर के कैनों पर बैच संख्या B.TO-016, पंजीकरण संख्या JH-8107F/2024-2025 तथा निर्माण तिथि 05 मई 2026 अंकित पाई गई। पुलिस के अनुसार बरामद बीयर की कुल मात्रा करीब 150 लीटर है। कार्रवाई के दौरान वाहन का चेसिस नंबर और इंजन नंबर भी दर्ज कर सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में मामला संगठित शराब तस्करी गिरोह से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद तस्कर लगातार नए तरीकों से शराब की आपूर्ति करने की कोशिश कर रहे हैं। बरामदगी के बाद संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी तथा इसकी डिलीवरी किस स्थान पर की जानी थी। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपितों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है। अधिकारियों ने इस कार्रवाई को शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

वैशाली में 14 साल की नाबालिग से गैंग रेप, मां ने 2 फुफेरे भाइयों सहित 6 पर एफआईआर दर्ज कराई

हाजीपुर। वैशाली के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र में एक 14 साल की नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस संबंध में लड़की की मां ने अपनी बेटी के 2 फुफेरे भाइयों सहित 6 आरोपियों के खिलाफ 17 जून को FIR दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत मामले में एक्शन लेते हुए सभी आरोपियों को बुधवार 17 जून को ही गिरफ्तार कर लिया है। 18 जून को सभी आरोपी को जेल भेजा गया, और लड़की का मेडिकल जांच कर कोर्ट में बयान दिलाया गया है। हालांकि, इस मामले में एक और पहलू भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि नाबालिग का पटना के अथमलगोला निवासी नितिश कुमार से पिछले 6 महीने से प्रेम संबंध था। नितिश अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था और दोनों पास के ही एक झोपड़ीनुमा मकान में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए थे। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, नाबालिग की मां ने पुलिस को बताया कि 14 जून की रात करीब 11 बजे उनकी बेटी शौच के लिए बाहर निकली थी। इसी दौरान नामजद आरोपियों ने उसे पकड़ लिया और गांव के एक व्यक्ति की झोपड़ी में ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपियों ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया। पीड़िता को धमकी दी गई कि अगर उसने किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। मां ने यह भी आरोप लगाया कि 15 जून को जब वे एक आरोपी के घर गईं, तो उन्हें जातिसूचक गालियां देकर भगा दिया गया। रुस्तमपुर थाना अध्यक्ष कुमार अभिषेक ने जानकारी दी कि लड़की की मां के आवेदन पर पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित कुमार, राहुल कुमार (दोनों पिता सुख बली दास), संतोष कुमार, दिनेश दास (दोनों पिता जगदेव दास), मंजन कुमार (पिता राजीश्वर राय) और पटना के अथमलगोला थाना निवासी नितिश कुमार (पिता जय प्रकाश दास) के रूप में हुई है। सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने नाबालिग लड़की का मेडिकल परीक्षण भी कराया है। इस घटना को लेकर कुछ सवाल भी उठाए जा रहे हैं और पुलिस को मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार है।

सोशल मीडिया पर बिकरू कांड दोहराने की धमकी, वैशाली में कुख्यात सर्वेश चौधरी ने दी चुनौती

हाजीपुर। वैशाली में एक कुख्यात अपराधी ने सोशल मीडिया पर पुलिस और सरकार को खुली चुनौती दी है। वायरल वीडियो में अपराधी ने उत्तर प्रदेश के चर्चित बिकरू कांड जैसी घटना दोहराने की धमकी दी है। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिले के कुख्यात अपराधी सर्वेश चौधरी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह पुलिस और सरकार को चुनौती देते हुए बिकरू कांड जैसी घटना को अंजाम देने की बात कह रहा है। वीडियो में आरोपी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ भी आपत्तिजनक टिप्पणी की है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सर्वेश चौधरी के खिलाफ लूट, हत्या और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पहले भी पुलिस टीम पर फायरिंग की घटना में शामिल रहा है। वैशाली के पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर बेलसर थाना पुलिस और अन्य टीमें आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस का दावा है कि सर्वेश चौधरी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पॉलिटेक्निक छात्रा से रेप मामला में हॉस्टल का गार्ड आरोपी, अपर सत्र न्यायाधीश ने दी आजीवन कारावास

हाजीपुर। वैशाली के अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज कुमार तिवारी की अदालत ने पॉलिटेक्निक कॉलेज की 20 वर्षीय छात्रा से रेप के मामले में एक हॉस्टल गार्ड को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर 50 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया गया है। लोक अभियोजक श्याम बाबू राय ने बताया कि यह घटना 10 नवंबर 2023 की रात करीब 8:30 बजे हुई थी। भागलपुर के बीहपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता वैशाली प्रखंड स्थित सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ती थी। वहीं कॉलेज के पास जैनुल मियां के प्राइवेट गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। इसी हॉस्टल में गार्ड के रूप में कार्यरत अब्दुल हकीम ने पीड़िता के कमरे का दरवाजा खटखटाया और अंदर घुसकर जबरन रेप किया। घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने फोन पर अपनी मां को इसकी सूचना दी। मां की सूचना पर बेलसर थाना पुलिस रात करीब 1:30 बजे हॉस्टल पहुंची। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और थाना कांड संख्या 492/23 के तहत मामला दर्ज किया।

नक्सलवाद से मुक्ति सामूहिक प्रयासों की जीत, मीडिया ने निभाई अहम भूमिका : आईजी, सीआरपीएफ

पीआईबी की 'वार्तालाप' कार्यशाला में नक्सलवाद उन्मूलन और विकास पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

जहानाबाद/पटना। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की मीडिया इकाई प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), पटना द्वारा शनिवार को जहानाबाद समाहरणालय परिसर स्थित ग्राम प्लेक्स में "नक्सलवाद से मुक्ति, सशक्त भारत की शक्ति" विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के" अभियान के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीआरपीएफ बिहार सेक्टर के महानिरीक्षक राज कुमार, जहानाबाद की जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय तथा पीआईबी पटना के उप निदेशक लौकिक पारख ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम के आरंभ में विषय प्रवेश कराते हुए पीआईबी पटना के उप निदेशक लौकिक पारख ने कहा कि मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और जनजागरूकता का एक सशक्त साधन है। उन्होंने कहा कि विकास, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी पहुंच ने नक्सलवाद के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्य अतिथि एवं सीआरपीएफ बिहार सेक्टर के महानिरीक्षक राज कुमार ने कहा कि एक समय बिहार के 22 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे। बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना तक फैला तथाकथित रेड कॉरिडोर देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन चुका था।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के अभियानों के दौरान यह कल्पना करना भी कठिन था कि इस गंभीर समस्या का पूरी तरह अंत संभव होगा, लेकिन केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प, सुरक्षा बलों के साहस, स्थानीय प्रशासन के समन्वित प्रयास, जनता के सहयोग और मीडिया की जिम्मेदार रिपोर्टिंग ने इसे संभव बना दिया। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने नक्सलवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसकी शुरुआत सीमित क्षेत्र से हुई थी, लेकिन समय के साथ इसका विस्तार कई इलाकों तक हो गया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षा बलों और जवानों का योगदान अतुलनीय रहा है।

उन्होंने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरकार, सुरक्षा एजेंसियों और आम जनता के संयुक्त प्रयासों से आज नक्सलवाद लगभग समाप्त हो चुका है। अब यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है कि ऐसी परिस्थितियां दोबारा उत्पन्न न हों। जिलाधिकारी ने मीडिया प्रतिनिधियों से विकास, शांति और जनकल्याण से जुड़ी सकारात्मक खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक पत्रकारिता समाज में विश्वास और जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम में अपर समाहर्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि 1980 के दशक में नक्सलवाद का प्रभाव इतना व्यापक था कि लोगों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल बना रहता था। उन्होंने कहा कि आज जहानाबाद सहित पूरे क्षेत्र में विकास, शांति और विश्वास का वातावरण स्थापित हो चुका है तथा नक्सलवाद का नामोनिशान लगभग समाप्त हो गया है। कार्यक्रम में सीआरपीएफ बिहार सेक्टर के उप-महानिरीक्षक पी. कुजूर, कमांडेंट नरेश कुमार जायसवाल, डीएसपी जहानाबाद, सीबीसी के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी भानु कुमार झा, पीआईबी पटना के संदीप कपूर, ज्ञान प्रकाश, हितेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पटना में 20 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, कमरे में फंदे से लटका मिला शव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के अम्हारा थाना क्षेत्र स्थित अम्हारा गांव में एक 20 वर्षीय युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। युवक का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई।

मृतक की पहचान अम्हारा गांव निवासी रमेश महतो के पुत्र रवि कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रवि ने सुबह परिवार के सदस्यों से सामान्य रूप से बातचीत की थी और भोजन भी किया था। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया।

दोपहर बाद जब उसके पिता और अन्य परिजन उसे बुलाने पहुंचे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज लगाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया, जहां रवि का शव फंदे से लटका मिला।

घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। परिजनों का कहना है कि रवि हंसमुख स्वभाव का था और उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी किसी को जानकारी नहीं है। उसकी अचानक मौत से पूरे गांव में शोक व्याप्त है। सूचना मिलने पर अम्हारा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित कराए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है।

थानाध्यक्ष रोशन कुमार राज ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। आत्महत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मृतक के मोबाइल फोन की जांच कर रही है तथा सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी जांच के बाद ही घटना के कारणों के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

केसरी एजेंसी डकैती कांड का खुलासा, बिहार-यूपी समेत कई राज्यों के 14 अपराधी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना पुलिस ने बिहटा थाना क्षेत्र स्थित केसरी एजेंसी के मालिक के घर में हुई चर्चित डकैती कांड का सफल खुलासा करते हुए बिहार, उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के 14 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के पास से हथियार, कारतूस तथा चोरी में प्रयुक्त उपकरण भी बरामद किए हैं। दानापुर डीएसपी-2 अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि 19 जून की रात बिहटा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि पाली हॉल्ट के समीप कुछ अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और 14 अपराधियों को धर-दबोचा। उनके पास से दो देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, पेचकस, प्लास सहित अन्य उपकरण बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार अपराधी बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। यह एक सक्रिय अंतरराज्यीय गिरोह है, जो रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित मकानों को निशाना बनाकर चोरी और डकैती की घटनाओं को अंजाम देता था। गिरोह का मुख्य ठिकाना भोजपुर जिले का रमना मैदान बताया गया है।

गौरतलब है कि 17 मई को बिहटा के चीनी मिल रोड स्थित केसरी एजेंसी के मालिक के घर में छह से सात डकैतों ने पीछे के रास्ते से प्रवेश कर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। अपराधियों ने घर में मौजूद एक बुजुर्ग महिला को बंधक बना लिया और लॉकर से करीब 40 लाख रुपये मूल्य के गहने एवं नकदी लेकर फरार हो गए थे। वारदात के दौरान बुजुर्ग महिला के पुत्र संजीव भारती की नींद खुल गई थी। उन्होंने अपराधियों का विरोध किया, जिस पर डकैतों ने उन पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और परिजनों से पूछताछ के आधार पर जांच शुरू की। लगातार कार्रवाई के बाद पुलिस गिरोह तक पहुंचने में सफल रही और 14 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि केसरी एजेंसी डकैती मामले में गिरफ्तार सभी अपराधी संगठित गिरोह के सदस्य हैं। पुलिस उनसे पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके आपराधिक नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

आम के पेड़ से लटका मिला शिक्षक का शव, हत्या या आत्महत्या? जांच में जुटी एफएसएल टीम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

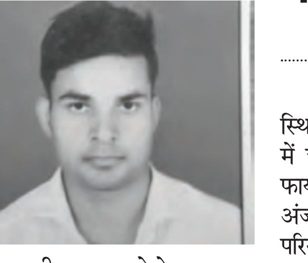

मृतक की फाइल-फोटो।

मसौढ़ी: थाना क्षेत्र के खरजमा गांव में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक आम के पेड़ से युवक का शव लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मृतक की पहचान खरजमा गांव निवासी बिंदेश्वर प्रसाद यादव के 28 वर्षीय पुत्र निशांत कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि निशांत कुमार एक निजी विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि निशांत कुमार की हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को आम के पेड़ से लटका दिया गया। परिजनों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर विभिन्न महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत आत्महत्या है या हत्या।

बंद विद्यालय को चोरों ने बनाया निशाना, समरसेबल पंप की चोरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ विद्यालय बंद होने का उठाया फायदा, चहारदीवारी फांदकर वारदात को दिया अंजाम

धनरुआ। कादिरगंज थाना क्षेत्र स्थित हरला उत्क्रमित विद्यालय में चोरों ने विद्यालय बंद रहने का फायदा उठाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया। अज्ञात चोर विद्यालय परिसर से समरसेबल पंप उखाड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी शनिवार को उस समय हुई जब विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार स्कूल पहुंचे।

जानकारी के अनुसार ग्रीष्मावकाश के कारण विद्यालय इन दिनों बंद है। इसी का लाभ उठाकर चोर देर रात विद्यालय परिसर में घुस गए। चहारदीवारी फांदकर अंदर पहुंचे चोरों ने समरसेबल पंप को उखाड़ लिया और उसे लेकर फरार हो गए।

शनिवार सुबह विद्यालय पहुंचने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक को चोरी की जानकारी मिली। इसके बाद विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने पर आसपास के ग्रामीण भी विद्यालय पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त नहीं होने के कारण चोरों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। हाल के दिनों में चोरी की बढ़ती घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

इधर, विद्यालय प्रबंधन द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। कादिरगंज थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि अभी तक इस संबंध में कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच करने की बात कह रही है, वहीं ग्रामीण जल्द से जल्द चोरी का खुलासा कर आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

समर कैंप के सफल समापन पर शिक्षकों को किया गया सम्मानित

♦ विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने में शिक्षकों की भूमिका सराहनीय : दीपक कुमार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। प्रखंड के देवरिया पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय मिरचक में समर कैंप के सफल समापन के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समर कैंप के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों को उनके समर्पण, मेहनत और उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक दीपक कुमार ने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और अथक प्रयासों के कारण समर कैंप का सफल संचालन संभव हो सका। उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने, रचनात्मक सोच को विकसित करने तथा विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से उनके सर्वांगीण विकास का प्रयास किया गया।

समर कैंप के दौरान बच्चों ने कला, खेलकूद, संगीत, नृत्य, विज्ञान एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। कैंप का उद्देश्य बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को रोचक और आनंददायक बनाना था, जिसमें विद्यालय को उल्लेखनीय सफलता मिली। प्रधान शिक्षिका सोनी कुमारी ने समर कैंप में सहयोग करने वाले सभी स्वयंसेवक शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से कैंप सफल और यादगार बन सका। इसी योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शिक्षक दीपक कुमार ने गुड़िया कुमारी, विभा कुमारी और राज कुमार को डायरी एवं पेन भेंट कर सम्मानित किया। इन शिक्षकों ने ग्रीष्मावकाश के दौरान प्रतिदिन विद्यालय में बच्चों को दो घंटे तक पढ़ाकर शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्री कुमार ने ग्रीष्मावकाश के दौरान समर कैंप के सफल संचालन के लिए मसौढ़ी प्रखंड के सभी शिक्षा सेवकों, स्वयंसेवक शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों के शैक्षणिक विकास और सीखने की निरंतरता बनाए रखने में समर कैंप की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सम्मान समारोह के माध्यम से शिक्षकों और स्वयंसेवकों के योगदान को सार्वजनिक रूप से सराहा गया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना और शिक्षा के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

बीपीएससी 70वीं परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने दी बधाई

टॉप-100 में 45 बेटियों की सफलता नए बिहार की प्रगतिशील तस्वीर : डॉ. प्रेम कुमार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की एकीकृत 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में अंतिम रूप से सफल हुए सभी 2,027 अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस सफलता को युवाओं की मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. प्रेम कुमार ने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली श्रद्धा पांडे को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि अन्य अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच शीर्ष स्थान हासिल करना असाधारण प्रतिभा और अथक परिश्रम का परिचायक है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में बेटियों का शानदार प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय है। टॉप-100 में 45 महिला अभ्यर्थियों तथा टॉप-10 में 5 बेटियों का स्थान प्राप्त करना नए और प्रगतिशील बिहार की सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह सफलता राज्य में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, शिक्षा के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। उन्होंने सफल अभ्यर्थियों से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि अब वे बिहार के प्रशासनिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहे हैं। ऐसे में उन पर जनता की अपेक्षाओं और विश्वास को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारी अपनी निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के बल पर सुशासन को और मजबूत करेंगे।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि राज्य के विकास, जनकल्याण और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में इन नवचयनित अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने सभी सफल अभ्यर्थियों के सफल सेवाकाल और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सेवाएं बिहार को विकास और समृद्धि के नए आयाम तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होंगी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में पात्र मतदाता न छूटें, अपात्र नाम न जुड़ें : के. रवि कुमार

एजेंसी। रांची

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में वर्तमान समय में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शनिवार को निर्वाचन सदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी प्रशिक्षण दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने पुनरीक्षण कार्य की प्रक्रिया, प्रशिक्षण व्यवस्था और मतदाताओं के बीच जागरूकता अभियान को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 20 जून से राज्यभर में प्रिंटिंग और प्रशिक्षण कार्य प्रारंभ किया गया है। इसके तहत सभी स्तरों पर पदाधिकारियों, बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और बीएलओ सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि जमीनी स्तर पर कार्य करते समय किसी भी अधिकारी को किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति का सामना न करना पड़े। के. रवि कुमार ने बताया कि 30 जून से बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच गणना फ़ॉर्म (इन्यूमरेशन फॉर्म) वितरित करेंगे। इससे पहले सभी बीएलओ को फॉर्म भरने की प्रक्रिया और पूर्व की मतदाता सूची से मैपिंग की पूरी जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित बीएलओ मतदाताओं के बीच फैली किसी भी प्रकार की भ्रामक या गलत जानकारी को दूर करने में सक्षम होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची के पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण से मैपिंग कराने अथवा इन्यूमरेशन फॉर्म भरने के लिए मतदाताओं को किसी प्रकार का दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैपिंग का कार्य गणना चरण (इन्यूमरेशन चरण) में भी किया जाएगा और आंशिक रूप से भरे हुए फॉर्म में पूर्व एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) का विवरण भरने के लिए अलग कॉलम उपलब्ध रहेगा। इस जानकारी के आधार पर भी मतदाताओं की मैपिंग की जा सकेगी। के. रवि कुमार ने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में दर्ज है, उन्हें किसी अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। इतना ही नहीं, यह विवरण उनके पुत्र-पुत्रियों के लिए अभिभावक प्रमाण के रूप में भी मान्य होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों और शंकाओं का विस्तार से समाधान भी किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना निर्वाचन तंत्र की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें सभी अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, राज्य प्रशिक्षण नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अपर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी और उप निर्वाचन पदाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

कैंब्रियन स्कूल में योग सप्ताह का समापन, विद्यार्थियों-अभिभावकों ने लिया नियमित योग का संकल्प

एजेंसी। रांची

रांची के कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में आयोजित छह दिवसीय योग सप्ताह का शनिवार को उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशक-सह-प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मसंयम और चारित्रिक विकास का भी आधार है। यदि बचपन से ही योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया जाए तो व्यक्ति और समाज दोनों का समग्र विकास संभव है। योग सप्ताह कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए परमजीत कौर ने कहा कि योग को प्रभावी ढंग से अपनाने और समाज में लोकप्रिय बनाने में विद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए बच्चों को वर्षभर योग के प्रति प्रेरित और जागरूक किया जाना चाहिए, ताकि वे स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपना सकें। विद्यालय में 15 से 20 जून तक आयोजित योग सप्ताह के दौरान प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम के तहत योगासन, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार और पिरामिड निर्माण जैसे व्यवहारिक अभ्यास कराए गए। इसके अलावा योग विषयक क्विज प्रतियोगिता, संभाषण कार्यक्रम और प्लेकार्ड निर्माण के माध्यम से 'योग जागरूकता अभियान' भी चलाया गया। योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से फादर्स डे के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के साथ मिलकर योगाभ्यास किया। इस पहल को प्रतिभागियों ने काफी सराहा और इसे पारिवारिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के दौरान 'योग संगम' पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सामूहिक योग प्रदर्शन भी किया। इस दौरान योग के विभिन्न आसनों और उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई। सामूहिक योगाभ्यास ने अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया। योग सप्ताह का समापन विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों द्वारा नियमित योगाभ्यास को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के संकल्प के साथ हुआ। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाता रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कलकत्ता पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय योग शिविर शुरू

एजेंसी। रांची

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ओरमांझी स्थित कलकत्ता पब्लिक स्कूल में शनिवार से तीन दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। पूरे परिसर में योग दिवस को लेकर विशेष उत्साह और जागरूकता का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की प्राचार्या प्रियम्दा झा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का आधार है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से योग और प्राणायाम करने के लिए प्रेरित करते हुए इसे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की सलाह दी। प्राचार्या ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की वैश्विक पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि आज योग भारत की सांस्कृतिक धरोहर के रूप में पूरी दुनिया में स्वीकार किया जा रहा है। विभिन्न देशों में योग के प्रति बढ़ती जागरूकता और लोगों की सहभागिता इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता का प्रमाण है। योग शिविर के दौरान योग प्रशिक्षक एवं वरिष्ठ शिक्षक पुरुषोत्तम पांडेय, खेल प्रशिक्षक संतोष कुमार तथा अन्य प्रशिक्षित शिक्षकों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, हलासन, शशांकासन, भुजंगासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन और कटिचक्रासन सहित कई महत्वपूर्ण योगासनों का अभ्यास किया। इसके साथ ही उज्जयी, भ्रामरी, नाड़ी शोधन, अनुलोम-विलोम तथा कपालभाति जैसे प्राणायामों की विधि और उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने तथा शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने में सहायक होता है। योग सत्र का समापन शवासन के साथ किया गया, जिससे प्रतिभागियों को मानसिक शांति और विश्राम का अनुभव हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक मिथिलेश कुमार मिश्र, शैक्षणिक सलाहकार टी.पी. झा, प्राचार्या प्रियम्दा झा, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार बताते हुए इसे नियमित रूप से अपनाने का संकल्प लिया।

अफीम की खेती और तस्करी के मामले में दो आरोपियों को पांच-पांच वर्ष की जेल

पश्चिमी सिंहभूम । पश्चिमी सिंहभूम जिले में अफीम (पोस्ता) की अवैध खेती और उसके कारोबार से जुड़े एक मामले में अदालत ने दो आरोपितों सुरजा दुराईबुरू और गर्दी सुंडी को दोषी ठहराते हुए पांच-पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम विनोद कुमार सिंह की अदालत ने यह फैसला सुनाया है। न्यायालय ने दोनों दोषियों पर 10-10 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया है। यह मामला टोंटो थाना क्षेत्र का है, जहां वर्ष 2020 में पुलिस ने अफीम की अवैध खेती और उससे जुड़े कारोबार की सूचना मिलने के बाद कार्रवाई की थी। इस संबंध में 19 मार्च 2020 को टोंटो थाना कांड संख्या 06/2020 दर्ज किया गया था। मामले में बड़ा कूचियां गांव निवासी सुरजा दुराईबुरू तथा गर्दी सुंडी को आरोपित बनाया गया था। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

झारखंड में गर्मी और उमस से लोग परेशान, 26 जून तक बारिश और वज्रपात की चेतावनी

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश जिलों में इन दिनों गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दिनभर चल रही गर्म हवाओं और वातावरण में नमी के कारण लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। हालात ऐसे हैं कि नहाने के कुछ ही देर बाद शरीर दोबारा पसीने से तर-बतर हो जा रहा है। राजधानी रांची सहित कई जिलों में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। इस बीच मौसम विभाग ने राज्यवासियों के लिए राहत और सावधानी दोनों की सूचना जारी की है। विभाग के अनुसार, 26 जून तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। साथ ही कई क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है। संभावित मौसमीय गतिविधियों को देखते हुए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है और लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक वर्षा पलामू जिले के लेस्लीगंज क्षेत्र में दर्ज की गई, जहां 84 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। हालांकि कुछ क्षेत्रों में बारिश होने के बावजूद अधिकांश जिलों में गर्मी और उमस का प्रभाव बरकरार है। तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें, तो पिछले 24 घंटों में राज्य का सबसे अधिक तापमान डाल्टेनगंज में 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 20.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तापमान में इस अंतर के बावजूद राज्य के अधिकांश हिस्सों में लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिली। शनिवार सुबह रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। तेज धूप और उमस के कारण लोगों को सुबह से ही गर्मी का अहसास होने लगा। राजधानी में बीते 24 घंटों के दौरान अधिकतम आर्द्रता 89 प्रतिशत दर्ज की गई, जो उमस बढ़ने का प्रमुख कारण बनी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार वातावरण में अधिक नमी और तापमान के संयुक्त प्रभाव से लोगों को वास्तविक तापमान से अधिक गर्मी महसूस हो रही है।

कार्यालय उपायुक्त–सह– जिला दण्डाधिकारी, गढ़वा
(जिला आपूर्ति शाखा)

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्याः–01/2026–27

खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड राँची के संकल्प संख्या 3102 दिनांक 09.10.2014 के आलोक में सरकारी भोजन केन्द्र योजनांतर्गत मुख्यमंत्री दाल–भात केन्द्रों के संचालन के निमित वर्ष 2026–27 के लिए गढ़वा जिला में अवस्थित दाल–भात केन्द्रों पर चावल, चना एवं सोयाबीन बडी आपूर्ति किया जाना है। जिला/अनुमण्डल स्तर के केन्द्रों के लिए प्रति केन्द्र प्रतिमाह 18.00 क्वी0 उसना चावल और 1.05 क्वी0 चना एवं 1.05 क्वी0 सोयाबीन बडी तथा प्रखण्ड स्तर के केन्द्रों को प्रतिमाह 12.00 क्वी0 उसना चावल और 75 किलोग्राम चना एवं 75 किलोग्राम सोयाबीन बडी मात्रा के अनुसार आपूर्ति करने हेतु इच्छुक व्यक्ति एवं निम्नांकित अहर्त्ता रखने वाले विक्रेता से दिनांक 20.06.2026 को 11:00 बजे पूर्वाहन से 06.07.2026 को 2:00 अपराहन तक निविदा आमंत्रित किया जाता है।

निविदा दिनांक 06.07.2026 को 3:00 बजे अपराहन में उपायुक्त, गढ़वा के कार्यालय कक्ष में खोला जायेगा। जिसमें निविदादात्ता या उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

निविदा की आवश्यक शर्तों एवं विस्तृत विवरणी prdjharkhand.gov.in या garhwa.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी, गढ़वा। **अपर समाहर्त्ता–सह–वरीय पदाधिकारी, जिला आपूर्ति शाखा, गढ़वा।** **उपायुक्त गढ़वा।**

PR 382872 (Food Public Distribution and Consumer Affairs) 26-27 (D)

झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
विद्युत आपूर्ति अंचल, गढ़वा
Email: esegarhwa@yahoo.in, ese.garhwa@jbvnl.co.in

आम सूचना

आम जनता/ उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि विद्युत आपूर्ति अंचल, गढ़वा अंतर्गत "जन समस्या निवारण केन्द" प्रारम्भ हो गया है। बिजली से जुड़े हुए कोई भी समस्या यथा विद्युत आपूर्ति बाधित/फयूज कॉल/ जले हुए ट्रांसफार्मर की बदली/ बिजली बिल नहीं मिलने इत्यादि जैसी अपनी सभी समस्या को मोबाईल संख्या 9229108698 पर सुबह 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक कॉल/वाटसअप के द्वारा सूचित कर सकते है। प्राप्त समस्या का निराकरण यथाशीध्र की जाएगी।

इसके अतिरिक्तः–

1. गढ़वा शहर के उपभोक्ता, मोबाईल संख्या 9942822373 पर सुबह 10 बजे से अपराह्न 5 बजे तक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है।
2. नगर उँटारी क्षेत्र के उपभोक्ता, मोबाईल संख्या 9162697924 पर सुबह 10 बजे से अपराह्न 5 बजे तक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

ह0/–
विद्युत अधीक्षण अभियन्ता
विद्युत आपूर्ति अंचल, गढवा

PR 382744 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd) 26-27 (D)

झारखण्ड सरकार, जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू

मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के लिये राजस्व जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती हेतु प्रस्ताव प्रेषण से संबंधित सूचना

एतद् द्वारा पलामू जिला के प्रखण्ड–सदर मेदिनीनगर, चैनपुर, पाटन, पण्डवा, छत्तरपुर, हरिहरगंज, नावाबाजार, लेस्लीगंज, पाँकी, ऊँटारीरोड, विश्रामपुर, एवं सतबरवा के प्रखण्ड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/पंचायत स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समिति/जलाशयस्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य विभाग के जिला पलामू अन्तर्गत कुल 51 राजस्व जलकरों का वार्षिक सुरक्षित जमा निर्धारण कराया गया है। इनकी वित्तीय वर्ष 2026–27 से 2028–29 तक तीन वर्षो के लिए मत्स्य पालन हेतु अल्पकालीन बन्दोबस्ती की जानी है।

जलकरों की बन्दोबस्ती लेने हेतु इच्छुक मत्स्यजीवी सहयोग समितियों जो झारखण्ड सहकारिता अधिनियम 1935 एवं झारखण्ड स्वावलंबी सहकारिता समितियाँ अधिनियम 1996 के अन्तर्गत दिनांक 20/06/2026 तक निबंधित है, से बिहार सरकार, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के पत्रांक 114/दिनांक 18/01/1992, झारखण्ड सरकार सहकारिता विभाग के पत्रांक 1410/दिनांक 29/06/2011 एवं झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) के पत्रांक सं0 275/दिनांक 17/03/2025 के आलोक में वांछित कागजात के साथ जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू में प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है। जलकरों की सूची कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है, अथवा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है :–

क्र0	जलकर का नाम	खाता सं0	प्लॉट सं0	श्रकबा (ए0 में)	जलक्षेत्र (ए0 में)	वार्षिक सुरक्षित जमा राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
अंचल – ऊँटारीरोड							
1	जोगा मछली घाट	200	227	8.10	5.00	3450.00	
2	मलवरिया मछली घाट	-	-	-	-	3450.00	
अंचल – विश्रामपुर							
3	सिगसिगी मछली घाट	-	-	-	-	2200.00	
4	रक्साहा मछली घाट	-	-	-	-	2200.00	
अंचल – पाँकी							
5	नावाडीह आहर	34	387	3.26	2.30	15840.00	
6	खाप तालाब	43	179	0.52	0.50	4620.00	
7	मंगलपुर नावाडीह–01	120	206	11.5	1.10	21835.00	
8	लोहरसी तालाब	122	1344	0.86	0.60	62100.00	
9	कोटेया तालाब	27	148	2.51	1.75	51500.00	
अंचल – पाटन							
10	गंगतुआ तालाब	63	71	1.7	1.45	9185.00	
11	बरसौता तालाब	78	574	2.44	2.22	14300.00	
12	नावाखास तालाब	186	1021	18	3.40	24035.00	
13	दुसैयानी डेम	9	34, 35	1.5	1.20	10340.00	
14	सोले मछली घाट	-	-	10.01	7.00	9200.00	
15	उताकी चेक डेम	36	574	2.59	1.50	6325.00	
16	निमिया आहर	60	257	1.4	1.20	5750.00	
17	काजीतर दोहर तालाब	159	556, 557	2.05	1.80	5500.00	
18	नगेसर डूब तालाब	62	336	3.16	3.00	20000.00	
अंचल – हुसैनाबाद							
19	रूपनारायणपुर तालाब	17	45	2.08	1.80	3245.00	
20	गोदामी पोखर	344	727	6	3.80	29700.00	
21	जुड़ी बाँध	32	84	6	5.00	21000.00	
22	छठ पोखर	171	79, 80	1.37	0.50	2500.00	
23	डुमरहथ्था तालाब	75	382	1.14	0.80	6900.00	
अंचल – पण्डवा							
24	भूतहा आहर	93	368	2.25	1.00	8970.000	
25	सरैया डैम	14	53	0.6	0.50	5175.00	
अंचल –चैनपुर							
26	बोकेयाखुर्द तालाब	61	336	1.97	1.60	4070.00	
27	बुढ़ीवीर तालाब	-	-	2	1.60	11550.00	
28	अवसाने मछली घाट	-	-	-	-	3300.00	
29	रैनी बाँध	-	227, 155	2.12	1.86	13805.00	
30	नगवाँ तालाब	71	570	3	2.60	23100.00	
31	पथरा बाँध	101	1192	1	0.75	5170.00	
32	खपिया मछली घाट	-	-	-	-	6900.00	
अंचल –नावाबाजार							
33	कण्डा तालाब	-	-	1	0.81	4255.00	
34	रबदा तालाब	20	227	0.81	0.50	5450.00	
अंचल –हरिहरगंज							
35	तेन्दुआकला तालाब	45	4	3.45	3.00	11550.00	
36	ढेकचा आहर	81	415	4.86	3.56	11500.00	
37	कुशहानाला बाँध	137, 138, 149	1314, 1307, 1275, 1276, 1303, 1315	8.78	8.00	13000.00	
अंचल –छत्तरपुर							
38	करमाकला आहर(तालाब)	32	184	0.7	0.50	13800.00	
39	खाटिन तालाब	88	517	1.5	0.40	4600.00	
40	हेसला डैम	83, 1	565, 619	21.28	-	28750.00	
अंचल –लेस्लीगंज							
41	बाँसडीह तालाब	59	427	2.5	1.70	9240.00	
42	अम्बा मछली घाट	1	75	2.4	1.60	3000.00	
43	लेस्लीगंज पीट तालाब	2	203	1	0.61	4500.00	
44	कटौघा तालाब	60	191, 197	0.32	0.25	1900.00	
अंचल –मेदिनीनगर							
45	नावा पोखर	59	452	4.1	1.50	9240.00	
46	बड़का आहर	83	1763	5.4	4.20	23000.00	
47	झरीवा आहर	190	732	3.6	1.50	9240.00	
48	रजवाडीह तालाब	-	-	1.5	1.10	11495.00	
49	कोयल नदी घाट	-	-	-	-	2310.00	
50	डूबा टैंक	42	168	2.16	2.00	13805.00	
अंचल –सतबरवा							
51	पिपरा आहर	87	121	3.31	3.31	3520.00	

प्रस्ताव के साथ निम्नलिखित कागजात संलग्न करना अनिवार्य है :–

1. सहायक निबंधक सहयोग समितियाँ/जिला सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा निर्गत स्वच्छता प्रमाण पत्र।
2. समिति के अद्यतन लेखों का अंकेक्षण प्रतिवेदन की छायाप्रति।
3. समिति के आमसभा की बैठक की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
4. कार्यकारिणी समिति का चुनाव से संबंधित कार्यवाही की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
5. पूर्व का सरकारी बकाया नहीं रहने से संबंधित प्रमाण पत्र।
6. अद्यतन राजस्व जमा से संबंधित रसीद की छायाप्रति।
7. पूर्व में बन्दोबस्ती ली गई जलकरों की समिति के सदस्यों को वितरण से संबंधित प्रतिवेदन।
8. सहायक निबंधक सहयोग समितियाँ, पलामू द्वारा निर्गत/अभिप्रमाणित समिति के सदस्यों की सदस्यता सूची।

यदि कोई जलकर एक से अधिक मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के क्षेत्राधिकार में स्थित हो तथा ऐसी सभी समितियाँ बन्दोबस्ती की सभी अहर्ताएँ पूरी करती हो तो वैसी स्थिति में इन समितियों के बीच सीमित डाक कराकर उच्चतम बोली लगाने वाली समिति के साथ जलकर की बन्दोबस्ती कर दी जायेगी।

बन्दोबस्ती का प्रस्ताव उपरोक्त वांछित कागजातों के साथ दिनांक 15/07/2026 तक कार्यालय अविध में जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू में जमा किया जाएगा।

मो0 कमरूज्जमाँ जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पलामू।

PR.NO.382853 Fish(26-27):D

हिमाचल के शख्स की लगी 3 करोड़ की लॉटरी; टैक्सी ड्राइवर के रूप में गया था, करोड़पति बनकर लौटा

कांगड़ा, एजेंसी। कभी-कभी जिंदगी अचानक इतनी बड़ी करवट बदल लेती है कि विश्वास करना मुश्किल हो जाता है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के रहने वाले एक टैक्सी ड्राइवर के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। जिस व्यक्ति की आमदनी महीने में मुश्किल से 15 से 16 हजार रुपए तक हो पाती थी और परिवार चलाने के लिए जिसे कई बार दिहाड़ी मजदूरी भी करनी पड़ती थी, वह शख्स आज 3 करोड़ रुपए की लॉटरी जीतने के बाद पूरे हिमाचल में चर्चा का विषय बन गया है।

कांगड़ा जिले की फतेहपुर तहसील के रहने वाले कल्याण चंद करीब 20 वर्षों से ड्राइवरी का काम कर रहे हैं। कुछ दिन पहले वह एक सवारी को छोड़ने के लिए पंजाब के बठिंडा गए थे। काम पूरा होने के बाद उन्होंने 500-500 रुपए की दो लॉटरी टिकटें खरीद लीं। यह फैसला उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ।

यूट्यूब पर रिजल्ट देखते-देखते बदल गई दुनिया: कल्याण चंद बताते हैं कि उन्हें पता था कि लॉटरी का ड्रॉ यूट्यूब पर लाइव दिखाया जाता है। 13 जून को वह मोबाइल पर परिणाम देख रहे थे। इसी दौरान एक के बाद एक जब शुरुआती नंबर निकलने लगे, तो उन्हें लगा कि इस बार भी उनकी किस्मत साथ नहीं देगी। इसी बीच अचानक स्क्रीन पर ऐसे अंक दिखाई देने लगे जो उनकी टिकट से मेल खा रहे थे।

वह बताते हैं कि पहले तो उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। लेकिन जैसे ही पूरा नंबर सामने आया,

तो कुछ क्षणों के लिए वह स्तब्ध रह गए। उन्होंने कहा कि सभी नंबर देखने के बाद मैं सन्न रह गया था। यकीन ही नहीं हो रहा था कि नंबर मेरी टिकट का है। उन्होंने बताया कि खुशी के उस पल में उन्होंने सबसे पहले अपनी पत्नी को फोन किया। परिवार को जब यह खबर मिली तो घर में जश्न का माहौल बन गया। कल्याण चंद ने बताया कि उन्होंने पांच साल पहले यानी वर्ष 2021 से लॉटरी टिकट खरीदना शुरू किया था। पिछले साल पंजाब में 11 करोड़ रुपए की लॉटरी निकलने की खबर सुनने के बाद उनकी दिलचस्पी और बढ़ गई। उन्हें पता चला था कि विजेता टिकट बठिंडा के एक विक्रेता के पास से खरीदी गई थी। इसके बाद जब भी उनका काम बठिंडा की तरफ पड़ता, वह उसी दुकान से टिकट लेने की कोशिश करते थे। इस बार भी वह किसी सवारी को छोड़ने गए थे और उसी दौरान टिकट खरीद ली। शायद उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि यह टिकट उन्हें करोड़पति बना देगी। कल्याण चंद के परिवार में उनके पिता, भाई-बहन, पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। सीमित आय के कारण परिवार की जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। अब जब किस्मत ने उनका साथ दिया है तो उन्होंने धन खर्च करने की प्राथमिकताएं भी तय कर ली हैं। उन्होंने बताया कि वह सबसे पहले अपने पिता का एक पुराना सपना पूरा करना चाहते हैं। कल्याण चंद ने बताया कि उनके गांव में पहले एक सराय भवन हुआ करता था, जो समय के साथ जर्जर होकर गिर गया। उनके पिता लंबे समय से चाहते थे कि वहां फिर से भवन का निर्माण हो। कल्याण चंद कहते हैं कि लॉटरी की राशि का उपयोग इसी काम और परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने में किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि जिस समय कांगड़ा के इस टैक्सी ड्राइवर की किस्मत चमकी है, उसी समय हिमाचल प्रदेश में भी करीब तीन दशक बाद लॉटरी की वापसी का रास्ता साफ हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा चुनाव के नतीजों के बाद समीक्षा का दौर

रांची, एजेंसी। राज्यसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के एक प्रत्याशी प्रणव झा की हार के बाद कांग्रेस-राजद सीपीआई माले के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है. इन सबके बीच झामुमो ने पहली बार अपना स्टैंड साफ किया है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि उसके सभी विधायक एकजुट रहे और गठबंधन की रणनीति के अनुसार मतदान किया. लेकिन महागठबंधन की ओर से कांग्रेस के प्रत्याशी प्रणव झा की हार आश्चर्यचकित करने वाला है और महागठबंधन में इसकी समीक्षा होगी. झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि उनकी पार्टी के सभी 34 विधायकों ने शत-प्रतिशत मतदान किया और गठबंधन के दोनों प्रत्याशियों के पक्ष में वोट दिया. उन्होंने बताया कि वह स्वयं पार्टी एजेंट के रूप में पूरे मतदान के दौरान मतदान केंद्र में मौजूद थे और मतदान प्रक्रिया पर नजर रखे हुए थे. विनोद पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चुनाव से पहले गठबंधन दलों की कई बैठकें की थीं. मतदान को लेकर रणनीति बनाई गई थी और विधायकों को प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए अभ्यास (मॉक ड्रिल) भी कराया गया था. इन सभी प्रयासों के बावजूद गठबंधन के एक प्रत्याशी का चुनाव हार अपेक्षा के अनुरूप नहीं है.

कैश फॉर टिकट के आरोपों पर मायावती का पलटवार

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने टिकट के दावेदारों से चंदा लेने के पार्टी के फैसले का पुरजोर बचाव किया है। हाल ही में सामने आए कैश फॉर टिकट (टिकट के बदले नकद) के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने इसे विपक्षी दलों द्वारा बसपा को बदनाम करने के लिए चलाया जा रहा एक दुर्भावनापूर्ण अभियान करार दिया है। आपको बता दें कि एक स्टिंग ऑपरेशन में बसपा पदाधिकारियों पर टिकट और पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात के बदले पैसे मांगने के आरोप लगे थे। इस मामले में अपना पक्ष रखते हुए विपक्ष को आड़े हाथों लिया। मायावती ने स्पष्ट किया कि अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत बसपा बड़े पूंजीपतियों, उद्योगपतियों और धनी व्यक्तियों के समर्थन या उनके दिशा-निर्देशों पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा, 'बसपा एक सच्ची और ईमानदार आंबेडकरवादी पार्टी है, जो देश के गरीब, शोषित, उत्पीड़ित, उपेक्षित बहुजन समाज और सवर्ण समाज के गरीब तबकों के कल्याण के लिए 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर काम कर रही है। यह पार्टी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के दिखाए रास्ते पर चलकर उनके संवैधानिक अधिकारों और न्याय के लिए लड़ रही है।' बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि जनता के बीच बसपा की मजबूत कार्यप्रणाली और समर्थन से संकीर्ण सोच वाली, जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी ताकतें हमेशा नाखुश रहती हैं। यही वजह है कि समय-समय पर और विशेष रूप से चुनाव नजदीक आते ही वे बसपा के आंदोलन और इसके 'आयरन लेडी' नेतृत्व को बदनाम करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाते हैं।

फरीदाबाद के दो अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर ऐक्शन

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में जिला नगर योजनाकार (इन्फोर्समेंट) विभाग ने शुक्रवार को अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की। विभाग ने मलेरना गांव के राजस्व क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित हो रही कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान करीब 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही दो अनधिकृत कॉलोनियों और फार्महाउस को ध्वस्त किया गया। कुछ लोगों ने तोड़फोड़ का विरोध जताया, लेकिन पुलिस ने सभी को समझा बुझाकर शांत कर दिया। डीटीपी इन्फोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी ने बताया कि मलेरना गांव के आसपास अवैध कॉलोनी विकसित करने की सूचना मिली थी। वहां फार्म हाउस बनाए जा रहे थे। सूचना के आधार पर जांच कराई गई, लोगों को नोटिस जारी कर अवैध कब्जे हटाने के आदेश दिए गए। लोगों ने नोटिस को अनदेखा कर दिया। छह निर्माणाधीन ढांचों, 15 चारदीवारी और करीब 30 डीपीसी को जेसीबी मशीनों की मदद से तोड़ दिया। विभाग के अनुसार संबंधित क्षेत्रों में बिना वैध अनुमति और लाइसेंस के कॉलोनियां विकसित की जा रही थीं। जो हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन हैं।

टीएमसी नेता जहांगीर खान की पत्नी गिरफ्तार, पति को हिरासत से छुड़ाने के लिए किया था बवाल

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना इलाके में सियासी सरगर्मी और तनाव का माहौल है। तृणमूल कांग्रेस के नेता जहांगीर खान के बाद अब उनकी पत्नी रेजिना बीबी उर्फ सरिना को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासन का कहना है कि पति की गिरफ्तारी के बाद रेजिना ने फलता इलाके में जो विरोध-प्रदर्शन आयोजित किए, उससे वहां की कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती थी। इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब पुलिस ने टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें उन्हें रस्सी से बांधकर ले जाया जा रहा था। इस वीडियो ने खान के समर्थकों के गुस्से में घी का काम किया। पुलिस का आरोप है कि पति के साथ हुए इस व्यवहार के विरोध में रेजिना बीबी ने इलाके में बड़े पैमाने पर लोगों को भड़काया और चक्का जाम करवाया। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए थे कि समर्थकों की भारी भीड़ थाने का घेराव करने और उग्र प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही थी। फलता इलाके में जब भारी भीड़ जुटने लगी और स्थिति बेकाबू होने का अंदेशा हुआ, तो स्थानीय पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को भी मैदान में उतरना पड़ा। सुरक्षाबलों ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत भीड़ को वहां से खदेड़ा और हालात पर काबू पाया। इलाके में तनाव फैलाने और भीड़ जुटाने के इस मामले में पुलिस ने किसी शिकायत का इंतजार नहीं किया।

इमिग्रेशन ठगों को भागने के सारे रास्ते पता', चंडीगढ़ कोर्ट की टिप्पणी; 6 करोड़ की ठगी के आरोपित को नहीं दी जमानत

चंडीगढ़, एजेंसी। जिला अदालत ने विदेश भेजने के नाम पर छह करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी करने मामले में आरोपित अमित अरोड़ा को जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोपित के खिलाफ चंडीगढ़ में अलग-अलग पुलिस थानों में धोखाधड़ी के करीब एक दर्जन केस चल रहे हैं। उसकी जमानत अर्जी पर टिप्पणी करते हुए एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसे लोगों को देश छोड़कर भागने के सभी कानूनी और गैर-कानूनी रास्ते पता होते हैं। ऐसे में अगर आरोपित को जमानत मिली तो वह भी फरार

हो सकता है। इसलिए अदालत ने उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। दो साल पहले चंडीगढ़ पुलिस ने अमित अरोड़ा और एक अन्य शख्स को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। वह सेक्टर-17 में एक इमिग्रेशन कंपनी चला रहे थे। उन्होंने कई लोगों को विदेश भेजने के सपना दिखाया और फिर उनसे करोड़ों रुपये ठग लिए। अमित अरोड़ा और उसके साथी के खिलाफ पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। लगातार शिकायत मिलने के कारण उन पर और भी एफआइआर दर्ज हुईं। आरोपित के खिलाफ एक केस मनजीत कौर नाम महिला की शिकायत पर भी दर्ज हुआ था। महिला ने शिकायत में बताया था कि उसने अपनी बेटी को कनाडा भेजने के लिए सेक्टर-17 की एक इमिग्रेशन कंपनी से संपर्क किया। इस दौरान उसकी मुलाकात अमित अरोड़ा से हुई। उसने शिकायतकर्ता की बेटी को कनाडा भेजने का वादा किया।

ग्रेटर नोएडा के पाश सेक्टरों में भी रेन हार्वेस्टिंग सिर्फ कागजों में, जमीन के नीचे खाली हो रहा खजाना

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जल ही जीवन है। शहर से लेकर कस्बों की चारदीवारी पर इस तरह के स्लोगन लिखे मिल जाएंगे। प्रशासन लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने का दंभ भी भरता है। वर्षा का हर बूंद सोना है, लेकिन उसके बावजूद वर्षा के दिनों में लाखों लीटर पानी नालियों के रास्ते हरनंदी में बह जाता है।

नियमों के बावजूद बड़े मकानों, भूखंड और में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सिर्फ फाइलों तक सीमित रह गया है। जिम्मेदार विभागों की अनदेखी से भूगर्भ जल लगातार नीचे जा रहा है। निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स सबमर्सिबल लगाकर धरती के गर्भ को खाली कर रहे हैं। नोएडा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अधिकार क्षेत्र में नियम साफ है कि तीन सौ मीटर से बड़े भूखंड और सभी बहुमंजिला इमारत में रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है, लेकिन छत पर गिरने वाला वर्षा का पानी धरती में जाने के बजाय हर साल नालियों में बहा दिया जाता है। बिल्डिंग मैप पास होने की शर्त भी यही है, पर हकीकत अलग है। सेक्टर- ओमेगा, अल्फा, गामा समेत पाश इलाकों के बड़े बंगलों में सर्वे करने पर एक भी जगह ढंग का रिचार्ज पिट नहीं है। कहीं टैंक बना तो है, पर पाइप जाम हैं, कहीं कनेक्शन ही नहीं है। निर्माणाधीन ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों का हाल और बुरा है। पानी रिचार्ज के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के बजाय बेसमेंट खोदते ही सबमर्सिबल चलाकर लाखों लीटर पानी रोज बाहर फेंक दिया जाता है। बिल्डर एनजीटी पर नियम ताक पर रखते हैं। सेक्टर डेल्टा एक के समीप एक बिल्डर

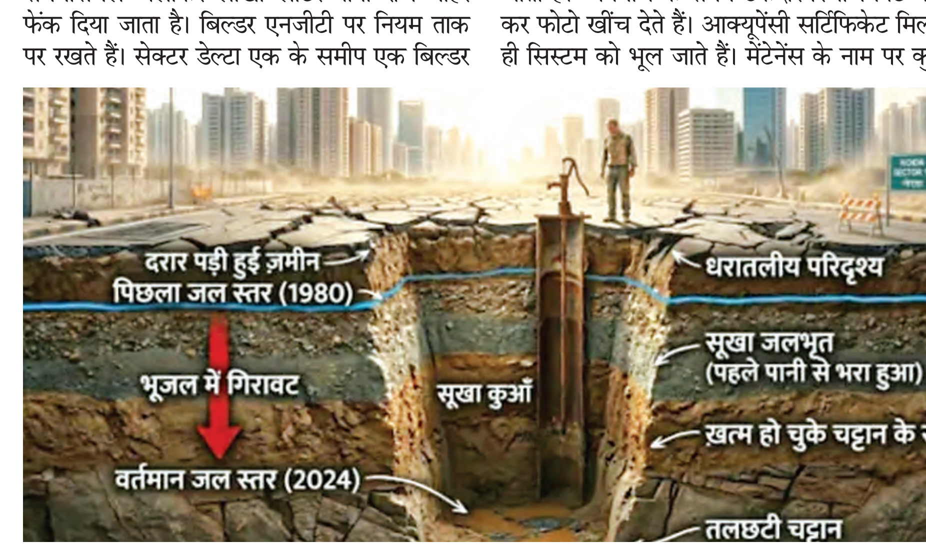

परियोजना से पानी का दोहन कर उसे नालियों में बहाया जा रहा है। सेक्टर निवासी प्रमोद भाटी का कहना है कि शिकायत कई बार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन जल विभाग की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित है। शिकायत करों तो जांच चल रही है कहकर टाल दिया जाता है। 'निर्माण के समय ठेकेदार रिचार्ज पिट बना कर फोटो खींच देते हैं। आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट मिलते ही सिस्टम को भूल जाते हैं। मेंटेनेंस के नाम पर कुछ नहीं। नतीजा छत का पानी सीधे ड्रेन में चला जाता है।

'निगरानी टीम लगातार इस दिशा में काम कर रही है। कई निर्माणाधीन बिल्डरों को नोटिस भेजने के साथ अर्थदंड की कार्रवाई भी विभागीय स्तर से की गई है। एसटीपी से पानी खरीदकर परियोजना को पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। '

14 साल की लड़की को शादी के बहाने 32,000 रुपये में बेचा, उसके साथ गैंगरेप किया गया

जयपुर एजेंसी। राजस्थान के अजमेर जिले की पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने शादी का झांसा देकर 14 साल की लड़की की तस्करी की, उसे 32,000 रुपये में बेचा और फिर उसके साथ गैंगरेप किया। ये गिरफ्तारियां 'उमंग अभियान के तहत मानव तस्करी विरोधी मुहिम के दौरान की गईं। आरोपियों की पहचान रोशनी खातून (22), आफरीन उर्फ नूरजहां, अफसाना उर्फ बिजली और मोहम्मद जिशान उर्फ दिशु (21) के तौर पर हुई है।

यह मामला 13 जून, 2026 को दरगाह पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। लड़की की मां ने शिकायत की थी कि उसकी नाबालिग बेटी को दो महिलाओं अफसाना उर्फ बिजली और मर्जीना ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया था।

पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान चलाया गया और बाद में लड़की को चुरू जिले के सरदारशहर से छुड़ा लिया गया। लड़की के बयान, मेडिकल जांच और अन्य सबूतों के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहित और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

शादी के बहाने बच्ची को बेचा गया: जांचकर्ताओं ने बताया कि इस मामले में नाबालिग को शादी के बहाने बेचने और उसके साथ यौन शोषण करने की एक सोची-समझी साजिश शामिल थी। दरगाह के सर्कल ऑफिसर

लक्ष्मणराम ने कहा, 'नाबालिग लड़की को सुनियोजित तरीके से बहला-फुसलाकर ले जाया गया, उसकी तस्करी की गई और शादी के लिए 32,000 रुपये में बेच दिया गया, जिसके बाद उसके साथ गैंग-रेप किया गया। लड़की को सरदारशहर से बचाया गया। अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। '

कोर्ट में पेश किए जाने पर मोहम्मद जीशान उर्फ दिशु और रोशनी खातून को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि अफसाना उर्फ बिजली को पुलिस रिमांड पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि बाकी बची आरोपी मरजीना की तलाश जारी है।

बांग्लादेश में बेरोजगारी, इसलिए भारत में अवैध घुसपैठ कर रहे वहां के नागरिक; पूछताछ में कई बड़े खुलासे

गुरुग्राम, एजेंसी। बीते दिनों गुरुग्राम के अलग-अलग इलाकों से 13 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया था, यह पहली बार नहीं था, इससे पहले भी तीन सालों में सौ से ज्यादा बांग्लोदशी नागरिक अवैध रूप से रहते पाए जा चुके हैं। भारत में इनके अवैध रूप से घुसपैठ करने के पीछे का कारण जब इनसे पूछा गया तब उन्होंने बांग्लोदश में रोजी-रोटी का संकट होने जैसी बातें कहीं। पूछताछ में पता चला कि बांग्लोदश में बेरोजगारी के कारण इन्हें महीनों तक काम नहीं मिल रहा था।

सोमवार और मंगलवार को चलाए गए अभियान में इस्लाम, सुमोन अली, आरिफ, सबीर हुसैन, रूबल, साकिब, रोब्यूल, गुलजार हुसैन, नईम, महबूब, हमीदूर इस्लाम, अतिहार रहमान, हैसम नाम के बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया था।

ये सभी सोहना, ट्यूलिप चौक, सेक्टर 70, नखड़ौला, मानेसर व विभिन्न जगहों पर झुग्गियों व निर्माणाधीन साइट के पास रह रहे थे। सभी ढाका के पास ठाकुरबाड़ी और कंडी क्षेत्र के रहने वाले हैं। ये कालियागंज बॉर्डर से बांग्लादेशी एजेंट की मदद से अवैध रूप से भारत में घुसे थे।

इन नागरिकों से पूछताछ में पता चला कि बांग्लादेश में इनके जैसे अनेक परिवारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बीते कई सालों से बांग्लादेश के हालात ठीक नहीं हैं। वहां पर उद्योग धंधे भी बंद हो रहे हैं। दिहाड़ी श्रमिक का काम भी नहीं मिल पा रहा था।

करीब एक साल पहले नागरिकों ने कर्ज लेकर एजेंटों को पैसे दिए और भारत में घुसपैठ की। ये नागरिक यहां पर ऊंची-ऊंची निर्माणाधीन बिल्डिंगों पर पाइप का काम कर रहे थे। दलालों के माध्यम से घरों को पैसा आनलाइन भेज रहे थे। गुरुग्राम समेत एनसीआर में पुलिस ने बांग्लादेशी

रोहिंग्याओं के खिलाफ कड़ा अभियान चलाया था। गुरुग्राम पुलिस ने भी बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की थी और इन्हें पकड़कर डिटेंशन सेंटर में रखा था।

पुलिस की कार्रवाई से डर के कारण रातों-रात कई जगहों पर बसीं झुग्गियां खाली हो गई थीं और रोहिंग्या यहां से चले गए थे। लेकिन समय बीतने के साथ ही अब फिर से धीरे-धीरे इनकी वापस हो गई और अब झुग्गियां दिल्ली से राजस्थान बार्डर तक बस गई हैं। नूंह के पुन्हाना, फिरोजपुर झिरका और बिछौर इलाकों में झुग्गियां बसी हुई हैं और सैकड़ों की संख्या में रोहिंग्या रह रहे हैं।

कर्नाटक में गारंटी योजनाओं के दुरुपयोग पर डीके शिवकुमार सख्त, फर्जी लाभार्थियों पर होगी कार्रवाई

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार की गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति की समीक्षा बैठक शुक्रवार को मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में विधान सौधा के समिति कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि सरकार अपनी प्रमुख गारंटी योजनाओं के दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी भी पात्र लाभार्थी को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि इसका उद्देश्य न केवल अपात्र लाभार्थियों और फर्जी दावों को लाभ प्राप्त करने से रोकना है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वास्तविक लाभार्थियों को बिना किसी रुकावट के सहायता मिलती रहे। बैठक के दौरान,

शिवकुमार ने बताया कि गृह लक्ष्मी योजना के कई लाभार्थियों ने बैंक ऋण लिया था। कई मामलों में, योजना के तहत जमा की गई वित्तीय सहायता को बकाया ऋण राशि के विरुद्ध स्वचालित रूप से समायोजित कर दिया गया था। परिणामस्वरूप, कई लाभार्थियों ने सीधे लाभ प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते बदल दिए थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान ऐसे लाभार्थियों को असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह ज्योति योजना के कार्यान्वयन के दौरान दुरुपयोग को रोकने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और अन्य गारंटी योजनाओं में भी इसी तरह की सावधानियां बरती जातीं तो धोखाधड़ी के मामलों में काफी कमी आती। अधिकारियों ने बैठक को बताया कि ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें गृह लक्ष्मी योजना का लाभ मृत लाभार्थियों के खातों में भी जमा किया जा रहा है। शिवकुमार ने अधिकारियों को ऐसे दुरुपयोग को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि गृह लक्ष्मी योजना की राशि उनके खातों में जमा होने के तुरंत बाद लाभार्थियों को उनके मोबाइल फोन पर एक वॉइस मैसेज भेजा जाए, जिससे वे लाभ की प्राप्ति की पुष्टि कर सकें। अधिकारियों ने बैठक का ध्यान इस ओर दिलाया कि एयरटेल सिम उपयोगकर्ताओं द्वारा संचालित कुछ एयरटेल पेमेंट्स बैंक खातों का कथित तौर पर यूपीआई से जुड़े लेनदेन के माध्यम से दुरुपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस मामले की जांच करने और सुधारात्मक उपाय करने का निर्देश दिया।

महाराष्ट्र में अमराठी ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी सीखना अनिवार्य, 15 अगस्त के बाद होगी कार्रवाई

मुंबई, एजेंसी। राज्य सरकार ने ऑटो रिक्शा और टैक्सी सेवाओं में यात्रियों के साथ संवाद को बेहतर बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब अमराठी रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है। 15 अगस्त 2026 के बाद मराठी भाषा का प्रमाणपत्र नहीं रखने वाले चालकों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग ने 1 जून से 15 अगस्त 2026 तक सभी अमराठी रिक्शा-टैक्सी चालकों के लिए चार घंटे का 'मराठी भाषा संवाद पाठ्यक्रम' अनिवार्य किया है। इस प्रशिक्षण के लिए महाराष्ट्र राज्य मराठी भाषा विभाग, कोकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ को अधिकृत संस्था नियुक्त किया गया है। इन संस्थाओं द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र ही मान्य होगा। परिवहन विभाग के

सहआयुक्त रवि गायकवाड के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। इसके लिए 71 अध्ययन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण अभियान में कोकण मराठी साहित्य परिषद के करीब साढ़े चार हजार शिक्षक भी सहयोग कर रहे हैं। साथ ही सभी आरटीओ कार्यालयों के अधिकारी चालकों को आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। विभाग का कहना है कि भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना, सेवा की गुणवत्ता बढ़ाना और चालकों के लिए बेहतर व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराना है। मराठी भाषा का प्राथमिक ज्ञान मिलने से यात्रियों और चालकों के बीच संवाद अधिक सहज और प्रभावी होगा, परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 अगस्त 2026 के बाद बिना प्रमाणपत्र वाले अमराठी चालकों पर नियमानुसार दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विचार-मंथन

संपादकीय

फ्रांस और यूरोप के साथ रणनीतिक साझेदारी गहरी हो सकती है। चूंकि भारत को अक्सर विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। इससे भारत को- वैश्विक आर्थिक नीति निर्माण में भागीदारी का अवसर मिलता है। तकनीक, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी मजबूत करने का मौका मिलता है। विकसित देशों के साथ रणनीतिक संबंध गहरे होते हैं।

टेलीग्राम पर रोक से रुकेगा पेपर लीक लेकिन जड़ पर कब होगी चोट?

राष्ट्रीय पात्रता–सह–प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी–2026) की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से जिस तरह के उपायों पर जोर दिया जा रहा है, अब उन्हीं पर सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को संवाद ऐप 'टेलीग्राम' पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया ।एनटीए का कहना है कि यह निर्णय इस ऐप की उस तकनीकी सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जाता है। मगर क्या सरकार के इस कदम से यह पूरी तरह सुनिश्चित हो पाएगा कि प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा? तकनीक के इस दौर में क्या कोई इसी तरह के दूसरे ऐप का इस्तेमाल नहीं कर सकता? जाहिर है कि ऐसे सतही उपाय इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते हैं ।सरकार ने 'टेलीग्राम' पर नीट यूजी की पुन: परीक्षा होने तक इसलिए रोक लगा दी, क्योंकि इसका इस्तेमाल प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जा रहा है। मगर इसकी मूल जड़ तो वहां है, जहां से प्रश्नपत्र लीक होता है। विचित्र बात है कि प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर उसके परिवहन तक की व्यवस्था को पुख्ता करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन परीक्षा संचालन से जुड़े लोगों की जवाबदेही पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।यह बात सही है कि किसी संवाद ऐप पर भ्रामक जानकारियां फैलाने से परीक्षार्थियों के मनोबल पर असर पड़ सकता है, लेकिन क्या इस तरह के ऐप पर प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान निकल पाएगा? ऐसे तो सोशल मीडिया से जुड़े कई मंच हैं, जिन्हें इस तरह की अफवाह फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है ।इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि 'टेलीग्राम' पर पाबंदी से लाखों ऐसे नागरिक भी प्रभावित होंगे, जो इसका इस्तेमाल वैध तरीके से निजी, शैक्षणिक और पेशेवर जानकारी से जुड़े कामों के लिए करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सरकार परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए स्थायी समाधान खोजने की दिशा में कदम उठाए।

दल बदल की नई दस्तक- मतदाताओं के भरोसे पर भारी पड़ रही अवसर की राजनीति

शिवसेना में बगावत कोई पहली बार नहीं हुई है। करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की अगुआई में कई विधायक उद्धव ठाकरे से अलग हो गए थे।पश्चिम बंगाल के बाद महाराष्ट्र की सियासत में बगावत की आहट से ऐसा प्रतीत होता है कि अब सिद्धांतों की राजनीति हाशिए पर जा रही है। नहीं तो क्या वजह है कि किसी दल की विचारधारा के साथ चलने वाले और उसके चुनाव चिह्न पर जीत हासिल करने वाले नेता या तो अपना अलग गुट बना रहे हैं या दूसरे किसी दल का दामन थाम रहे हैं।तृणमूल कांग्रेस के बाद अब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कुछ सांसदों के अलग गुट बनाने और उसकी मान्यता के लिए प्रयास करने की अटकलों के बीच फिर यह सवाल उठा है कि अगर जनप्रतिनिधि सुविधा और अवसर की राजनीति करेंगे, तो उन मतदाताओं के विश्वास का क्या होगा, जिन्होंने उन पर भरोसा किया था।यह निराशाजनक है कि कोई दल सत्ता के गणित में जब कमजोर हो जाता है, तो उसके नेता सुविधा की सियासत करने लगते हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों ने अलग गुट बनाकर सत्तारूढ़ दल में अपना विलय कर लिया था। स्पष्ट है कि सिद्धांतों की दुहाई देने वाले नेता कब अपना दल छोड़ देंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता।शिवसेना में बगावत कोई पहली बार नहीं हुई है। करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की अगुआई में कई विधायक उद्धव ठाकरे से अलग हो गए थे। राजनीति में सिद्धांतों की बुनियाद किस तरह कमजोर हो रही है, इसे महाराष्ट्र के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम से एक बार फिर समझा जा सकता है।उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना में मौजूदा उथल-पुथल पार्टी को फिर मुश्किल में डाल सकती है। यही वजह है कि पार्टी ने अपने सांसदों को महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल होने का व्हिप जारी किया है, ताकि अनुपस्थित रहने वालों पर कार्रवाई की जा सके।साथ ही पार्टी के कुछ सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर नियमों के अनुरूप फैसला करने का आग्रह किया है। ऐसा लगता है कि इस दल के समक्ष वर्ष 2022 जैसा संकट खड़ा हो गया है, मगर इससे भी बड़ा संकट लोकतंत्र के लिए है, जहां निर्वाचित प्रतिनिधि सत्ता की लालसा में सिद्धांतों का त्याग कर रहे हैं।

जी-7 क्या है? इसके वैश्विक मायने क्या हैं?

(कमलेश पांडे)

जी-7 में सात प्रमुख औद्योगिक लोकतांत्रिक देश शामिल हैं- संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान। इसके अलावा यूरोपीय संघ भी स्थायी भागीदार के रूप में शामिल होता है। यह कोई औपचारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन नहीं है; इसका न तो कोई संविधान है और न ही स्थायी सचिवालय। दुनिया के अस्ताचलगामी शक्तिशाली देशों के रणनीतिक संगठन जी-7 की शिखर बैठक फ्रांस के एवि?यां शहर में 15-17 जून 2026 तक आयोजित हुई, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसी बैठ में सवा साल मोदी-ट्रंफ की भी मुलाकात हुई, जिसका अपना बहुपक्षीय महत्व है। जी-7 क्या है? इसके वैश्विक मायने क्या हैं? और दुनिया के विभिन्न महत्वपूर्ण देशों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? इसकी चुनौतियां क्या हैं और किस बात के लिए आलोचनाएं होती हैं? जवाब निम्नलिखित है-

जी-7 क्या है : जी-7 में सात प्रमुख औद्योगिक लोकतांत्रिक देश शामिल हैं- संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान। इसके अलावा यूरोपीय संघ भी स्थायी भागीदार के रूप में शामिल होता है। यह कोई औपचारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन नहीं है; इसका न तो कोई संविधान है और न ही स्थायी सचिवालय। जी-7 शिखर सम्मेलन का सबसे से बड़ा भू-राजनीतिक संदेश 2026 का फ्रांस जी-7 शिखर सम्मेलन यह संकेत देता है कि विश्व व्यवस्था अब केवल अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब तीन बड़े मुद्दे एक साथ उभर रहे हैं- एक, सुरक्षा (यूक्रेन, मध्य पूर्व); दो, अर्थव्यवस्था (वैश्विक असंतुलन, सप्लाई चेन); और तीन, प्रौद्योगिकी (एआई, डिजिटल शासन)। यदि जी-7 इन तीनों क्षेत्रों में साझा रणनीति बना पाता है, तो आने वाले वर्षों में वैश्विक शक्ति-संतुलन पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों और उनके साझेदारों (भारत, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया आदि) के पक्ष में झुक सकता है। वहीं चीन और रूस को अपने वैकल्पिक गठबंधनों को और मजबूत करना पड़ेगा।

जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने : जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने निम्नलिखित हैं, जिन्हें समझकर और साधकर कोई भी देश आगे बढ़ सकता है। पहला, यूक्रेन-रूस युद्ध पर पश्चिमी एकजुटता की परीक्षा- जी-7 देशों ने यूक्रेन को समर्थन जारी रखने और रूस पर दबाव बनाए रखने पर चर्चा की। यूक्रेनी राष्टपति जैलेंस्की की मौजूदगी ने संकेत दिया कि यूरोप चाहता है कि युद्ध का समाधान यूक्रेन की शर्तों के अनुरूप हो। लिहाजा इसका प्रभाव यह होगा कि रूस पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है। यूरोपीय सुरक्षा ढांचे में नाटो की भूमिका और मजबूत हो सकती है। वैश्विक हथियार एवं रक्षा उद्योग को लाभ मिल सकता है। भू-राजनीतिक संकटों पर सामूहिक प्रतिक्रिया- रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया की स्थिति, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और प्रतिबंधों जैसे मुद्दों पर जी-7 देशों की सामूहिक रणनीति अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करती है। दूसरा, अमेरिका-ईरान समझौते के बाद पश्चिम एशिया की नई राजनीति- यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक शांति समझौता सामने आया है। जी-7 नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर विशेष चर्चा की। इसका प्रभाव यह होगा कि अरब-खाड़ी देशों को राहत मिल सकती है। तेल कीमतों में स्थिरता आ सकती है। ईरान के वैश्विक आर्थिक पुनर्समावेशन की संभावना बढ़ सकती है। तीसरा, चीन के लिए स्पष्ट संदेश- फ्रांस की अध्यक्षता वाले जी-7 का प्रमुख एजेंडा वैश्विक आर्थिक असंतुलन और आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा है, जिसे व्यापक रूप से चीन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसका प्रभाव यह होगा कि चीन पर व्यापारिक दबाव बढ़ सकता है। फ्रेंड-शोरिंग और चाइना+1 रणनीति को बल मिलेगा। भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और मेक्सिको जैसे देशों को निवेश आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। हाल के वर्षों में जी-7 चीन की औद्योगिक क्षमता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और वैश्विक निवेश पहलों के विकल्प तैयार करने पर जोर दे रहा है। चौथा, एआई और डिजिटल शासन पर वैश्विक नियमों की दिशा: जी-7 में एआई के भविष्य, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नियमन पर भी चर्चा हुई। इसका प्रभाव यह होगा कि एआई के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक विकसित हो सकते हैं। अमेरिका और यूरोप के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ सकता है। चीन की डिजिटल कंपनियों के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों पर साझा मानक विकसित करना अब जी-7 की प्राथमिकताओं में शामिल है। पांचवां, विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय करना- जी-7 देश वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 29 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। इसलिए ब्याज दरों, व्यापार, आपूर्ति श्रृंखलाओं, ऊर्जा और वित्तीय स्थिरता से जुड़े इनके फैसलों का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। छठा- जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा- स्वच्छ ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा पर लिए गए निर्णय विकासशील देशों की नीतियों को भी प्रभावित करते हैं।

विभिन्न देशों पर इस शिखर बैठक के संभावित प्रभाव : जहां तक विभिन्न देशों पर इस शिखर बैठक के संभावित प्रभाव की बात है तो- यूएस को वैश्विक नेतृत्व पुनर्स्थापित करने का अवसर मिलेगा। ईरान समझौते और यूक्रेन नीति पर समर्थन जुटाने की कोशिश रंग लाएगी। चीन के विरुद्ध आर्थिक गठबंधन मजबूत करने का प्रयास परवान चढ़ेगा।

चीन- चीन को जी-7 की आर्थिक और तकनीकी रणनीतियों से सबसे अधिक प्रभावित देश समझा जा रहा है, क्योंकि पश्चिमी देशों द्वारा वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाने की कोशिश चीन के निर्यात मॉडल को चुनौती दे सकती है।

रूस- रूस को नए प्रतिबंधों और यूक्रेन समर्थन के कारण दबाव बढ़ सकता है। रूस को चीन, ईरान और ग्लोबल साउथ देशों के साथ संबंध और मजबूत करने पड़ सकते हैं।

यूरोप- यूक्रेन और रूस मुद्दे पर यूरोप की सामूहिक रणनीति मजबूत होगी। ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा पर नया रोडमैप बन सकता है।

अरब-खाड़ी देश- ईरान-अमेरिका वार्ता और होर्मुज़ की स्थिरता से आर्थिक लाभ मिलेगा। ऊर्जा बाज़ार में अनिश्चितता कम हो सकती है।

भारत- भारत जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन आमंत्रित भागीदार के रूप में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। लिहाजा भारत के लिए अवसर यह होगा कि पश्चिमी देशों की चाइना+1 नीति का सबसे बड़ा लाभार्थी बनने की संभावना है। इससे सेमीकंडक्टर, रक्षा,,ढ्ढ और हरित ऊर्जा में निवेश आकर्षित करने का अवसर मिलेगा।

सनातन व नारी सम्मान पर बड़ी लकीर खींचते योगी आदित्यनाथ

(मृत्युंजय दीक्षित)

मुख्यमंत्री योगी बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पवान हैं। वह कई जनसभाओं मे अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर किसी ने बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया तो अगले चैराहे पर उसका इंतजार यमराज कर रहा होगा। योगी जी के बयानों का असर धरातल पर भी दिखाई पड़ता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजनीति से ऊपर उठकर सनातन धर्म तथा स्त्री गरिमा तथा सम्मान के हित में बड़ी रेखाएं खींच रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी के प्रति सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक बयानबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने केआदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गयी है। मुख्यमंत्री ने सख्ती के साथ कहा है कि किसी भी बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए हर बेटी का सम्मान होना चाहिए। हम उन संस्कारों में पले -बढ़े हैं जहां गांव की बेटी-बहन को पूरे गांव की बेटी -बहन माना जाता है। मुख्यमंत्री योगी बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पवान हैं। वह कई जनसभाओं मे अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर किसी ने बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया तो अगले चैराहे पर उसका इंतजार यमराज कर रहा होगा। योगी जी के बयानों का असर धरातल पर भी दिखाई पड़ता है। बेटियों के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही हो रही है। आरोपियों का हाफ एनकाउंटर हो रहा है तथा आवश्यकता पड़ने पर बुलडोजर एक्शन भी हो रहे हैं। प्रदेश में नारी समाज को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से नारी सशक्तीकरण का महाअभियान चलाया जा रहा है। सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रवैया दिखाकर सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा बुने जा रहे चक्रव्यूह को एक ही झटके में ध्वस्त कर दिया है। सपा मुखिया अखिलेश की बेटी अदिति पर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के बाद मुख्यमंत्री योगी ने जो एक्शन लिया है उसने इस दुखद घटना पर बनाए जा रहे सपा के राजनैतिक नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया है। जब सोशल मीडिया के माध्यम से यह विवाद बड़े राजनीतिक तूफान में बदल रहा था और सपा योगी जी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह कहकर घेरने का प्रयास कर रही थी कि, जिनका खुद का परिवार नहीं वो परिवार का दर्द क्या समझेंगे तब योगी जी इस घटना के जिम्मेदार लोगों को ढूंढ रहे थे। योगी जी ने अपराधियों पर तुरंत एफआईआर कराने के निर्देश जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी बेटी क्यों न हो बेटी पर अभद्र टिप्पणी बर्दाश्त नहीं है। यूपी चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ ने अपने इस कदम से सिद्ध कर दिया है कि महिला सुरक्षा और सम्मान के मामले में उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के काम करती है। इससे सपा मुखिया रक्षात्मक रुख अपनाने को बाध्य हो गए हैं। अब भाजपा सपा के पुराने बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर उस पर हमलावर है। जो मुद्दा सरकार को घेरने के लिए तैयार किया जा रहा था उस पर योगी जी की प्रशासनिक और राजनीतिक सूझबूझ का बुलडोजर चल गया है। समाजवादी पूर्व में कई बार नारी सम्मान व उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी करते रहे हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6128

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6127

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 6128

संकेत: बाएं से दाएं

1. आस्ट्रिया ओर इस देश ने अलग होने के बाद 1918 को चकोस्लोवाकिया स्वतंत्र हुआ (3)
4. 1930 को इस भारतीय फिल्म गीतकार ने जन्म लिया था जिन्होंने 300 से अधिक फिल्मों के लिए 1500 से अधिक गीत लिखे (4)
7. तुल्यता, बराबरी, तुलना (3)
8. दुर्व्यसन, बुरी आदत, चसका (2)
9. वाक्य का अपभ्रंश (2)
10. उच्छिच्ट, भुक्त शेष (2)
12. ऋषि, अवाचाल, मौनी (2)
13. राक्षस, पिशाच, समुद्री नमक (3)
15. यह विश्व कही सबसे लंबी नदी है जिसकी लंबाई 6650 कि.मी. है (2)
17. अगर, जो (2)
18. एक विलायती मदिरा (2)
19. बबूल के वृक्ष को यह भी कहते है (3)
22. छोरस्थ, नितांत अंतिम (3)
23. महाप्रबंधक(अंग्रेजी)(2)
25. लोभी, जिसे अधिक लोलुपता हो (3)
26. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति (2)

ऊपर से नीचे

1. माता सरस्वती का एक नाम, शारदा (5)
2. रिक्त, खाली, अनभरा (2)
5. श्रीराम की सेवा का एक वानर (2)
6. कोटि, जाति का अपभ्रंश (2)
10. अधीनस्थ, आज्ञाहीन, मातहत (4)
11. मुलायम, मृदु, कोमल (3)
14. लय, स्वर (2)
16. रेखा, लाइन, लीक (3)
20. हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री की पत्नी का यह नाम था, लक्ष्मी, लौकिकी अप्सराओं में एक अप्सरा का नाम (3)
21. एक छोटा पौधा जिसके बीज दवा और मसाले के काम आते है (2)
22. एक श्लोक का चतुर्थांश, ओहदा (2)
23. अभिनेता गोविंदा इस नाम से भी जाने जाते है (2)
24. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित देश जिसकी राजधानी लीमा है (2)

वर्ग पहेली 6127 का हल

अ	नु	रा	धा	पौ	ड	वा	ल
मृ		ह	र	ना		स	दा
ता	क	त			प	व	न
प्री	त		स	र	ह	द	
त	र		मा		ल	त्ता	
म		गा	धि		वा		व
	भ	य		ज	न	म	त
सै	ला	ब		स्ता		घा	न

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन जॉइंट फाइनेंस, टैक्स, लोन या दूसरों के साथ जुड़े आर्थिक संसाधनों पर विशेष ध्यान देने का है। आपकी सहजता और व्यवस्थित तरीका इन मामलों को बहुत अच्छे से सुलझा देगा। पैसों से जुड़ा कोई भी बड़ा फैसला आज जल्दबाजी में न लें। आज आपके पेशेवर जीवन में कुछ अंदरूनी बदलावों की तरफ इशारा कर रहा है।

वृष
कुंभ आज आपकी पार्टनरशिप या आपसी संबंध आपके आर्थिक फैसलों को प्रभावित कर सकते हैं। साझा लक्ष्यों और पैसों की जिम्मेदारी को लेकर आज अपने पार्टनर के साथ खुलकर और ईमानदारी से बात करें। यह चर्चा भविष्य के लिए एक मजबूत बुनियाद रखेगी। किसी भी तरह की हवाई उम्मीदों से बचें। आज का दिन मिलजुलकर काम करने का है।

मिथुन
आज सही दिशा में की गई प्लानिंग आज आपकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाएगी। पैसों के लेन-देन को लेकर किसी भी तरह के टकराव या बहसबाजी से पूरी तरह दूर रहें। इसके बजाय सीधे रास्तों पर ध्यान दें, जिससे सभी का भला हो।आज आपके करियर की बड़ी इच्छाओं को एक नई उड़ान मिलेगी।

तुला
आज धन से जुड़ी कोई बातचीत, डील या जरूरी एग्रीमेंट आज आपके पक्ष में आ सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से बाहर जाकर कोई बड़ा आर्थिक वादा न करें। आपके बेहतरीन विचार आज किसी बड़े और प्रभावशाली व्यक्ति की नजर में आ सकते हैं, जिससे आगे के रास्ते खुलेंगे।

वृश्चिक
आज का दिन आपको आर्थिक उन्नति और स्थिरता को बहुत मजबूत बना रहा है। बचत, पुराने निवेश या किसी अटके हुए पेमेंट को लेकर कोई बहुत अच्छा समाचार मिल सकता है। आपकी आदत माहौल को बहुत खुशनुमा और संतुलित बनाएगी। टीम के साथ मिलकर किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स और क्लाइंट्स से जुड़े काम आज बहुत ही सहजता से पूरे होंगे।

धनु
आज के दिन आर्थिक स्थिरता बनाए रखना आपकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। परिवार से जुड़ी कुछ जरूरतों पर धन खर्च हो सकता है। एक सटीक और बजट बनाकर चलने से आप अपने पैसों का संतुलन बहुत बढ़िया तरीके से बनाए रख सकते हैं। आज जोखिम भरे कार्यों के बजाय लंबी अवधि के सुरक्षित निवेश पर भरोसा करें।

कर्क
आज आपको अपने धन प्रबंधन में कुछ अच्छे और बड़े सुधार करने का मौका दे रहा है। अपने बजट को दोबारा व्यवस्थित करना, फालतू के खर्चों की समीक्षा करना और बचत पर ध्यान देना आज आपको बहुत बढ़िया नतीजे देगा। रोजमर्रा के सामान्य कामों में भी आपकी दिखाई गई निरंतरता और ईमानदारी आपको धीरे-धीरे लेकिन बेहद मजबूत प्रगति की ओर ले जाएगी।

सिंह
आर्थिक रूप से आज का दिन अपने अंतर्मन (इंट्यूशन) पर भरोसा करने का है। कोई भी बड़ा वादा या समझौता करने से पहले सभी जरूरी कागजात और बारीकियों को अच्छी तरह जांच लें। अपनी मेहनत या किसी छोटे साइड व्यवसाय के जरिए कमाई बढ़ाने के अच्छे मौके मिल सकते हैं। सुख-सुविधा की चीजों पर फालतू खर्च करने से बचें।

कन्या
आज आर्थिक मामलों में एक बड़ा और व्यापक नजरिया दे रहा है। भविष्य की बड़ी योजनाओं को समझने और नए अवसरों को पहचानने में आपको मदद मिलेगी। अपनी स्किल्स को बढ़ाने, पढ़ाई या किसी यात्रा से जुड़े कार्यों पर किया गया खर्च आगे चलकर आपकी कमाई बढ़ाने का जरिया बनेगा।

मकर
आज आपके दोस्तों, खास संपर्कों और पेशेवर नेटवर्क के सहयोग से आज धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। कोई भी सामूहिक काम या पार्टनरशिप आज आपको फायदा दे सकती है, आज आपकी संतुलित सोच और कूटनीतिक कुशलता की कार्यक्षेत्र में बहुत कद्र होगी। ग्रुप मीटिंग्स और टीम के प्रोजेक्ट्स में आपके दिए गए सुझाव बहुत कीमती साबित होंगे।

कुंभ
आज आपके भीतर अपने आर्थिक लक्ष्यों को पाने की एक नई ऊर्जा जागेगी। आपका हौसला बुलंद रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि भावनाओं में बहकर कोई बड़ी या महंगी खरीदारी न करें। खर्च करने से पहले अपनी प्राथमिकताओं को एक बार अच्छी तरह जरूर देख लें। आज कार्यक्षेत्र में आप सबके आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। अतीत में किए गए आपके अच्छे कामों के लिए आज आपको कोई बड़ी पहचान या तारीफ मिल सकती है।

मीन
आज पैसों के मामलों में बहुत ही संभलकर चलने की जरूरत है। कुछ ऐसे गुप्त खर्च या अनदेखी बातें सामने आ सकती हैं जिन पर आपका ध्यान न गया हो। बहुत सोच-समझकर किया गया विश्लेषण और अनुशासित खर्च ही आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत रखेगा। आज लाइमलाइट में आने के बजाय पर्दे के पीछे रहकर काम करना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद और उत्पादक साबित होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

फीफा विश्वकप 2026

विश्वकप में सबसे तेज गोल का नया रिकॉर्ड

64 सेकंड में किया मटियास गालार्जा ने कमाल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 में पैराग्वे के मिडफील्डर मटियास गालार्जा ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने उन्हें टूर्नामेंट की रिकॉर्ड बुक में जगह दिला दी। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में तुर्किये के खिलाफ खेले गए अहम ग्रुप-डी मुकाबले में गालार्जा ने मैच शुरू होने के महज 64 सेकंड बाद गोल दागकर विश्वकप 2026 का सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड बना दिया।24 वर्षीय गालार्जा टूर्नामेंट के पहले मैच में मैदान पर नहीं उतरे थे, लेकिन तुर्किये के खिलाफ उन्हें शुरुआती एकादश में मौका मिला और उन्होंने शुरुआत से ही अपने चयन को सही साबित कर दिया।

साइबारी का रिकॉर्ड तोड़ा

गालार्जा से पहले यह रिकॉर्ड मोरक्को के इस्माइल साइबारी के नाम था, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 70 सेकंड में गोल किया था। हालांकि पैराग्वे के मिडफील्डर ने उनसे छह सेकंड पहले गोल कर नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। यह गोल विश्वकप 2026 का अब तक का सबसे तेज गोल बन गया है और टूर्नामेंट की सबसे चर्चित उपलब्धियों में शामिल हो गया है। पैराग्वे को अपने पहले मुकाबले में मेजबान अमेरिका के खिलाफ 1-4 की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में तुर्किये के खिलाफ मैच टीम के लिए करो या मरो जैसा था। गालार्जा के शुरुआती गोल ने खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया और टीम ने मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाए रखी।

रिकॉर्ड के साथ मिला येलो कार्ड

दिलचस्प बात यह रही कि रिकॉर्ड गोल करने के कुछ ही मिनट बाद गालार्जा को एक फाउल के लिए येलो कार्ड भी दिखाया गया। हालांकि इससे उनके खेल पर कोई असर नहीं पड़ा और वह पूरे जोश के साथ मैदान पर सक्रिय रहे। ग्रुप-डी में अमेरिका पहले ही ऑस्ट्रेलिया को हराकर राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर चुका है। ऐसे में पैराग्वे और तुर्किये दोनों के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। गालार्जा के शुरुआती गोल ने पैराग्वे को बड़ी बढ़त दिलाई और टीम की नॉकआउट में पहुंचने की संभावनाओं को मजबूत कर दिया।

मेजबान अमेरिका के आगे बेबस दिखा ऑस्ट्रेलिया, 2-0 की जीत के साथ राउंड-ऑफ-32 में पहुंची टीम

सिएटल, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-डी मुकाबले में अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और राउंड ऑफ 32 यानी अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। सिएटल स्टेडियम में खेले गए टूर्नामेंट के 32वें मैच में अमेरिकी टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ में ही दो गोल दागकर मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

आत्मघाती गोल से मिली शुरुआती बढ़त

मैच के 11वें मिनट में अमेरिका को पहला गोल मिला। फोलारिन बालोगुन के लो क्रॉस को क्लियर करने की कोशिश में ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरन बर्गेस से आत्मघाती गोल हो गया। इस गोल ने अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिला दी और ऑस्ट्रेलियाई टीम पर दबाव बढ़ गया।

एलेक्स फ्रीमैन ने दोगुनी की बढ़त

पहले हाफ के अंतिम क्षणों में अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। 43वें मिनट में सर्जिनो डेस्ट के प्रयास के बाद मिले मौके पर एलेक्स फ्रीमैन ने बॉक्स के अंदर शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। गोल को लेकर वीडियो रिव्यू किया गया, लेकिन रेफरी ने गोल को वैध करार दिया। इसके साथ ही अमेरिका ने हाफ-टाइम तक 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया की कोशिश नाकाम

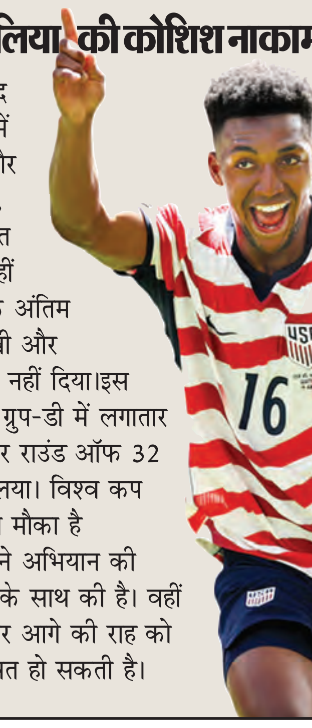

दो गोल से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे हाफ में वापसी की कोशिश की और कुछ अच्छे हमले भी किए, लेकिन अमेरिकी रक्षा पंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। अमेरिका ने मैच के अंतिम समय तक बढ़त बनाए रखी और ऑस्ट्रेलिया को कोई मौका नहीं दिया।इस जीत के साथ अमेरिका ने ग्रुप-डी में लगातार दूसरी जीत हासिल की और राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई कर लिया। विश्व कप इतिहास में यह सिर्फ दूसरा मौका है जब अमेरिकी टीम ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो जीत के साथ की है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार आगे की राह को मुश्किल बनाने वाली साबित हो सकती है।

परिवार ने जारी किया बयान

पिता हैं बीमार, फिर भी देश के लिए खुद को मैदान पर झोंक रहे लियोनेल मेसी

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्डकप 2026 का आगाज अर्जेंटीना ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। अल्जीरिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मेसी ने तीन गोल दागते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मैदान पर अपने खेल से हर किसी का दिल जीत रहे मेसी अंदर से बेहद परेशान हैं। मेसी के पिता जॉर्ज मेसी बीमार हैं और वह स्वास्थ्य संबंधी समस्या से लड़ाई लड़ रहे हैं। यही

वजह है कि अल्जीरिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पहला गोल करने के बाद मेसी भावुक भी हो गए थे। सोशल मीडिया पर मेसी के पिता को लेकर चल रही तमाम तरह की अटकलों और अफवाहों के बीच उनके परिवार का बयान सामने आया है। मेसी के परिवार ने इस मुश्किल समय में गोपनीयता का सम्मान करने की अपील की है। इसके साथ ही परिवार ने बताया है कि मेसी के पिता बीमार हैं, लेकिन उनकी हेल्थ में लगातार सुधार हो रहा है। परिवार ने इसके साथ ही मेसी के पिता को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर नाराजगी भी जाहिर की है। परिवार ने बताया कि डॉक्टरों की देखरेख में जॉर्ज मेसी का इलाज चल रहा है। परिवार ने बयान में कहा, 'जॉर्ज मेसी स्वास्थ्य संबंधी स्थिति से उबर रहे हैं। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है।' परिवार ने मेसी के पिता को लेकर किसी भी तरह की अफवाह न उड़ाने की भी अपील की। परिवार ने साफ किया कि जॉर्ज मेसी की हेल्थ को लेकर उनके द्वारा दी गई जानकारी को ही सही माना जाए और तमाम तरह की रिपोर्ट्स पर भरोसा न जताया जाए।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए किया क्वालिफाई

श्रीलंका के खिलाड़ी ने जीता गोल्ड मेडल

चौथे नंबर पर रहे नीरज

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा ने लंबे वक्त के बाद मैदान पर वापसी की, लेकिन उनकी वापसी ज्यादा सफल नहीं हो पाई। उन्होंने 2026 दोहा डायमंड लीग में चौथा स्थान हासिल किया और उनका बेस्ट थ्रो इस इवेंट में 85.69 मीटर का रहा। इस इवेंट में कुछ ही बड़े थ्रो देखने को मिले। सबसे बड़ा थ्रो श्रीलंका के उभरते हुए जैवलिन सुपरस्टार और मौजूदा वर्ल्ड लीड रुमेश थरंगा पथिराज ने किया। रुमेश ने चौथे राउंड में 88.68 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंककर दोहा लेग जीता और गोल्ड मेडल हासिल किया। 2026 दोहा डायमंड लीग में दूसरे नंबर पर एंडरसन पीटर्स रहे जिन्होंने 86.38 मीटर का बेस्ट थ्रो किया और उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया जबकि मौजूदा वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कर्टिस थॉम्पसन ने 85.99 मीटर का बेस्ट थ्रो किया और तीसरे नंबर पर रहे। आम तौर पर 90 मीटर से ज्यादा दूर तक थ्रो फेंकने के लिए मशहूर इस जगह पर (नीरज का एकमात्र 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो पिछले साल यहीं आया था, जब वे जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे) थ्रोअर्स को अपनी लय पाने में संघर्ष करना पड़ा। इस इवेंट के पहले राउंड में थॉम्पसन आगे रहे, दूसरे और तीसरे राउंड में एंडरसन पीटर्स आगे रहे, और फिर चौथे राउंड में पाथिराज ने बढ़त बना ली। यहां पर नीरज ने फाउल के साथ शुरुआत की और फिर 82.77 मीटर का थ्रो करके अपना पहला मार्क हासिल किया। उनका सबसे अच्छा थ्रो तीसरे राउंड में आया जब उन्होंने 85.69 मीटर का थ्रो किया और उस समय यह तीसरे स्थान के लिए काफी था। इसके बाद उन्होंने 83.45 मीटर का थ्रो किया और जब वे टॉप तीन में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, तो पांचवें राउंड में फाउल कर बैठे।

कॉमनवेल्थ गेम्स का कटाया टिकट

डायमंड लीग में केवल टॉप तीन खिलाड़ियों को ही छठे राउंड में थ्रो करने का मौका मिलता है और इसका मतलब था कि फाउल के साथ ही नीरज की वापसी का सफर खत्म हो गया। हालांकि नीरज का 85.69 मीटर का थ्रो एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के 83.5 मीटर के क्वालिफद्धकेशन स्टैंडर्ड को पूरा करने के लिए काफी था और इसका मतलब यह है कि नीरज ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है।

'जर्सी दोबारा पहनकर गर्व महसूस हो रहा'

वनडे फॉर्मेट में अपनी शानदार वापसी पर बोले ईशान किशन

नई दिल्ली । भारत ने दूसरे वनडे मुकाबले में अफगानिस्तान को 170 रनों से हराया। टीम की इस जीत में ईशान किशन ने बल्ले से अहम योगदान दिया। ईशान ने वनडे फॉर्मेट में अपनी सफल वापसी को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वह टीम इंडिया की जर्सी में फिर से वनडे क्रिकेट में वापसी कर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। ईशान ने सिर्फ 79 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की धमाकेदार पारी खेली। अपनी इस पारी में ईशान ने 14 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के लगाए। ईशान ने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 140 गेंदों में 224 रनों की लाजवाब साझेदारी निभाई। ईशान और गिल की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने स्कोरबोर्ड पर 402 रन लगाए। वनडे टीम में अपनी वापसी को लेकर बात करते हुए ईशान ने कहा कि भारत का फिर से प्रतिनिधित्व करना किसी भी उपलब्धि से कहीं ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए वीडियो में कहा, 'मुझे अभी बहुत गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि मैं लंबे समय के बाद यह जर्सी पहन रहा हूं। मैं इस बात से और ज्यादा खुश हूं कि मैं इस टीम का हिस्सा हूं, जहां अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। मैं बस भारत को और मैच जिताने की उम्मीद कर रहा हूं।' ईशान ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज से पहले अपना आखिरी एकदिवसीय मुकाबला साल 2023 में खेला था। ईशान ने कहा कि वह अपने रिकॉर्ड से ज्यादा इस बात पर ध्यान देना चाहते हैं कि टीम की जीत में कैसे योदगान दे सकते हैं।

कम सैलरी में दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ेंगे पंत

● युवराज को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी, लखनऊ जाएंगे कुलदीप यादव

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के खत्म हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है, लेकिन कई बड़े बदलाव के संकेत अभी से ही मिलने लगे हैं। इसमें सबसे अहम नाम लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का है साथ ही इसमें कुलदीप यादव और युवराज सिंह जैसे कुछ बड़े नाम नाम भी शामिल है। क्रिकबज के मुताबिक ऋषभ पंत की फिर से दिल्ली कैपिटल्स में वापसी होने वाली है जहां नया मैनेजमेंट स्ट्रक्चर लागू होने की उम्मीद है। दिल्ली कैपिटल्स की कमान अगले दो साल तक अब पार्थ जिंदल की छ्रस्ङ्ख कंपनी के पास रहने वाली है ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ के साथ एक ट्रेड शुरू किया है। इस समझौते के तहत पंत दिल्ली कैपिटल्स में वापसी करेंगे। वे 2025 आईपीएल नीलामी से पहले रिलीज किए जाने से पहले नौ सीजन तक इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे थे। इस ट्रेड में कुलदीप यादव लखनऊ जाएंगे। खिलाड़ियों के इस अदला-बदली से पंत और कुलदीप दोनों की ही एक तरह से घर वापसी होगी। इस लेन-देन की सटीक जानकारी अभी नहीं मिली है लेकिन यह पक्का है कि इस बदलाव के तहत पंत की सैलरी में काफी कटौती होगी।

15 करोड़ हो सकती है पंत की सैलरी- पंत के ट्रेड में सबसे बड़ी रुकावट उनकी 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड-तोड़ सैलरी थी। किसी भी फ्रेंचाइजी के लिए इतनी ज्यादा फीस वाले खिलाड़ी को टीम में शामिल करना तुरंत मुमकिन नहीं था। पता चला है कि पंत इस बदलाव को आसान बनाने के लिए अपनी प्राइस कम करने को तैयार हो गए हैं ठीक वैसे ही जैसे पिछले सीजन में राजस्थान रॉयल्स से जुड़ते समय रविंद्र जडेजा ने किया था। माना जा रहा है कि पंत की नई फीस उनकी मौजूदा सैलरी के आधे से थोड़ी ज्यादा होगी। सूत्रों के मुताबिक यह विकेटकीपर-बल्लेबाज लगभग 15 करोड़ रुपये की फीस पर सहमत हो गया है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स में कुलदीप की फीस 13.25 करोड़ रुपये ही बनी रहेगी। माना जा रहा है कि इस ट्रेड से जुड़े कागजात मंजूरी के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पास हैं।

जुड़ सकते हैं युवराज सिंह

इस बीच ये भी खबर सामने आई है कि युवराज सिंह दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग टीम में शामिल होंगे। छ्रस्ङ्ख के मैनेजमेंट संभालने के साथ ही, सौरव गांगुली क्रिकेट मामलों के हेड के तौर पर टीम में लौट रहे हैं और माना जा रहा है कि उन्होंने ही भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनाया है। गांगुली की वापसी के बाद भी पिछले दो सीजन से टीम के हेड कोच रहे हेमांग बदानी भी टीम के साथ शायद बने रहेंगे। बदानी और कप्तान अक्षर पटेल की अगुवाई में दिल्ली कैपिटल्स हाल ही में खत्म हुए सीजन में छठे स्थान पर रही थी। टीम ने सीजन की शुरुआत तो जबरदस्त की थी, लेकिन सीजन के दूसरे हाफ में उनकी लय बिगड़ गई और आखिर में वे प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

औरंगाबाद को मिले नए पुलिस अधीक्षक, उपेंद्रनाथ वर्मा संभालेंगे कमान

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। बिहार सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी उपेंद्रनाथ वर्मा को औरंगाबाद का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया है। वे वर्तमान एसपी अंबरीश राहुल का स्थान लेंगे। अंबरीश राहुल का तबादला राजगीर स्थित बिहार पुलिस अकादमी में सहायक निदेशक के पद पर किया गया है। उपेंद्रनाथ वर्मा इससे पहले बाँका जिले के पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। बाँका में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, प्रभावी पुलिसिंग और जनसहभागिता को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य किए। उनके नेतृत्व में जिले में पुलिस व्यवस्था को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाने के प्रयासों की व्यापक चर्चा रही। औरंगाबाद में उनकी नियुक्ति के बाद सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम लोगों में नई उम्मीद जगी है।

प्रखंड बीस सूत्री समिति की बैठक में गूंजे जनहित के मुद्दे

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। दाउदनगर प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर स्थित सभागार में शनिवार को प्रखंड बीस सूत्री समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष दीपक पटेल ने की, जबकि संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद जफर इमाम ने किया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समिति के सदस्यों ने जनहित से जुड़े कई मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। बैठक में सदस्यों ने आशा कार्यकर्ताओं की बहाली में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाया। इसके अलावा बाल विकास परियोजना से जुड़े मामलों पर चर्चा करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित निरीक्षण की आवश्यकता बताई गई। सदस्यों का कहना था कि कई केंद्रों पर अनियमितताएं सामने आ रही हैं, जिन पर कार्रवाई की जानी चाहिए। बैठक के दौरान खाद की कालाबाजारी, उर्वरक आपूर्ति, बिजली व्यवस्था, पुलिस प्रशासन, पशुपालन विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) तथा भूमि विवाद से जुड़े मामलों पर भी सदस्यों ने अधिकारियों से सवाल किए।

पिकअप और मुर्गी लदे ऑटो की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर

दो युवकों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के रफीगंज-गोह मुख्य मार्ग पर रविवार को भाम मोड़ के समीप पिकअप वाहन और मुर्गी लदे ऑटो के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान रफीगंज थाना क्षेत्र के धंधवा गांव निवासी मोहम्मद नन्हु के पुत्र मो. अजीज (22) तथा अरवल जिले के कलेर निवासी हेरु खान के पुत्र मो. दिलनवाज खान उर्फ भोला (20) के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में मातम पसर गया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही रफीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। दुर्घटना में घायल लोगों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रफीगंज पहुंचाया गया। घायलों की पहचान कलेर के हृदयचक गांव निवासी मोहम्मद अदनान तथा मेहंदिया थाना क्षेत्र के नारायण बिगहा गांव निवासी पिंटू कुमार उर्फ मंटू कुमार (33) के रूप में हुई है। ड्यूटी पर तैनात डॉ. लालजी यादव ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

दिल नवाज मृतक

मो. अजीज मृतक

पिकअप पर सवार दो लोग हादसे के बाद फरार

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन पर तीन लोग सवार होकर धंधवा से गोह की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे मुर्गी लदे ऑटो से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद पिकअप पर सवार दो अन्य लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी पहचान कर तलाश में जुटी है। रफीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। फरार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आगे की कार्रवाई जारी है।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के नगर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर शनिवार को हुए सड़क हादसे में एक शिक्षक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना देव हॉस्पिटल के सामने स्थित बुलेट शोरूम के समीप हुई, जहां तेज रफ्तार अपाची बाइक ने पीछे से बुलेट मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरोपी चालक बाइक समेत फरार हो गया। मृतक की पहचान जम्होर थाना मुख्यालय निवासी मदन माथुर (44) के रूप में हुई है। वह सीरीस हाई स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। बताया जाता है कि वे अपनी बुलेट मोटरसाइकिल की सर्विसिंग कराने के लिए औरंगाबाद स्थित बुलेट एजेंसी जा रहे थे। जैसे ही वे शोरूम के पास पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार में आ रही अपाची बाइक ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। मौत की सूचना मिलते ही सदर अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पत्नी बार-बार बेसुध हो रही थीं। परिजनों ने बताया कि मदन माथुर दो भाइयों में सबसे छोटे थे और परिवार के मुख्य सहारा थे। उनके परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। उनकी असामयिक मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे के बाद अपाची बाइक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

सिर में गंभीर चोट लगने से मौत

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि मदन माथुर बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरे और उनके सिर में गंभीर चोट लगी। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें सदर अस्पताल ले गई, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डीएम ने किया ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

- वेयरहाउस में रखी मशीनों, सुरक्षा व्यवस्था और अभिलेखों की हुई जांच।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने औरंगाबाद प्रखंड परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार किए गए इस निरीक्षण का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना है। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट मशीनों के रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था तथा संधारित अभिलेखों की गहन जांच की गई। जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने तथा नियमित निगरानी जारी रखने पर भी बल दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में जनविश्वास बनाए रखने के लिए ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा और रखरखाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए आयोग के सभी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश नहीं रहे। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी मो. गजाली सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

आज औरंगाबाद के पांच केंद्रों पर होगी नीट-यूजी परीक्षा, 2695 अभ्यर्थी होंगे शामिल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में रविवार को आयोजित होने वाली री-नीट (यूजी) 2026 परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा जिले के पांच परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें 2,695 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देश पर समाहरणालय स्थित योजना भवन सभाकक्ष में पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल एवं अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशासन ने प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की है। सभी अधिकारियों को सुबह 10 बजे तक अपने-अपने केंद्रों पर पहुंचने तथा परीक्षा समाप्त होने तक वहीं मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 1:30 बजे तक ही प्रवेश मिलेगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा कक्ष में अंतिम प्रवेश समय दोपहर 1:40 बजे निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, टैबलेट, कैलकुलेटर, ईयरफोन, पेजर समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्रों में पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। अभ्यर्थियों को केवल प्रवेश पत्र, पासपोर्ट आकार का फोटो और वैध पहचान पत्र के साथ ही प्रवेश दिया जाएगा। सभी परीक्षार्थियों की शत-प्रतिशत फ्रिस्किंग एवं प्रवेश पत्र सत्यापन के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिलेगा।

महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए प्रत्येक केंद्र पर महिला पुलिस बल की तैनाती की गई है। महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों की जांच अलग-अलग कक्षों में महिला एवं पुरुष कर्मियों द्वारा की जाएगी। परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए परीक्षा केंद्रों के 200 से 300 मीटर के दायरे में स्थित साइबर कैफे, फोटो कॉपी एवं प्रिंटिंग प्रतिष्ठानों को परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

नीट-यूजी परीक्षा के कदाचारमुक्त संचालन को लेकर डीएम ने केंद्राधीक्षकों को दिया दिशा-निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की जांच, समयबद्ध प्रवेश तथा परीक्षा संबंधी सभी मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि परीक्षा शुरू होने से पहले सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। अभ्यर्थियों को केवल निर्धारित समय के भीतर ही प्रवेश दिया जाए तथा विलंब से आने वाले किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाए।

उन्होंने केंद्राधीक्षकों को निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर, सीसीटीवी कैमरे, पेयजल, शौचालय, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परीक्षा केंद्र परिसर में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स तथा अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बैठक में कहा गया कि सभी अभ्यर्थियों की परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सघन जांच की जाएगी। परीक्षा केंद्रों के भीतर एवं आसपास विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भारत सरकार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) एवं राज्य सरकार द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता (विशेष) शार्दुल हसन खां, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन सिंह, सदर-1 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षक उपस्थित थे।

ट्रक से 16 बोरा डोडा बरामद, चालक गिरफ्तार

अंबा (औरंगाबाद)(नि.सं.)। मद्य निषेध विभाग ने एरका चेकपोस्ट पर सघन वाहन जांच अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 16 बोरा डोडा बरामद किया है। मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर ट्रक को जब्त कर लिया गया है। विभाग अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क की जांच में जुट गया है। यह कार्रवाई अधीक्षक मद्य निषेध मनोज कुमार राय एवं निरीक्षक चंदन कुमार के निर्देश पर की गई। अभियान का नेतृत्व एएसआई अजय कुमार पासवान ने किया। टीम में कांस्टेबल कुंदन कुमार, विकास कुमार, गृहरक्षक राकेश कुमार, एमटीएस मनीष कुमार सिंह तथा स्कैनर ऑपरेटर राजेश कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल थे। जानकारी के अनुसार झारखंड की ओर से आ रहे एक संदिग्ध ट्रक को एरका चेकपोस्ट पर रोककर जांच की गई। तलाशी के दौरान ट्रक से 16 बोरा डोडा बरामद होने के बाद उत्पाद विभाग की टीम ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार चालक की पहचान हरिपाल के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले के मितौली थाना क्षेत्र के बलिया गांव का निवासी है।

विश्व योग दिवस की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक संस्था 'कवि स्पर्श' के तत्वावधान में विश्व योग दिवस की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के साहित्यकारों एवं कवियों ने योग, भारत और भारतीय संस्कृति पर आधारित अपनी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ किया। संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम राय के आह्वान पर आयोजित इस कवि सम्मेलन का उद्घाटन साहित्यकुंज के महासचिव, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार अरविंद अकेला ने किया, जबकि अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. राजेश तिवारी 'मक्खन' ने की। मुख्य अतिथि के रूप में निवाड़ी के प्रसिद्ध आशु कवि डॉ. रामनिवास तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की उत्तर प्रदेश इकाई की प्रदेश अध्यक्ष शिखा पांडेय ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर किया। अतिथियों का स्वागत बिहार प्रदेश अध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी जम्होरिया ने किया।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और प्रसन्न जीवन जीने की एक प्रभावी जीवनशैली है। योग को अपनाकर व्यक्ति स्वयं स्वस्थ रह सकता है और समाज में सकारात्मक एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में भी योगदान दे सकता है। 'योग और भारत' विषय पर आयोजित कवि सम्मेलन में देशभर के दर्जनों कवियों ने अपनी ओजपूर्ण, प्रेरणादायी एवं भावपूर्ण रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम में संजय हजारीबागी, विश्वानी देव अग्रवाल, डॉ. शिखा गोस्वामी 'निहारिका', रजनी सिंह, मीना जैन 'दुष्यंत', पिंकी मिश्रा, ईश्वर चंद्र जायसवाल, सुनील कुमार खुराना, अवध किशोर मिश्रा, कल्पना सेठी, रामबहाल सिंह 'बहाल', राजेश तिवारी 'रंजन', डॉ. ललिता बी. जोगाड़, डॉ. अजय बैरागी 'विरक्त', किरण सेन, कमलेश विष्णु सिंह, पंडित मुल्कराज 'आकाश', कविता नामदेव, सनूक लाल यादव, राजेश्वरी बाजपेई, नीलम रानी सक्सेना, पुतुल मिश्रा, डॉ. खुशबू राठी, डॉ. शशिभूषण कुमार सिंह, मंजू चौधरी, रामकिशोर पाठक, डॉ. राजेश कुमार शर्मा, रमेश साहू 'मुंगेली', निर्मल जैन 'नीर', डॉ. बाबू भंडारी 'हमनवा', डॉ. भोला दत्त जोशी, रूपेश कुमार, रामबाबू शर्मा, मीनू चौधरी, रंजुला चंडालिया, शालिनी श्रीवास्तव, चंद्र प्रकाश गुप्त 'चंद्र', अरविंद कुमार 'उचित', वंदना शास्त्री 'राही', डॉ. शरीफ खान, लतेलिन लता प्रधान, डॉ. कौशल किशोर, कवि छगनलाल मुथा, प्रकाश राय, जयंती शुक्ला, डॉ. संजीदा खानम 'शाहीन', मीना तिवारी, सीता देवी, अशोक कुमार शुक्ला, हीरा सिंह कौशल, वीरेंद्र जैन 'माहिर', डॉ. भैरव सिंह चौहान एवं मनीषा नाडगौड़ा सहित अनेक साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से कार्यक्रम को यादगार बनाया।

आर्म्स एक्ट मामले में आरोपी को दो वर्ष की सजा 15 हजार रुपये जुर्माना

दाउदनगर (औरंगाबाद)(नि.सं.)। दाउदनगर अनुमंडल के खुदवां थाना कांड संख्या-33/2024 में न्यायालय ने आरोपी अंटू पांडे उर्फ बॉस पांडे को आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार देते हुए कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई है। अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी विकास कुमार की अदालत ने आरोपी को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1बी)(ए) के तहत दो वर्ष के साधारण कारावास तथा 10 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। वहीं धारा 26 के तहत एक वर्ष के साधारण कारावास और 5 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। न्यायालय ने दोनों सजाएं साथ-साथ चलाने का आदेश दिया है तथा आरोपी को कानून के प्रावधानों के अनुसार सेट-ऑफ का लाभ भी प्रदान किया है। अपने फैसले में न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की उदारता नहीं बरती जाएगी। अदालत ने कहा कि बिना लाइसेंस हथियार रखने जैसे मामलों में सजा का उद्देश्य केवल दोषी को दंडित करना नहीं, बल्कि समाज में भय और निवारक प्रभाव स्थापित करना भी है, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। उल्लेखनीय है कि पिछले छह महीनों के दौरान इस न्यायालय ने आर्म्स एक्ट से जुड़े कई मामलों में दोषसिद्ध अभियुक्तों को सजा सुनाई है। न्यायालय की इस सख्त कार्यशैली को कानून के शासन को मजबूत करने तथा अवैध हथियारों के विरुद्ध प्रभावी संदेश देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ट्रस्ट ने दिव्यांगजनों, बच्चों एवं महिलाओं के लिए खोले खजाना, वितरित किए अंगवस्त्र

- दिव्य मातृ ममता सम्मान समारोह में बेसहारा एवं विधवा महिलाओं को सम्मानपूर्वक वस्त्र भेंट किए गए।
- ट्रस्ट सचिव डॉ. चंचल कुमार मिश्रा ने समाज के सक्षम लोगों से जरूरतमंदों की निस्वार्थ सेवा करने का आह्वान किया

निज सं. | दाउदनगर (औरंगाबाद)

संपूर्णानंद एजुकेशनल एंड सोशल डेवलपमेंट ट्रस्ट की ओर से सामाजिक सेवा के तहत दिव्यांगजनों, जरूरतमंद बच्चों एवं विधवा महिलाओं के बीच वस्त्र वितरित किए गए। ट्रस्ट ने शुक्रवार और शनिवार को आयोजित कार्यक्रमों में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक सहायता प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का संदेश दिया। ज्ञान ज्योति शिक्षण केंद्र के निदेशक सह ट्रस्ट के सचिव डॉ. चंचल कुमार मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को शिक्षण संस्थान परिसर में दिव्यांगजनों को आमंत्रित कर उन्हें आवश्यक वस्त्र उपलब्ध कराए गए। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना ट्रस्ट का उद्देश्य है तथा आगे भी इस तरह के सेवा कार्य लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि शनिवार को आयोजित 'दिव्य मातृ ममता सम्मान समारोह' के दौरान चिह्नित बेसहारा एवं विधवा महिलाओं को वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. मिश्रा ने समाज के सक्षम लोगों से भी जरूरतमंदों की निस्वार्थ भाव से सहायता करने की अपील करते हुए कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। कार्यक्रम के दौरान पुरानी शहर वार्ड संख्या-8 निवासी पिंटू आलम, खुर्शीद आलम तथा वार्ड संख्या-9 निवासी सद्दाम हुसैन एवं मंजूर आलम को भी पोशाक प्रदान की गई। इस अवसर पर नेयाज आलम, रजनीश कुमार, विनोद कुमार, राजा कुमार, दीपक कुमार, सोनू कुमार एवं उत्तम कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बच्चों, किशोर-किशोरियों और कर्मियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया गया जागरूक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

नशामुक्त भारत अभियान सप्ताह के तहत जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देश पर शनिवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बुनियाद केंद्र एवं वृहद आश्रय गृह, औरंगाबाद में नशामुक्ति शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, किशोर-किशोरियों एवं कर्मियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बच्चों, किशोरों, किशोरियों एवं कर्मियों को नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है तथा विकास में बाधा उत्पन्न करता है।

BAYC Institute
स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता: 10th; अवधि: 2 वर्ष | योग्यता: 10th

BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता: 10+2; अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता: 10+2

MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता: मेडिकल ग्रेजुएट; अवधि: 2 वर्ष | योग्यता: BEMS

PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटीज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।
डॉ. सर्वदेव प्रसाद गुप्त अध्यक्ष
डॉ. अजय प्रकाश सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स में धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग शिविर में 165 शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स के अंतर्गत संचालित विद्या निकेतन, किड्ज़ वर्ल्ड (बाजार ब्रांच), किड्ज़ वर्ल्ड (भखरुआं मोड़), पटना रोड तथा संस्कार विद्या (नॉलेज सिटी), लीलाचक परिसर में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय समूह के लगभग 165 शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्घाटन समूह के सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि 'करें योग, रहें निरोग' केवल एक नारा नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने का मूल मंत्र है। उन्होंने योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए सभी से नियमित योग करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स पिछले 48 वर्षों से शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति और योग को भी बढ़ावा देता आ रहा है तथा विद्यालय में नियमित योगाभ्यास कराया जाता है। योग शिविर में मुख्य प्रशिक्षक डॉ. अनुराधा कुमारी (योगाचार्य एवं प्राकृतिक चिकित्सक) तथा उनके सहयोगी राजीव कुमार ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं व्यायाम का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से पाचन तंत्र मजबूत होता है, श्वसन क्षमता बढ़ती है, मानसिक तनाव कम होता है और कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है।

कार्यक्रम के दौरान समूह के सीईओ आनंद प्रकाश ने पतंजलि योग संस्थान से प्राप्त अपने अनुभव साझा किए। वहीं डिप्टी सीईओ इंजीनियर विद्या सागर ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और रासायनिक युक्त खाद्य पदार्थों से बचने की सलाह दी। टेक्निकल एडवाइजर इंजीनियर विनय प्रकाश ने जंक फूड से दूरी बनाकर नियमित योग करने पर बल दिया। किड्ज़ वर्ल्ड के प्राचार्य मोहम्मद मुजाहिर आलम ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के कारण लोगों की शारीरिक गतिविधियां कम हो गई हैं।